राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 इस विश्व कप के बाद हम असर शुबमन गिल के बारे में बात करेंगे .....

अडानी की हरित ' ऊर्जा परियोजनाओं में 30 करोड डॉलर..... 10

वर्ष : 14 | अंक : 131 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 22 सितम्बर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

महिला आरक्षण लागू होने के बाद देश का मिजाज बदलेगा : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन विधेयक 2023 को भारी बहुमत से पारित करने के लिए आज लोकसभा में सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि महिला आरक्षण लागू होने के बाद भारत का मिजाज बदलेगा और देश एक नई ऊंचाई पर पहुंचेगा। श्री मोदी ने लोकसभा में चंद्रयान 3 की सफलता एवं अंतरिक्ष क्षेत्र में देश की उपलब्धियों पर चर्चा शुरू होने से पहले आज एक संक्षिप्त बयान में आभार जताया। अध्यक्ष ओम बिरला को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आपने मुझे बोलने के लिए अनुमति दी, समय दिया इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। मैं सिर्फ 2-4 मिनट लेना चाहता हूं। कल भारत

की संसदीय यात्रा का एक स्वर्णिम पल था। और उस स्वर्णिम पल के हकदार इस सदन के सभी सदस्य हैं, सभी दल के सदस्य हैं, सभी दल के नेता भी हैं। सदन में हो या सदन के बाहर हो वे भी उतने ही हकदार हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आज आपके माध्यम से इस बहुत महत्वपूर्ण निर्णय में और देश की मातृशक्ति में एक नई ऊर्जा भरने में, ये कल का निर्णय और आज राज्य सभा के बाद जब हम अंतिम पड़ाव भी पूरा कर लेंगे, देश की मातृशक्ति का जो मिजाज बदलेगा, जो विश्वास पैदा होगा वो देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली एक अकल्पनीय, अप्रतीम शक्ति के रूप में उभरेगा ये मैं अनुभव करता हूं। और इस पवित्र कार्य को करने के लिए आप सब ने जो योगदान दिया है, समर्थन दिया है, सार्थक चर्चा की है, सदन के नेता के रूप में, मैं आज आप सबका पूरे दिल से, सच्चे दिल से आदरपूर्वक अभिनंदन करने के लिए खड़ा हुआ हूं, धन्यवाद करने के लिए खड़ा हूं। लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाले 128वें संविधान संशोधन विधेयक को लोकसभा ने बुधवार को दो तिहाई से अधिक बहुमत से पारित कर नारी सशक्तीकरण की दिशा में चिरलंबित एक ऐतिहासिक निर्णय किया। नारीशक्ति वंदन विधेयक 2023 को कल लोकसभा में दिनभर चली चर्चा के बाद मतविभाजन के लिए रखा गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पर्ची से हुए मत विभाजन कराया जिसमें विधेयक के पक्ष में 454 और विरोध में दो मत पड़े। इस प्रकार से संविधान संशोधन विधेयक दो तिहाई से अधिक बहुमत से पारित हुआ है। गुरुवार को राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा आरंभ हो गयी और देर शाम तक संसद के ऊपरी सदन में यह विधेयक पारित होना करीब करीब तय है।

मौसम

अधिकतम तापमान 35.6°C

न्यूनतम तापमान 26.9°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	61,140
चांदी	73,500
सेंसेक्स	67,597
निफ्टी	20,133

संक्षिप्त खबरें

राहुल गांधी ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन पहुंचकर कुलियों से बातचीत की

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को यहां आनंद विहार रेलवे स्टेशन पहुंचकर कुलियों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। गांधी कुलियों की लाल कमीज पहने और सिर पर सामान उठाते हुए भी दिखे। इसके बाद वह कुलियों के साथ बैठ गए और उनसे उनकी समस्याएं पूछीं। कांग्रेस ने एक्स पर गांधी की कुलियों से बातचीत की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, जननायक राहुल गांधी जी आज दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर अपने कुली मित्रों से मिले। हाल में एक वीडियो काफी प्रसारित हुआ था जिसमें रेलवे स्टेशन के कुली मित्रों ने उनसे मिलने की इच्छा जताई थी। पार्टी ने लिखा, आज, राहुलजी उनके बीच पहुंचे और उनकी बात सुनी भारत जोड़ो यात्रा जारी है। गांधी मिस्त्रियों से लेकर छात्रों तक, समाज के विभिन्न वर्गों के साथ बातचीत कर चुके हैं। उनका कहना है कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक की उनकी भारत जोड़ो यात्रा इस तरह की बातचीत के माध्यम से जारी रहेगी। गांधी ने हाल में लद्दाख पहुंचकर विभिन्न सामाजिक समूहों से बातचीत की थी।

चीन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं: राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पर बहस जारी है। जहां लोकसभा में गुरुवार को पीएम मोदी ने इसके लिए सभी सांसदों को धन्यवाद दिया, तो वहीं राजनाथ सिंह ने भी विपक्ष के सहयोग की तारीफ की। हालांकि, इस बीच एक मौका ऐसा भी आया, जब आमतौर पर शांत रहने वाले राजनाथ सिंह अचानक ही अपने वक्तव्य को छोड़कर कांग्रेस को जवाब देने लगे। यह मामला था चीन से जुड़े एक सवाल का, जिस पर कांग्रेस ने बार-बार रक्षा मंत्री के भाषण को बाधित करने की कोशिश की। इसके बाद राजनाथ ने अपने जवाब से विपक्ष की बोलती बंद कर दी। लोकसभा में जिस वक्त राजनाथ सिंह महिला आरक्षण विधेयक को लेकर सांसदों को धन्यवाद दे रहे थे, उसी दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने उन्हें कई बार बाधित करने की कोशिश की। अधीर रंजन ने राजनाथ से चीन पर सवाल करने की कोशिश की। एक-दो मौकों पर राजनाथ ने उन्हें टाला। हालांकि, जब अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि क्या सरकार के पास लद्दाख में चीन से टकराव के मुद्दे पर चर्चा की हिम्मत है, तो राजनाथ बिफर गए। उन्होंने कहा, पूरी हिम्मत है... राजनाथ ने यह कई बार दोहराया भी। इसके बावजूद जब अधीर रंजन नहीं रुके, तो राजनाथ

ने कहा, ₹अधीर रंजन जी इतिहास में मत जाओ। चर्चा चीन पर भी होगी। इसके बाद अधीर रंजन ने कहा कि सरकार ने आश्वसान दिया था कि चीन पर चर्चा होगी, लेकिन आपने वादा पूरा नहीं किया। इस पर राजनाथ ने कहा, हमने सुन ली आपकी बात, अब हमारी भी सुन लो। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं चर्चा को तैयार हूं और सीना चौड़ा कर के चर्चा के लिए तैयार हूं। सिंह ने कहा, चंद्रयान-3 की सफलता हमारे लिए निश्चित रूप से एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। क्योंकि एक तरफ दुनिया के अधिकांश विकसित देश हैं, जो हमसे कहीं अधिक संसाधन-संपन्न होते हुए भी, चांद पर पहुंचने के लिए प्रयासरत हैं, तो वहीं दूसरी तरफ हम बेहद सीमित संसाधनों से चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाले दुनिया के पहले देश बने हैं। रक्षा मंत्री ने वैज्ञानिक चेतना का उल्लेख करते हुए कहा, जब मैं यहां वैज्ञानिक चेतना की बात कर रहा हूं, तो उससे मेरा मतलब केवल कुछ वैज्ञानिक उपकरणों के विकास कर लेने भर से नहीं है। वैज्ञानिक चेतना से मेरा आशय है कि वैज्ञानिकता और तार्किकता हमारी सोच में हो, वह हमारे बात व्यवहार में हो, और वह हमारे स्वभाव में हो। उनका कहना था कि संस्कृति के बगैर विज्ञान, और विज्ञान के बगैर संस्कृति अधूरी है तथा दोनों को एक दूसरे का पूरक कहा जा सकता है, क्योंकि दोनों ही मनुष्यता के लिए जरूरी हैं। सिंह ने कहा कि संस्कृति के बगैर विज्ञान और विज्ञान के बगैर संस्कृति अधूरी है, संस्कृति और विज्ञान दोनों एक दूसरे से जुड़ने के बाद ही पूर्णता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों को एक दूसरे का पूरक कहा जा सकता है, क्योंकि दोनों ही मनुष्यता के लिए जरूरी हैं। उनके मुताबिक, कभी कभी कुछ लोगों द्वारा यह भी कहा जाता है कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और वैज्ञानिक चेतना में फर्क है। यह भी कहा जाता है कि वैज्ञानिक चेतना वाले हैं तो आप पीपल की पूजा कैसे कर सकते हैं, गाय की पूजा कैसे कर सकते हैं, मूर्ति पूजा कैसे कर सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ने इस बात पर जोर दिया, भारत में यदि कोई व्यक्ति यह कहता है कि हमारी संस्कृति विज्ञान की विरोधी है तो मुझे लगता है कि उस व्यक्ति को न तो हमारी संस्कृति का ₹सर पता है, न ही विज्ञान का व मालूम है। उन्होंने आगे कहा, हमारी आस्था, हमारी संस्कृति समावेशी है। हमारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, हमें अखिल मानवता के बंधुत्व का पाठ पढ़ाता है। हम सबने देखा कि काफी कठिन वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद, हम जी20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन कर सके, जहां घोषणापत्र पर सर्व सहमति जुटा सके। रक्षा मंत्री ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता कोई अपवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सहस्त्राब्दियों से चली आ रही देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक धारा का सहज विकास है। उन्होंने कहा कि इस सफलता के सूत्र देश के अतीत में ही छिपे हैं। उन्होंने कहा, ऐसा अतीत, जहां वैज्ञानिकता एक स्वभाव के रूप में विद्यमान थी। जहां विज्ञान और आस्था के बीच एक सामंजस्य था। हालांकि विदेशी आक्रांताओं के चलते, कुछ समय के लिए, थोड़ा पिछड़ापन आ गया था, पर हम एक बार फिर से हुंकार भरते हुए पहले से भी अधिक ताकत के साथ उठ खड़े हुए हैं, और सूरज, चांद, तारे छूने के लिए तैयार हैं। उन्होंने सदन को यह भी बताया कि भारत द्वारा अब तक प्रक्षेपित किए गए 424 विदेशी उपग्रहों में से 389 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के पिछले नौ वर्षों में प्रक्षेपित किए गए हैं।

भारत की संस्कृति को विज्ञान विरोधी कहने वालों को कुछ मालूम नहीं'

राजनाथ सिंह ने चंद्रयान-3 की सफलता के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), वैज्ञानिकों और देशावासियों को बधाई दी और कहा कि संस्कृति एवं विज्ञान एक दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं तथा भारत की संस्कृति को विज्ञान विरोधी कहने वालों को कुछ मालूम नहीं है। उन्होंने लोकसभा में ह्यचंद्रयान-3 की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारे राष्ट्र की उपलब्धियों के बारे में चर्चा मे हस्तक्षेप करते हुए यह भी कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता उन सभी लोगों के लिए गर्व का विषय है जो अपने राष्ट्र और राष्ट्र की उपलब्धियों पर गर्व करते हैं।

राज्यसभा: 'आपको होमवर्क करके आना चाहिए'; जगदीप धनखड़ ने आखिर क्यों केसी वेणुगोपाल को दी ये सलाह?

नई दिल्ली, एजेंसी

इस दिनों संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल को लेकर सदन में खूब गहमा-गहमी हो रही है। इस बिल पर लोकसभा में चर्चा के बाद गुरुवार को राज्यसभा में इस पर बहस हुई। इस दौरान कुछ ऐसा हुआ कि राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल को डांट लगा दी। उन्होंने केसी वेणुगोपाल से कहा कि आपको अपना होमवर्क करके आना चाहिए। दरअसल, ये तब हुआ जब राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल को लेकर बहस चल रही थी। इस दौरान कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने नई संसद के उद्घाटन में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की अनुपस्थिति का ज़िक्र किया गया। जिसपर सभापति जगदीप धनखड़ भड़क गए। उन्होंने वेणुगोपाल को टोंकते हुए कहा कि कोई संवैधानिक उल्लंघन नहीं हुआ है, आपको अपना होमवर्क करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, 'हम कमियों पर समझौता नहीं कर सकते। हम दूसरों की अज्ञानता का व्यापार नहीं कर सकते। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को देश में सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। कोई संवैधानिक उल्लंघन नहीं हुआ है। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति अथवा चेयरमैन का पद अपेक्षानुसार उनके स्तर का ही रखना होगा और वही किया गया। पिछले तीन दिनों में भी आपने यही देखा है। प्रमुख विपक्षी दल के सदस्य के रूप में मैं आपसे अपील करूंगा कि आप अपना होमवर्क अवश्य करें। पता लगाएं।' उपराष्ट्रपति इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा, टजब आप राष्ट्रपति को बीच में लाते हैं तो इससे अच्छा संदेश नहीं जाता। संविधान पढ़ें तो आप पाएंगे कि भूमिका स्पष्ट रूप से परिभाषित की गई है। राष्ट्रपति संसद के प्रत्येक सत्र को संबोधित करेंगे, यही संविधान में मूल निर्देश था। राष्ट्रपति को संविधान के अनुरूप कार्य करना होगा।

अंतरिक्ष क्षेत्र की उपलब्धियों से दुनिया में भारत का कद बढ़ा : लोकसभा अध्यक्ष बिरला

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सभी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के साथ-साथ देशवासियों को बृहस्पतिवार को बधाई दी और कहा कि इन उपलब्धियों से वैश्विक स्तर पर हमारे देश का कद बढ़ा है।

बिरला ने कहा, अंतरिक्ष के क्षेत्र में हमारी महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए पूरे देश को बधाई देते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। इन उपलब्धियों से प्रत्येक भारतीय गौरवान्वित हुआ है और वैश्विक स्तर पर हमारे देश का कद बढ़ा है। बिरला ने कहा, तेईस अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बनकर हमने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

चंद्रयान-3 की मिशन की सफलता हमारे वैज्ञानिकों की अथक प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो निरंतर ब्रह्मांड के सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचने का प्रयास करते आए

हैं। इस सदन के माध्यम से मैं इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों और भारत के लोगों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, भारत विश्व कल्याण के लिए अपनी सफलताओं और उपलब्धियों को दूसरों के साथ साझा करने में विश्वास रखता है। इसलिए हमने चंद्रयान तीन की सफलता को विश्व के वैज्ञानिक समुदाय और पूरी मानवता को समर्पित किया है।

उन्होंने प्रज्ञान रोवर द्वारा चंद्रमा पर सल्फर, ऑक्सीजन, अल्युमिनियम, कैल्शियम और आयरन जैसे तत्वों की मौजूदगी सहित अन्य अमूल्य जानकारी भेजने का जिक्र करते हुए कहा कि इससे अंतरिक्ष के बारे में मानव ज्ञान में वृद्धि होगी और भावी अभूतपूर्व खोजों का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा, मैं चंद्रमा पर चंद्रयान-2 के पदचिह्नों तिरंगा प्वाइंट और चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल को शिवशक्ति प्वाइंट का नाम दिये जाने का भी स्वागत करता हूं। ये नाम हमारी सदियों पुरानी विरासत के साथ हमारी वैज्ञानिक महत्वाकांक्षाओं और प्रयासों के प्रतीक हैं। चंद्रयान-3 और आदित्य-एल1 मिशन में बड़ी संख्या में महिला वैज्ञानिकों के योगदान को रेखांकित करते हुए बिरला ने कहा कि इससे नये भारत में महिलाओं के योगदान का पता चलता है।

भारत की अंतरिक्ष परियोजनाओं के तुलनात्मक दृष्टि से किफायती होने का जिक्र करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि इससे अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती क्षमताओं के साथ-साथ भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा का परिचय भी मिलता है। उन्होंने कहा, इन उपलब्धियों के फलस्वरूप भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी देशों में अपना स्थान बनाया है।

नौसेना ने दूसरे स्वदेशी विमानवाहक पोत की 'मेगा डील' के लिए केंद्र को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय नौसेना ने आखिरकार अपने दूसरे स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएसी-2 की 'मेगा डील' को मंजूरी देने के लिए केंद्र सरकार के पास प्रस्ताव भेज दिया है। देश का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत 'विक्रांत' नौसेना में शामिल किये जाने के बाद से ही नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार 'मेक इन इंडिया' के तहत इस दूसरे विमानवाहक पोत की जरूरत बता रहे थे। इस विशाल युद्धपोत का निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में किया जाएगा और इससे केरल में रोजगार के बड़े अवसर पैदा करेंगे। सेना में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देते हुए भारतीय नौसेना ने कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में निर्मित किए जाने वाले दूसरे विमान वाहक पोत के लिए सरकार के पास आधिकारिक तौर पर प्रस्ताव भेज दिया है। रक्षा मंत्रालय को जहाज के निर्माण और अधिग्रहण के लिए प्रस्ताव मिल गया है। इस दूसरे स्वदेशी विमानवाहक पोत को 'आईएसी-2' के नाम से जाना जाएगा। रक्षा मंत्रालय में जल्द ही रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' कार्यक्रम के तहत नौसेना के इस प्रस्ताव पर चर्चा होने की उम्मीद जताई गई है। सरकार से आईएसी-2 की मंजूरी मिलने के बाद यह कार्यक्रम केरल में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के माध्यम से कई हजार प्रत्यक्ष और कई गुना अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल 02 सितम्बर को भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत 'विक्रांत' राष्ट्र

को सौंपा था, जिसे अब समुद्री जंग के लिहाज से तैयार किया जा रहा है। एडमिरल आर हरि कुमार ने हाल ही में कहा था कि आईएनएस विक्रांत को इसी साल नवंबर तक पूरी तरह से चालू करने के लिए सभी प्रयास जारी हैं। भारत के लिए इस तरह के तीन विमानवाहक पोतों की जरूरत बताई जा रही है, ताकि भारतीय नौसेना इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में तैनात सभी नौसेनाओं के साथ तालमेल बनाए रखे। भारतीय नौसेना को आईएनएस विक्रांत के लिए 26 नए राफेल लड़ाकू विमान खरीदने पर विचार कर रही है। हाल ही में भारतीय नौसेना का मिग-29के फाइटर जेट पहली बार रात में आईएनएस विक्रांत पर उतरा, जो साल के अंत तक युद्धपोत के अपने एयर विंग के साथ पूरी तरह से चालू होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा था कि विक्रांत का संचालन शुरू होने के बाद ही 2023 में नए विमानवाहक पोत पर निर्णय लिया जाएगा। इसी के मद्देनजर नौसेना ने आखिरकार अपने दूसरे स्वदेशी विमानवाहक पोत 'आईएसी-2' की मेगा डील को मंजूरी देने के लिए केंद्र सरकार के पास प्रस्ताव भेज दिया है।

महिला आरक्षण नारी सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : मेघवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

कानून और विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को राज्यसभा में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने वाले संविधान (128 संशोधन) विधेयक 2023 को पेश करते हुए कहा कि यह महिलाओं को सामाजिक- आर्थिक सहभागिता बढ़ाने का अवसर देने वाला विधेयक है। श्री मेघवाल ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार शुरू से नारी सशक्तिकरण के पक्ष में रही है। विकसित भारत बनाने की दिशा में नारी सशक्तिकरण आवश्यक है और यह विधेयक इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक आर्थिक कर के समानता लाने का प्रयास करना सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने स्वच्छ भारत, उज्जवला, जनधन योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इन सब में नारी सशक्तिकरण को प्रमुखता दी गई है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक से अनुच्छेद 330, 332 और 334 में अतिरिक्त प्रावधान जोड़े जाएंगे। संविधान के अनुसार महिला आरक्षण में अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाओं को स्वयं ही आरक्षण मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि परिसीमन और जनगणना के बाद महिला आरक्षण लागू हो जाएगा। इसे लागू करने के लिए न्यायोचित और पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

आधारशिला भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

प्रधानमंत्री शनिवार को वाराणसी का दौरा करेंगे, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला रखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद का विशेष सत्र समाप्त होने के अगले ही दिन शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे जहां वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला रखने के अलावा उत्तर प्रदेश में निर्मित 16 अटल आवासीय विद्यालयों का उद्घाटन भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उसके मुताबिक प्रधानमंत्री रुद्राक्ष अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं कन्वेंशन सेंटर में काशी संसद सांस्कृतिक महोत्सव 2023 के समापन समारोह में भी भाग लेंगे। पीएमओ ने कहा कि वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम आधुनिक

विश्व स्तरीय खेल बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक कदम होगा। वाराणसी के राजातालाब के गंजरी में बनने वाले आधुनिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से 30 एकड़ से अधिक क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इस स्टेडियम की विषयगत वास्तुकला भगवान शिव से प्रेरित है, जिसमें अर्द्धचंद्राकार छत कवर और त्रिशूल के आकार की फ्लड-लाइट होगी। इसमें घाट की तरह बैठने वाली व्यवस्था को आकार दिया जाएगा। स्टेडियम की क्षमता 30,000 दर्शकों की होगी। पीएमओ ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच को और बढ़ाने के उद्देश्य से, लगभग 1115 करोड़ रुपये की लागत से 16 अटल आवासीय विद्यालय, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के कारण मजदूरों, निर्माण श्रमिकों और अनाथ बच्चों के लिए निर्मित किए गए हैं। इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ ही बच्चों के समग्र विकास में मदद करना है। प्रत्येक स्कूल का निर्माण 10-15 एकड़ के क्षेत्र में कक्षाओं, खेल मैदान, मनोरंजक क्षेत्रों, एक मिनी सभागार, छात्रावास परिसर, मेस और कर्मचारियों के लिए आवासीय फ्लैट के साथ किया गया है। प्रत्येक आवासीय स्कूल में 1000 छात्रों को समायोजित करने का लक्ष्य है। पीएमओ ने कहा कि काशी की सांस्कृतिक जीवंतता को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण ने काशी संसद सांस्कृतिक महोत्सव की अवधारणा को जन्म दिया है। महोत्सव में 17 विषयों में 37,000 से अधिक व्यक्तियों की भागीदारी देखी गई, जिन्होंने गायन, वाद्य वादन, नुक्कड़ नाटक, नृत्य आदि में अपने कौशल का प्रदर्शन किया। रुद्राक्ष इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर में कार्यक्रम के दौरान मेधावी प्रतिभागियों को अपने सांस्कृतिक कौशल का प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। संसद का विशेष सत्र शुक्रवार को समाप्त होने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

महिला आरक्षण बिल पेश कर उठाया ऐतिहासिक कदमः ज्योति

अल्मोड़ा, एजेंसी। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ज्योति साह मिश्रा ने महिला आरक्षण बिल संसद में पेश करने को मोदी सरकार का ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि अब देश की आधी आबादी नीति निर्धारण में अपनी अहम भूमिका निभाएगी। बिल के आने के बाद लोकसभा में 180 और राज्यसभा में 83 सीटें महिलाओं को मिलेंगी। उत्तराखंड की विधानसभा में 23 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। मंगलवार को राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मिश्रा ने पत्रकार वार्ता में कहा कि आजादी के बाद से ही देश की विधानसभाओं, संसद में आधी आबादी को प्रतिनिधित्व देने के लिए संघर्ष हुए। आज सभी संघर्ष अंजाम तक पहुंचे हैं और महिलाओं को सम्मान देने और नीति निर्धारण में अहम भूमिका निभाने में योगदान देने के लिए मोदी सरकार का यह कदम सराहनीय है। उन्होंने कहा कि भारत की संसद में फिलहाल 78 महिला सांसद हैं। इसमें लोकसभा में केवल 14 फीसदी महिला सांसद हैं। वहीं राज्यसभा में केवल 11 फीसदी महिला सांसद है। इंटर पार्लियामेंट्री यूनियन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक संसद में महिला प्रतिनिधित्व के मामले में भारत 193 देशों में 144वें नंबर पर हैं।

बाघ को बेहोश करने वाली दवा से दो खूंखार सांड़ को किया काबू

हल्द्वानी, एजेंसी। नगर निगम, पशुपालन और वन विभाग की टीम ने लावारिस मवेशियों को पकड़ने के लिए दूसरे दिन भी अभियान चलाया। बाघ को बेहोश करने वाली दवा से दो खूंखार सांड़ को ट्रेंक्यूलाइज किया गया। एक सांड़ ने नगर निगम की टीम को जमकर छकाया। उसने नगर निगम के पार्क की दीवार में सींग मारकर उसे तोड़ दिया। संयुक्त टीम ने 14 लावारिस जानवरों को पकड़कर बाजपुर गौशाला भेज दिया। मंगलवार को संयुक्त टीम ने सुबह 10 बजे लावारिस पशुओं को पकड़ने का अभियान शुरू किया। टीम सबसे पहले तिकोनिया चौराहा पहुंची। टीम ने एक सांड़ पर रस्सा फेंका। इस पर वह टीम पर हमलावर हो गया। इसके बाद उसने जमकर उत्पात मचाया और एक पार्क की दीवार को सींग मारकर उसे तोड़ दिया। टीम बमुश्किल सांड़ को पकड़कर वाहन में लाद पायी। इसके बाद टीम शीशमहल पहुंची। यहां दो खूंखार सांड़ दिखे जो पूर्व में कई लोगों को घायल कर चुके थे। टीम में शामिल वन विभाग के डॉक्टरों ने बाघ को बेहोश करने वाली दवा की एक-एक डॉट दोनों सांड़ को मारी। बेहोश होने पर नगर निगम की टीम ने जेसीबी की मदद से इन्हें गाड़ी में डाला। सफाई निरीक्षक अमोल असवाल ने बताया कि 14 लावारिस जानवरों को पकड़कर इन्हें बाजपुर स्थित गौशाला भेजा गया। टीम में वन विभाग के डॉ. आयुश उनियाल, डॉ. हिमांशु उनियाल और पशुपालन विभाग के डॉक्टर आदि मौजूद रहे। नगर निगम की टीम ने दो गाय को पकड़कर गाड़ी में चढ़ाया। गाड़ी में चढ़ने के बाद जैसे ही रस्सी ढीली हुई। दोनों गाय कूदकर भाग गई। नगर निगम ने पकड़े सांड़। एक सांड़ ने जमकर मचाया उत्पात।

बागेश्वर के जिला पंचायत हरीश ऐठाणी को हाईकोर्ट से राहत

नैनीताल, एजेंसी। बागेश्वर के जिला पंचायत सदस्य हरीश ऐठाणी को हाईकोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने उनकी सदस्यता समाप्त करने के शासन के फैसले को नियमानुसार न पाते हुए उसे रद्द कर दिया है। हरीश ऐठाणी पर वर्ष 2014 से 2019 तक जिला पंचायत अध्यक्ष रहते वित्तीय अनियमितताएं के आरोप थे। न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। हरीश ऐठाणी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि शासन ने शिकायतों के आधार पर मई 2023 में उनकी जिला पंचायत सदस्यता रद्द कर दी थी। इस कारण उन्होंने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में कहा कि सिर्फ शिकायतों के आधार पर उनकी सदस्यता रद्द करना गलत है। इस मामले में कोर्ट ने पिछले सप्ताह सुनवाई पूरी कर निर्णय सुरक्षित रख किया था। अब निर्णय सुनाते हुए याचिका को निस्तारित कर दिया है।

राज्य सरकार ने 9500 सस्ता गल्ला विक्रेताओं का 20 करोड़ लाभांश जारी किया

हल्द्वानी, एजेंसी। राज्य के 9500 सस्ता गल्ला विक्रेताओं के लिए राज्य सरकार ने 20 करोड़ रुपये का लाभांश जारी कर दिया है। इस बजट के बंटने के बाद राज्य सरकार 20 करोड़ रुपये और देगी। राज्य सरकार ने अभी राज्यांश जारी किया है। सस्ता गल्ला विक्रेताओं को 180 रुपये प्रति क्विंटल की दर से राज्य सरकार लाभांश देती है। राज्य में 9500 सस्ता गल्ला विक्रेता हैं। इन्हें सात महीने का प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत बांटे गए चावल और गेहूं का लाभांश नहीं मिला है। उधर अप्रैल 2023 से सितंबर तक का भी लाभांश राज्य सरकार ने अभी तक नहीं दिया है। प्रमुख सचिव एल फैनई ने बताया कि मंगलवार को राज्य सरकार ने 40 करोड़ रुपये देने की सहमति दी है। इसमें 20 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। 20 करोड़ लाभांश बांटने के बाद बचे 20 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे।

मास्टर प्लान से श्रद्धालुओं को कैंची में बेहतर सुविधाएं मिलेंगी : कमिश्नर

भवाली, एजेंसी। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने मंगलवार को मानसखंड मंदिरमाला योजना के तहत कैंची धाम मंदिर के मास्टर प्लान और सौंदर्यीकरण कार्य के लिए विभागीय अधिकारियों और मंदिर समिति के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। कमिश्नर ने कहा कि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं देना मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में है। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि डीपीआर बनाने में सभी विभाग समन्वय और सहभागिता से कार्य करें। रावत ने कहा कि मंदिर के लिए एक नया पुल बनाया जाएगा। बाइपास निर्माण के लिए एलाइमेंट का काम किया जाएगा। मंदिर परिसर में हाईटेक पार्किंग की सुविधा के साथ शौचालय, गार्डन, व्यू प्वाइंट बनाए जाएंगे। बैठक में विभागीय अधिकारियों और मंदिर समिति के सदस्यों ने भी सुझाव रखे। कमिश्नर ने कैंची मंदिर का स्थलीय निरीक्षण भी किया। इस दौरान डीआईजी डॉ. योगेंद्र रावत, डीएम वंदना, मुख्य वन संरक्षक पीके पात्रो, एसएसपी पीएन मीणा आदि मौजूद रहे।

गणेश पूजा के साथ नंदादेवी मेला शुरू

अल्मोड़ा, ऐजेंसी।
नगर में बुधवार से प्रसिद्ध सात दिवसीय नंदादेवी मेला शुरू हो गया है। देर शाम गणेश पूजा के साथ मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। बृहस्पतिवार को फलसीमा पहुंचकर कदली वृक्षों को आमंत्रित किया जाएगा। सप्तमी पर शुक्रवार को नंदा सुनंदा की मूर्तियों का स्थानीय कलाकार निर्माण करेंगे।

बुधवार को नंदा देवी मेले का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि यह मेला हमें विरासत में मिला है। यह हमारी संस्कृति और परंपराओं को सहेजे है। इसे आगे बढ़ाना युवा पीढ़ी की जिम्मेदारी है। इस दौरान मंदिर के पुजारी तारा दत्त जोशी, प्रमोद ने पूजा संपन्न कराई। स्थानीय और बाहर से आए कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

नंदादेवी मंदिर परिसर और एडम्स गर्ल्स इंटर कॉलेज मैदान में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जिनका आनंद लेने के लिए दर्शकों की भीड़ जुटी रही। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष मनोज वर्मा, मुख्य संयोजक मनोज सनवाल, मुख्य सांस्कृतिक संयोजक तारा चंद्र जोशी, किशन गुरुरानी, दिनेश गोयल, परितोष जोशी, वैभव पांडे, संतोष मिश्रा, हरीश कनवाल, अर्जुन बिष्ट, संजय साह रिक्खू, दिनेश मठपाल आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा। बुधवार को जीजीआईसी के निकट जगदंबा दरबार ड्योड़ीपोखर में नंदा जागर गायन किया गया। छानी ल्वेशाल से पहुंचे मदन राम, रमेश राम, दिवान राम, हीरा राम, शेर राम ने विधि-विधान के साथ नंदा जागर की मनमोहक प्रस्तुति दी। मां नंदा और सुनंदा के डोला विसर्जन तक जगदंबा दरबार में जागर गायन चलेगा। इस मौके पर राज पुरोहित परिवार के नागेश पंत, हरीश पंत, दिनेश पंत, चंद्रेश पंत, आदित्य पंत, देवेश पंत, विनोद पांडे, विवान पंत, हेमा पंत, विजया पंत, ज्योत्सना पंत गोकुल मौजूद रहे।

अल्मोड़ा। नंदादेवी मंदिर प्रांगण में दुकानें सज गई हैं। बाहरी स्थानों से काफी संख्या में व्यापारी पहुंचे हैं। दुकानों पर कहीं सिंदूर, चूड़िया, बिंदिया बिक रही है तो कहीं जलेबी की महक बिखरी है। अन्य उत्पादों की भी दुकानें लगी हैं। मेले में हुई मेहंदी प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में प्रतिभा जोशी, रिया तिवारी, बरखा मुस्यूनी, सीनियर वर्ग में मीनाक्षी हर्बोला, तनीषा गुणवंत, भावना जोशी क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय रहे। ऐंपण प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में गीतांजलि कुमैया, साक्षी जोशी, अंशुका पूना, सीनियर वर्ग में कंचन जाटव, ज्योति त्रिवेदी, जितेंद्र राम क्रमश पहले, दूसरे, तीसरे स्थान पर रहे। नंदादेवी मेले के चलते एलआरसाह रोड पर शिखर तिराहे से एनटीडी तक यातायात व्यवस्था में आंशिक परिवर्तन किया गया है। एसएसपी रामचंद्र राजगुरु ने बताया कि नंदा देवी मेला समाप्ति तक सभी चार पहिया वाहनों का आवागमन नगर के एलआरसाह रोड पर शिखर तिराहे से एनटीडी तक शाम चार बजे से रात्रि 10 बजे तक पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। शिखर तिराहे से साईं बाबा मंदिर तक समय शाम चार बजे से रात्रि 10 बजे तक दोपहिया वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। वहीं कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र भोज ने एलआर साह रोड पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित करने का विरोध कर इस निर्णय को वापस लेने की मांग की है। रानीखेत में कदली वृक्ष आमंत्रण यात्रा के साथ ऐतिहासिक नंदा देवी महोत्सव शुरू हो गया। राय स्टेट स्थित माधव कुंज निवासी विमल भट्ट के आवास से पूजा अर्चना के बाद कदली वृक्ष लाया गया। बुधवार को पंडित विपिन चंद्र पंत के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच राजा की भूमिका निभा रहे लक्ष्मण सिंह बिष्ट और रानी अनामिका बिष्ट ने पूजा अर्चना की। इसके बाद भव्य शोभा यात्रा निकाली। जो बाजार होते हुए नंदा देवी मंदिर पहुंची, जहां कदली वृक्ष को स्थापित किया गया। समिति के अध्यक्ष हरीश लाल साह ने बताया कि 20 से 22 सितंबर तक मूर्ति निर्माण, 23 सितंबर को मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद विभिन्न कार्यक्रम होंगे। इस दौरान हीरा सिंह रावत, हरीश लाल साह, विमल सती, मोहन नेगी, मनीष चौधरी, दीपक पंत, विनीत चौरसिया, रामेश्वर गोयल, भास्कर बिष्ट, मोहन बिष्ट आदि मौजूद रहे।

जोशीमठ निर्माण कार्यों रोक जारी, 25 को होगी सुनवाई

नैनीताल, एजेंसी। हाईकोर्ट ने चमोली जिले के जोशीमठ में लगातार हो रहे भू धंसाव को लेकर दायर जनहित याचिका पर बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान नौ अध्ययन रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में कोर्ट में पेश की गई। इसके अध्ययन के लिए याचिकाकर्ता ने कोर्ट से समय मांगा। कोर्ट ने क्षेत्र में निर्माण कार्य पर रोक को बरकरार रखा है। मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी।

मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी एवं न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। अल्मोड़ा निवासी पीसी तिवारी ने याचिका में कहा था कि1976 में मिश्रा कमेटी ने जोशीमठ को लेकर विस्तृत रिपोर्ट सरकार को दी थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि जोशीमठ शहर मिट्टी व रेत कंकड़ से बना है। यहां कोई मजबूत चट्टान नहीं है। कभी भी भू धंसाव हो सकता है। निर्माण कार्य करने से पहले इसकी जांच की जानी आवश्यक है। जोशीमठ के लोगो को जंगल पर निर्भर नहीं होना चाहिए। उन्हें वैकल्पिक ऊर्जा के साधनों की व्यवस्था भी करनी चाहिए। 25 नवंबर 2010 को आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ पीयूष रौतेला व एमपीएस बिष्ट ने एक शोध जारी कर कहा था कि सेलंग के पास एनटीपीसी टनल का निर्माण कर रही है, जो अति संवेदनशील क्षेत्र है। टनल बनाते वक्त एनटीपीसी की टीबीएम फंस गई जिसकी वजह से पानी का मार्ग अवरुद्ध हो गया और सात सौ से आठ सौ लीटर प्रति सेकेंड के हिसाब से पानी बहने लगा। यह पानी इतना अधिक है कि इससे प्रतिदिन दो से तीन लाख लोगों की प्यास बुझाई जा सकती है। पानी की सतह पर बहने के कारण निचली भूमि खाली हो जाएगी, इसलिए इस क्षेत्र में भारी निर्माण कार्य बिना सर्वे के न किए जाएं।

पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया पर उठाए सवाल

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय में छात्रों ने पीएचडी प्रवेश चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए विवि प्रशासन के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। कुलपति कुलसचिव सहित प्रशासनिक अधिकारियों का घेराव किया। छात्रों ने विवि के मुख्य द्वार सहित समस्त परिसर में तालाबंदी कर दी। शाम को विश्वविद्याल प्रशासन ने पीएचडी प्रक्रिया को स्थगित कर दिया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने सत्र 2023-24 में पीएचडी प्रवेश चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि ओबीसी, एससी, एसटी के आरक्षण को पीएचडी विवरणिका में पहले से दर्शाया नहीं गया है। छात्रों का आरोप था कि विवि पीएचडी चयन में परंपरागत छात्रों को 60 प्रतिशत वरियता प्रदान करने का नियम है।

देवाल की पहली महिला चालक बनकर बीना बढ़ा रही आर्थिकी

देवाल, एजेंसी।
चमोली जिले में देवाल ब्लाक स्थित वाण गांव की बीना देवी क्षेत्र की पहली महिला चालक बनकर परिवार की आर्थिकी मजबूत कर रही हैं। छह साल पहले उन्होंने बतौर व्यावसायिक वाहन चालक टैक्सी चलानी शुरू की थी।

शुरुआत में तो परेशानी आई, लेकिन आज वह प्रतिदिन औसतन दो हजार रुपये कमा रही हैं। खासकर, चारधाम यात्रा सीजन में उनका काम काफी अच्छा चलता है। पिछले छह साल में वह अपनी टैक्सी के जरिये पूरे उत्तराखंड का चक्कर भी लगा चुकी हैं। इसके साथ वह घर के खेती-बाड़ी का काम भी संभालती हैं।

वर्ष 2010 में बीना देवी की शादी वाण गांव निवासी सुरेंद्र सिंह से हुई थी। पिता की आर्थिक हालत अच्छी नहीं होने के चलते वह हाईस्कूल से आगे पढ़ाई नहीं कर पाईं। उनके पति एक टूरिस्ट गाइड हैं। इसके साथ ही खेती और पशुपालन भी करते हैं।

बीना बताती हैं, वर्ष 2013 में वाण गांव तक सड़क बनी तो उन्हें वाहन चलाना सीखने की इच्छा हुई। पति ने साथ दिया तो वर्ष 2016 में उन्होंने ऋण लेकर कार खरीदी और परमिट लेकर बतौर चालक एक नई शुरुआत की।

हालांकि, पहले लोग एक महिला को देखकर गाड़ी में बैठने से हिचकते थे, लेकिन अब यह काफी सामान्य बात हो गई है। उन्हें बेहद खुशी है कि वह अपने बच्चों के पालन-पोषण में मदद कर पा रही हैं। साथ ही परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में उनकी भी भागीदारी है।

जरूरत पड़ने पर वह मायकेवालों की भी मदद करती हैं। बीना कहती हैं, खाली वक्त में वह खेतीबाड़ी करती हैं। उनके अधिकतर यात्री पहाड़ पर सैर-सपाटे के लिए आने वाले यात्री होते हैं।

विभाग ने नहीं सुनी तो युवाओं ने खुद की सुविधा के लिए सड़क सुधारने की ठानी

मौलेखाल(अल्मोड़ा), एजेंसी।
सल्ट विकासखंड के जमरिया गांव को जोड़ने वाली बदहाल सड़क विभाग ने नहीं सुधारी तो यहां के युवाओं ने खुद सड़क सुधारीकरण का काम शुरू कर दिया। युवाओं ने लोगों को दुर्घटना से बचाने के लिए सड़क पर बने गड्ढों को भरने की जिम्मेदारी उठाई है और वे इसमें जुटे हैं।

जमरिया गांव को जोड़ने वाली डेढ़ किमी सड़क पर तीन वर्ष पूर्व डामरीकरण हुआ था। गुणवत्ता ठीक न होने से सड़क कुछ ही समय में बदहाल हो गई और इसमें गड्ढे हो गए। जगह-जगह सुरक्षा दीवार ढहने से दुर्घटना का खतरा बढ़ गया। कई बार सड़क सुधारीकरण की मांग के बाद भी जिम्मेदार विभाग ने नहीं सुना और लोग खतरे के बीच सफर करने के लिए मजबूर हैं। ऐसे में लोगों को दुर्घटना से बचाने के लिए युवाओं को आगे आना पड़ा।

गांव के युवा इन दिनों खुद सड़क के गड्ढे भरते हुए सरकारी मशीनरी को आईना दिखाने का काम कर रहे हैं। मुकेश सुंदरियाल, संजीव डोवरीयाल, मुकेश भदोला, संदीप परोडिया, लोकेश परोडिया, पंचम सिंह रावत सहित अन्य युवा सड़क सुधारीकरण कार्य में जुटे हैं। आपदाकाल में सड़क की हालत और भी खराब हो गई है। पहाड़ी से मलबा गिरने से इस मानसून में सड़क आए दिन बंद हो रही है। बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। ऐसे में युवा सड़क पर गिरे मलबे को खुद हटाकर आवाजाही सुचारू कराने काम कर रहे हैं।

सड़क सीधी करने के आश्वासन पर माने ग्रामीण

हल्दूचौड़, एजेंसी। मोतीनगर के पास फोरलेन सड़क का अलाइनमेंट सुधारने और सर्विस लेन देने की मांग को लेकर रेलवे क्रॉसिंग के पास चल रहा ग्रामीणों का धरना मंगलवार को एसडीएम की मध्यस्थता और एनएचएआई के लिखित आश्वासन पर समाप्त हो गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग 109 का निर्माण कर रही कार्यदायी संस्था एनएचएआई की ओर से मोतीनगर रेलवे क्रॉसिंग के पास सड़क का अलाइनमेंट मोड़ने से ग्रामीणों में गुस्सा था। इस पर ग्रामीण सड़क का काम रोककर मौके पर धरना दे रहे थे। डीएम के निर्देश पर एसडीएम पारितोष वर्मा मोतीनगर में धरनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान एनएचएआई के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने निरीक्षण कर सड़क की पैमाइश कराई और इसके बाद ग्रामीणों के साथ बैठक की। ग्रामीण सड़क को सीधी बनाने पर अड़े रहे। एसडीएम ने ग्रामीणों को सड़क सीधी करने का आश्वासन दिया।

दो साल के बेटे व पति के सामने नदी में बही महिला, मौत; रिश्तेदारी में आई थी काठगोदाम

हल्द्वानी, एजेंसी। दो साल के बेटे और पति को साथ लेकर हल्द्वानी की गौला नदी में नहाने गई महिला पानी के तेज बहाव में बह गई। पुलिस और एसडीआरएफ ने डेढ़ घंटे बाद शव नदी से बाहर निकाला।

फिरोजाबाद के कोटला रोड, टापा चौराहा श्रीफल कालोनी निवासी 24 वर्षीय शिवानी पत्नी राजकुमार बीते सोमवार को पति व बेटे के साथ काठगोदाम रिश्तेदारी में आई थी। परिवार घूमने नैनीताल भी गया था।

मंगलवार शाम साढ़े पांच बजे महिला अपने बच्चे, पति व रिश्तेदारों के साथ काठगोदाम रेलवे लाइन ठोकर के पास नदी किनारे गई। इस बीच महिला व उसकी रिश्तेदार अनमोल नहाने के लिए नदी में चले गए। शिवानी पानी के तेज बहाव में बह गई।

सूचना पर दमुवाढूंगा चौकी इंचार्ज महेंद्र राज व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। डेढ़ घंटे रेस्क्यू अभियान के बाद शाम सात बजे शीशमहल के पास गौला से महिला का शव बरामद हुआ।

रुद्रपुर। पशु के साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को इंटरनेट मीडिया में एक वीडियो वायरल होने लगा। इसमें कुछ लोग पशु को लाठी डंडे और लोहे की रॉड से पीट रहे थे, जिससे वह पशु गंभीर रूप से घायल हो गया था।

मंगलवार को इंटरनेट मीडिया के माध्यम से एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने वीडियो देखा। इसके बाद एसएसपी ने कोतवाली पुलिस को जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए प्रशासन अलर्ट, 5 से अधिक केस मिलने पर घोषित होगा डेंगू हॉटस्पॉट

हरिद्वार, एजेंसी।
हरिद्वार में डेंगू के बढ़ते मामले को देखते हुए मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन ने डेंगू के खात्मे को समेकित प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। सभी स्थानीय निकायों को निर्देशित किया कि डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण को वे अपने-अपने क्षेत्रों में साफ-सफाई एवं फागिंग के साथ ही जन सहभागिता बढ़ाए जाने के लिए जनप्रतिनिधियों, वार्ड पार्षदों, ग्राम प्रधानों का भी सहयोग लेना सुनिश्चित करें।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शहर के जिन मोहल्ले, कालोनी, बस्ती में डेंगू के पांच से अधिक मामले पाए जाएंगे, वहां

नगर आयुक्त, अधिशासी अधिकारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी एवं संबंधित अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी उस क्षेत्र का स्वयं भ्रमण करेंगे। उस क्षेत्र को डेंगू हाटस्पाट क्षेत्र घोषित करते व्यापक लार्वानाशी स्प्रे एवं फागिंग कराई जाएगी। साथ ही जन-जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में डेंगू के पांच से अधिक मामले पाए जाते हैं, तो संबंधित उप जिलाधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी उस क्षेत्र का स्वयं भ्रमण करेंगे तथा उस क्षेत्र को भी डेंगू हाटस्पाट क्षेत्र घोषित करते हुए क्षेत्र में व्यापक डेंगूरोधी छिड़काव के साथ ही जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। डेंगू के लार्वा पाए जाने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध चालानी कार्रवाई भी की जाएगी। उपचार को पर्याप्त बेड व औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। डेंगू आइसोलेशन वार्ड के लिए नोडल अधिकारी नामित किया जाए। डेंगू के गंभीर रोगियों को ब्लड बैकों में प्लेटलेट्स की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

अल्मोड़ा के कांग्रेस जिलाध्यक्ष आगे आए विधायक बिष्ट के बचाव में

अल्मोड़ा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज द्वाराहाट विधायक मदन बिष्ट के बचाव में आगे आए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा निदेशक प्रकरण में विधायक मदन बिष्ट का पुतला फूंक रही है। कठपुतली बने निदेशक का भाजपा बचाव कर रही है। लेकिन भाजपा को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल ने सरेआम सड़क पर मारपीट की। अंकिता भंडारी की हत्या कर दी गई और आरोपियों को भाजपा बचाती रही। मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाया गया, तब भी भाजपा नेता चुप रहे।

पेड़ काटने के आरोप में एक पकड़ा, पांच फरार

रामनगर, एजेंसी।
कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के ढेला जोन के पथरूवा बीट से सागौन के तीन पेड़ काटने के मामले में वनकर्मियों की टीम ने एक आरोपी को पकड़ लिया है जबकि पांच अन्य की तलाश की जा रही है। पिछले महीने 24 अगस्त को कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में ढेला रेंज के पत्थरूवा बीट पर गश्त के दौरान सागौन के तीन पेड़ कटे मिले थे। मामले में कॉर्बेट निदेशक ने उस बीट में कार्यरत वन दरोगा गौरी राम आर्य, वन आरक्षी गोपाल बिष्ट को निलंबित कर दिया था और मामले की जांच पार्क वार्डन अमित ग्वासीकोटी को सौंपी थी। पार्क वार्डन अमित ग्वासीकोटी ने बताया कि आठ सितंबर को सूचना मिली कि काटे गए पेड़ लच्छमपुर बनिया में एक स्थान पर रखे हैं। इस पर ढेला रेंज के वनकर्मियों ने सागौन के चार गिल्टे बरामद कर लिए। सोमवार को आरोपी पप्पू सिंह निवासी तुमड़िया डाम दो को रामनगर से पकड़ लिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि पेड़ काटने में उसके साथ पांच लोग और थे। जल्द ही पांच अन्य आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

अस्पताल की सीढ़ियों पर वृद्ध ने तोड़ा दम

रूड़की, एजेंसी। उपचार के लिए पहुंचे एक वृद्ध की अस्पताल के गेट पर बनी सीढ़ियों पर बैठे-बैठे ही मौत हो गई। वृद्ध का साथी जब पर्चा बनवाकर आया, तब तक वृद्ध मर चुका था। वृद्ध चार दिन से पथरी के दर्द से परेशान था। उपचार के लिए वह बुधवार को अस्पताल आया था। पुलिस ने वृद्ध के शव को कब्जे में ले लिया है। साथ ही उसके परिजनों को सूचना दी जा रही है। बुधवार सुबह वृद्ध देवी सिंह उपचार के लिए अपने दो साथियों गफूर व इकराम के साथ सिविल अस्पताल रुड़की आए थे। वृद्ध की तबीयत ठीक न होने के कारण उसके दोनों साथियों ने अस्पताल भवन के गेट पर बनी सीढ़ियों पर वृद्ध को बैठा दिया। इसके बाद वह पर्चा बनवाने के लिए लाइन में लग गए। पर्चा बनवाकर जब वह आए तब तक वृद्ध की मौत हो चुकी थी। वृद्ध की मौत की जानकारी अस्पताल प्रबंधन ने अस्पताल चौकी पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया। वृद्ध के साथी गफूर ने बताया कि वृद्ध देवी सिंह उनके साथ बढेड़ी में एक फार्म हाउस पर काम करता था।

पीलीभीत से देहरादून की ओर जा रही एक बस को किया गया सीज, चेकिंग में यात्रियों की गिनती के बाद दंग रह गई पुलिस

हरिद्वार, एजेंसी।
क्षमता से दोगुने से भी ज्यादा यात्री भरकर पीलीभीत से देहरादून आ रही एक बस को श्यामपुर में पुलिस ने चेकिंग के दौरान रोक लिया। जांच में पता चला कि बस 32 सीट व 15 स्लीपर में पास है, लेकिन बस में दोगुने से भी ज्यादा 124 सवारियों को ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। पुलिस ने तत्काल प्रभाव से बस को सीज कर दिया। यात्रियों के लिए अन्य बसों की व्यवस्था कर उन्हें देहरादून रवाना किया गया।

एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने चार्ज संभालने के बाद सभी थाना कोतवाली प्रभारियों, यातायात पुलिस व सीपीयू को चेकिंग कर ऐसे वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। श्यामपुर थानाध्यक्ष विनोद थपलियाल ने चंडीघाट चौकी प्रभारी अंशुल अग्रवाल के साथ मिलकर वाहनों की चेकिंग करते हुए पीलीभीत से देहरादून आ रही एक बस को रोक लिया। बस से सवारियों को नीचे उतारकर गिनती की गई तो पुलिस भी हैरत में पड़ गई। बस में पूरे 124 सवारियों को ठूंस-ठूंसकर भरा हुआ था। पुलिस ने चालक को जमकर फटकार लगाई और बस को सीज कर दिया। इसके बाद यात्रियों को अन्य बसों से देहरादून भेजा गया। सीओ सिटी जूही मनराल ने बताया कि इससे पहले भी चंडीघाट पर देहरादून से लखीमपुर खीरी जा रही एक बस को 185 सवारियां बैठाने पर सीज किया गया था। उन्होंने बताया कि बस से उतारे गए यात्रियों को सुरक्षित और सकुशल उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए अन्य बसों का इंतजाम किया गया है।

केजरीवाल आवास पुनर्निर्माण विवादः अदालत ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को कैट में जाने की अनुमति दी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के छह अधिकारियों को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास के पुनर्निर्माण में नियमों के कथित रूप से घोर उल्लंघन के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करने के खिलाफ केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) का रुख करने की बृहस्पतिवार को छूट दी।

मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय और विशेष सचिव (सतर्कता) की उस अपील का निस्तारण कर दिया जिसमें कारण बताओ नोटिस को चुनौती देने वाले पीडब्ल्यूडी के छह अधिकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने संबंधी एकल न्यायाधीश की पीठ के आदेश को चुनौती दी गई थी।

दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने 15 सितंबर को निर्देश दिया था कि मुख्यमंत्री केजरीवाल के आधिकारिक आवास के पुनर्निर्माण में नियमों के कथित रूप से गंभीर उल्लंघन के सिलसिले में सतर्कता निदेशालय द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस को चुनौती देने वाले पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के खिलाफ 12 अक्टूबर तक कोई सख्त कदम नहीं उठाया जाए।सतर्कता निदेशालय ने अपनी अपील में उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश के अंतरिम आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया था।

एकल न्यायाधीश ने शहर के अधिकारियों के संयम बरतने में विफल रहने और उनके वकील द्वारा दिए गये हलफनामे के बावजूद उल्लंघनकारी कदम उठाने पर गंभीर आपत्ति जताते हुए अंतरिम आदेश पारित किया था कि अधिकारियों के खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाया जायेगा।

वरिष्ठ वकील राहुल मेहरा और दिल्ली सरकार के स्थायी वकील संतोष कुमार त्रिपाठी ने एकल न्यायाधीश के समक्ष हलफनामा दिया था।

सतर्कता निदेशालय ने हालांकि अधिवक्ता योगिंदर हांडू और मनंजय मिश्रा के जरिये दायर अपनी अपील में दलील दी कि आश्वासन सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना दिया गया था।

सतर्कता निदेशालय ने केजरीवाल के आधिकारिक आवास के पुनर्निर्माण में नियमों के कथित उल्लंघन पर पीडब्ल्यूडी के छह अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। संबंधित मुख्य अभियंताओं और पीडब्ल्यूडी के अन्य अधिकारियों को जारी किये गये नोटिस में उनसे अपने कार्यों की व्याख्या करने को कहा गया था। उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश ने पीडब्ल्यूडी के छह अधिकारियों की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया था जिसमें 19 जून को उन्हें जारी किये गये कारण बताओ नोटिस को रद्द करने का अनुरोध किया गया था।

वरिष्ठ वकील मोहित माथुर के जरिये दाखिल याचिका में कहा गया कि नोटिस दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली में सत्तारूढ़ दल के बीच एक राजनीतिक खींचतान का नतीजा था जिसमें याचिकाकताओं को बलि का बकरा बनाया गया।

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने अपनी याचिका में कहा कि उन्होंने किसी भी नियम या कानून का उल्लंघन नहीं किया और मुख्यमंत्री के आधिकारिक बंगले में सभी कार्य नियमों का पूरी तरह से पालन करते हुए किए गए थे।

प्रतिबंध के बावजूद एक्सप्रेसवे पर दौड़ते रहे व्यावसायिक वाहन

नोएडा। यातायात पुलिस के प्रतिबंध के बावजूद गुरुवार को नोएडा-ग्रेनो और यमुना एक्सप्रेसवे पर व्यावसायिक वाहन और यात्री बसें चलती रहीं। ये वाहन पुलिस के सामने चल रहे थे, फिर भी कार्रवाई नहीं की गई। ट्रेड शो और बाइक रेस को देखते हुए लोगों को जाम से बचाने के लिए यातायात पुलिस ने योजना तैयार की है। इसके तहत निर्णय लिया गया कि गुरुवार सुबह 6 से 25 सितंबर तक की रात 12 बजे तक नोएडा-ग्रेनो और यमुना एक्सप्रेसवे पर व्यावसायिक वाहन और यात्री बसें नहीं चलेंगी। ये बसें दिल्ली और यमुना एक्सप्रेसवे की तरफ से नोएडा क्षेत्र में नहीं घुसने दी जाएंगी। गुरुवार को ग्रेनो के एक्सपो मार्ट में आयोजित ट्रेड शो में दोपहर के समय मुख्यमंत्री और शाम को राष्ट्रपति पहुंचीं। इसको देखते हुए नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर सुबह से अधिक संख्या में पुलिसकर्मी तैनात थे। इन सबके बीच एक्सप्रेसवे पर व्यावसायिक और बसें बिना रोक-टोक के चलती नजर आईं। बस चालक सवारियों को भरकर आगरा-लखनऊ की तरफ जा रहे थे। ट्रक भी चल रहे थे। टैक्टर भी एक्सप्रेसवे पर चलते हुए मिले।

मेरी माटी-मेरा देश अभियान के लिए नेहरू, गांधी स्मारक से मिट्टी एकत्र करेंगे भाजपा नेता विजय गोयल

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विजय गोयल मेरी माटी-मेरा देश अभियान के तहत दिल्ली में महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी सहित महान शख्सियतों के स्मारकों से मिट्टी एकत्र करेंगे। गांधी स्मृति के उपाध्यक्ष और भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व अध्यक्ष गोयल ने कहा कि इसमें कोई राजनीति नहीं है। गोयल ने कहा, यहां तक की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी नए संसद भवन में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों को श्रद्धांजलि दी है। हम भारत को शक्तिशाली और जीवंत राष्ट्र बनाने के लिए सभी की एकता के उनके (प्रधानमंत्री मोदी के) संदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। संवाददाताओं को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि 23 सितंबर को राजघाट स्थित महात्मा गांधी के स्मारक स्थल से मिट्टी इकट्ठा कर अभियान की शुरूआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, चौधरी चरण सिंह, चंद्रशेखर, अटल बिहारी वाजपेयी और समाजवादी नेता जगजीवन राम सहित अन्य महान शख्सियतों के स्मारक स्थलों से भी मिट्टी इकट्ठा की जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने शहीद जवानों के सम्मान में जुलाई में मेरी माटी-मेरा देश अभियान की घोषणा की थी। अभियान के अंतर्गत, दिल्ली में एक अमृत कलश यात्रा आयोजित की जाएगी, जिसमें देश के अलग-अलग कोनों से जमा की गई मिट्टी को 7,500 कलश में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के समीप लाया जाएगा और अमृत वाटिका का निर्माण किया जाएगा।

भरतनाट्यम नृत्यांगना सरोजा वैद्यनाथन का निधन

नई दिल्ली। भरतनाट्यम नृत्यांगना सरोजा वैद्यनाथन का कैंसर के चलते बृहस्पतिवार तड़के यहां उनके आवास पर निधन हो गया। उनकी बहू और नृत्यांगना रमा वैद्यनाथन ने यह जानकारी दी। सरोजा 19 सितंबर को 86 वर्ष की हुई थीं।

रमा ने कहा, आज तड़के करीब चार बजे उनका निधन हो गया। वह कुछ समय से कैंसर से पीड़ित थीं। शास्त्रीय नृत्यांगना सरोजा को 2002 में पद्म श्री और 2013 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

रमा ने राष्ट्रीय राजधानी में 50 साल पहले शास्त्रीय नृत्य विद्यालय गणेश नाट्यालय की स्थापना के लिए अपनी सास और गुरु को याद किया। रमा ने कहा, अब यह हमारा कर्तव्य है कि हम उनकी विरासत को आगे ले जाएं। मैं हम सभी को दिए गए प्रेम के लिए उन्हें याद कर रही हूं। मैं आज जहां हूं, केवल उन्हीं की वजह से हूं।

शुक्रवार दोपहर दो बजे लोधी श्मशान घाट पर सरोजा का अंतिम संस्कार किया जाएगा। संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सरोजा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, भरतनाट्यम गुरु, पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित और एक शानदार नृत्यांगना श्रीमती डॉ. सरोजा वैद्यनाथन के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। कला और संस्कृति के क्षेत्र में उनका योगदान सराहनीय है। डॉ. सरोजा वैद्यनाथन के परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। भरतनाट्यम नृत्यांगना और राज्यसभा सदस्य सोनल मानसिंह ने भी नृत्य जगत में अपार योगदान के लिए सरोजा को याद किया।

चन्द्रयान-3 की कामयाबी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महिन्द्रपाल सिंह हुए सम्मानित

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

चंद्रयान-3 में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इसरो वैज्ञानिक सरदार महिंदरपाल सिंह को तख्त श्री हजूर साहिब कमेटी के प्रशासक डॉ. विजय सतबीर सिंह एवं उनकी टीम के द्वारा महिन्दरपाल सिंह को सम्मानित किया गया। तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलवंत सिंह द्वारा सम्मानित पोशाक पहनाई गई। इस मौके पर पंजाबी परमोशन काउंसिल के जसवंत सिंह बॉबी भी मौजूद रहे। तख्त हजूर साहिब के प्रशासक डा. विजय सतबीर सिंह ने कहा कि बंगलौर के रहने वाले स. महिंदरपाल सिंह ने अपने जीवन के 35 वर्ष अंतरिक्ष अनुसंधान में बिताए हैं तथा चंद्रयान-3 टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे। वह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के गुणवत्ता नियंत्रक विभाग के प्रमुख के तौर पर तैनात हैं। इससे पहले उन्होंने मंगलयान के प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर भी कार्य किया है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे सिख युवाओं को प्रेरणा लेते हुए इसी प्रकार कौम का सिर गर्व से ऊँचा करना चाहिए। इस दौरान महिन्दरपाल सिंह ने डॉ. विजय सतबीर सिंह से मांग करते हुए कहा कि अगर तख्त कमेटी उन्हें कोई स्थान मुहैया करवा दे तो वह सिख कौम के बच्चों को विज्ञान की शिक्षा देंगे एवं समय-समय पर बच्चों को इसरो की सैर भी करवायेंगे।

एनएसयूआई के चारों उम्मीदवार ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगे : प्रदेश कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने दावा किया कि दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में एनएसयूआई के चारों उम्मीदवार ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगे। श्री लवली आज अपने आवास पर दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए छात्र छात्राओं से मिल रहे थे। श्री लवली ने यह भी आरोप लगाया कि हार से बौखलाई एबीवीपी गुंडागर्दी पर उतर आई है और जानबूझ कर विश्वविद्यालय में माहौल खराब कर ही है। उन्हांने छात्रों से अपील की कि वो निडर होकर मतदान करें, प्रदेश कांग्रेस उनके साथ खड़ी है।

ज्ञातव्य है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में न केवल जान फूंकी है बल्कि गहन जनसम्पर्क से चुनाव को एकतरफा कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस पहले दिन से ही दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में न केवल पूरी सक्रियता से काम कर रही है बल्कि हर स्तर पर उम्मीदवारों व छात्र नेताओं को प्रदेश कांग्रेस की ओर से मदद पहुँचाई जा रही है। श्री लवली ने कहा कि दिल्ली के सभी 14 जिला कांग्रेस कमेटियों में कांग्रेस कार्यकताओं व प्रत्येक जिले में छात्रों की बड़ी-बड़ी सभाऐं हुई है, जिनको छात्र संघ के लिए बनाई गई समन्वय समिति के सदस्यां व प्रदेश कांग्रेस द्वारा जारी सूची में शामिल पूर्व छात्र नेताओं ने न केवल सम्बोधित किया है बल्कि निजी तौर पर छात्रों से सम्पर्क भी किया है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के सभी 280 ब्लाकों में अपने-अपने स्तर पर ब्लाक अध्यक्ष क्षेत्र के पूर्व विधायकों, निगम पार्षदों व निगम का चुनाव लड़े नेताओं के साथ मिलकर अपने क्षेत्र में छात्र छात्राओं से सम्पर्क कर रहे है। श्री लवली ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस ने दिल्ली विश्वविद्यालय से संबध रखने वाले सभी कॉलेजों में मतदान के दिन लगभग 2000 कार्यकताओं, नेताओं, पूर्व विधायकों को जिम्मेदारी दी है कि वो मतदान होने तक वहां छात्रों की मदद करेंगे। आज इस सिलसिले में प्रदेश कार्यालय में सभी जिला अध्यक्षों व पूर्व विधायकों की आपातकालीन बैठक बुलाकर उनको एनएसयूआई के चारों उम्मीदवारों की प्रचार सामग्री व हैंडबिल सौंपे गए, ताकि वो अपने-अपने क्षेत्रों में मतदान के अंतिम चरण धुंआधार प्रचार कर सकें। श्री लवली ने घोषणा की कि कल मतदान तक पूरे रात दिन काम करने के लिए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कंट्रोल रुम बनाया गया है। पूर्व छात्र नेता श्री राजेश गर्ग की देखरेख में यह कंट्रोल रुम काम करेगा और जरुरत पड़ने पर तुरंत कार्यकताओं को मदद पहुचाई जाऐगी।

साउथ दिल्ली में युवक को ब्रेजा गाड़ी के बोनट पर लिटाकर पीटा

नई दिल्ली। तिगड़ी इलाके में रोडरेज का एक मामला सामने आया है। मामले में बाइक सवार और स्कार्पियों कार सवार बदमाशों ने एक कार सवार पर राड और हथौड़े से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को बत्रा अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनका इलाज चल रहा है। घायल की पहचान संगम विहार के बलराज चौधरी के तौर पर हुई है। जांच में पता चला कि घायल व्यक्ति तिगड़ी इलाके का घोषित बदमाश है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज इत्यादि की मदद से बदमाशों की पहचान करने में जुटी हुई है।

दक्षिणी जिले की पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि 21 सितंबर की रात 12.37 बजे तिगड़ी पुलिस को एक पीसीआर काल मिली थी कि इलाके में एक लड़के को गोली मार दी गई है। उन्हें बत्रा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना के बाद अस्पताल पहुंचने पर पुलिस वालों को पता चला कि संगम विहार के बलराज के सिर और दाहिने हाथ पर गंभीर चोटें आई हैं। अपने बयान में उन्होंने बताया कि वह छतरपुर स्थित अपने कार्यालय से वापस आ रहे थे। मालवीय नगर में उन्होंने अपने दोस्त जुगल किशोर के घर पर रात को खाना खाया। फिर अपनी कार से घर जाने लगे। तभी रास्ते में उनकी कार में एक बाइकसवार ने टक्कर मार दी।

वह कार से नीचे उतरा उससे टक्कर मारने का कारण पूछा तो बाइक सवार ने उनके आंखों में मिर्च पाउडर डाली दी। तभी स्कार्पियो कार में कुछ लोग आए और लोहे की राड व हथौड़े से हमला कर दिया। सूचना पर पुलिस के साथ मौके पर क्राइम टीम भी पहुंची। लेकिन जांच के दौरान फायरिंग का कोई सुबूत नहीं मिला। जांच में पता चला कि पीड़ित तिगडी इलाके का घोषित बदमाश है। वह पहले से पांच जघन्य मामलों में शामिल रहा है। पीड़ित ने पूछताछ में सहयोग नहीं किया और न किसी का नाम बताया है। प्राथमिक जांच में लग रहा है कि आरोपित पीड़ित के परिचित हैं। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल बदमाशों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा फरार हत्यारोपित बदमाश, दोस्त की प्रेमिका पर टिप्पणी के बाद की थी युवक की हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के भलस्वा डेरी थानाक्षेत्र में हुई हत्या के एक मामले में वांछित बदमाश आकाश को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार कर लिया है। इसके खिलाफ 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं। हत्या के बाद 2019 से वह फरार था। पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। विशेष आयुक्त अपराध शाखा रवींद्र सिंह यादव के मुताबिक आकाश उर्फ वीरू उर्फ चिरा, महिंद्रा पार्क, जहांगीरपुरी का रहने वाला है। इसके खिलाफ कोर्ट से गैर जमानती वारंट भी जारी था। हवलदार नितिन कुमार को सूचना मिली कि आकाश नाम का बदमाश, थाना भलस्वा डेरी में हत्या के मामले में वांछित है वह महिंद्रा पार्क, जहांगीरपुरी में छिपा हुआ है।

डीसीपी संजय भाटिया, एसीपी विवेक त्यागी व इंस्पेक्टर सतीश मलिक के नेतृत्व में हवलदार नितिन कुमार, नवल सिंह, मनदीप और नरेंद्र की टीम ने महिंद्रा पार्क से आकाश को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने बताया कि 2019 में उसने अपने सहयोगियों अजय, विशाल और दो नाबालिग के साथ मिलकर नवीन को इसलिए चाकू मार दिया था, क्योंकि उसने आरोपित के दोस्त की प्रेमिका के बारे में कुछ टिप्पणी की थी। उपचार के दौरान नवीन की मौत हो गई थी। भलस्वा डेरी थाना पुलिस ने जांच के बाद अजय को गिरफ्तार कर लिया था।

मामले में शामिल दो नाबालिग को भी पकड़ा लिया गया था। मुख्य आरोपित आकाश जिसने पीड़ित की चाकू मारकर हत्या की थी। मामला दर्ज होने के बाद से वह फरार था। आकाश पहले मजदूरी करता था। अच्छी कमाई ना होने के कारण वह जहांगीरपुरी के बुरे तत्वों के संपर्क में आकर झपटमारी, लूटपाट, डकैती व हत्या आदि आपराधिक वारदात करना शुरू कर दिया था। कई मामलों में वह पहले भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

वेतन न मिलने से 5000 दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी हड़ताल पर जाने को मजबूर

नई दिल्ली। अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राकेश वैद ने उपायुक्त महोदय अंशुल सिरोही जी को दिनांक 18/9/2023 को एक पत्र लिखकर 5000 दैनिक वेतन भोगी सफाई कर्मचारियों का अगस्त माह का वेतन आज तक भुगतान नहीं हुआ है और सन् 2016 व सन् 2017 के डीए का मुख्यालय से पैसा जारी हो गया है परन्तु बड़े दुर्भाग्य की बात है कि जोनों को मुख्यालय से पैसा जारी होने के बावजूद कर्मचारियों को डीए का भुगतान आज तक नहीं हुआ तथा स्थाई कर्मचारियों की ठंडी गर्म वर्दी का नगद भुगतान देने के आदेश मुख्यालय से जारी हो गए हैं लेकिन शाहदरा दक्षिणी क्षेत्र में एक भी कर्मचारी का वर्दी का भुगतान नहीं हो पाया व दिल्ली नगर निगम को एक हुए लगभग डेढ़ वर्ष पूर्ण हो गए हैं परंतु डेम्स (डीईएमएस) विभाग के कर्मचारियों का ड्यूटी पहचान पत्र आज तक बन नहीं पाया है इन मांगों को लेकर कर्मचारियों में बहुत रोष उत्पन्न हो रहा है। संगठन ने मांग की है कि जल्द से जल्द कर्मचारियों छोटी-छोटी मांगें पूरी नहीं की गई तो संगठन मजबूर होकर हड़ताल करने के लिए बाध्य होगा। जिसकी जिम्मेदारी निगम प्रशासन की होगी।

शास्त्री पार्क में बुजुर्ग को गाली देने से मना करने पर परिवार को डंडों से पीटा

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में बुजुर्ग को गाली देने का विरोध करने पर पड़ोसियों ने उनके परिवार को डंडों से पीट दिया। हमले में महिला व उनका बेटा और बेटी घायल हो गए। घायल हालत में अन्नू, उनके बेटे फरथम और बेटी डिम्पल को जग प्रवेश चंद अस्पताल में भर्ती करवाया गया। फरथम की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी की है। फरथम अपने परिवार के साथ शास्त्री पार्क में रहता है। उसके दादा कमल किशोर बुधवार को खाना खाने के बाद गली में घूम रहे थे। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले ओमकार ने उन्हें गली में घूमने से मना किया। बुजुर्ग ने जब वजह पूछी तो गाली गलौज करने लगा। शोर होने पर बुजुर्ग के परिवार के सदस्य घर से बाहर आ गए। फरथम ने गाली गलौज का विरोध किया। इसपर आरोपित भड़क गया और अपने दो बेटों के साथ मिलकर डंडो से उसपर हमला कर दिया। युवक को उसकी मां व बहन ने बचाने का प्रयास किया तो उनपर हमला कर दिया।

सोने के गहने की लूट मामले में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी के अतिसुरक्षित इलाके में पिस्टल के बल पर आभूषण कारोबारी के कर्मचारी से हुई पौने दो किलो सोने के गहनों की लूट मामले में नई दिल्ली जिला पुलिस ने वारदात में शामिल दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है।

नई दिल्ली जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार करोल बाग स्थित भाटिया एंड संस के ज्वेलर के कर्मचारी मुन्ना मिश्रा अपने एक अन्य सहयोगी के साथ सरोजनी नगर में सोने के गहने दिखाने गए थे। सोने को दिखाकर करोल बाग लौटने के दौरान स्कूटी सवार दो बदमाशों ने चाणक्यपुरी में उन्हें रोक दिया। बदमाश पिस्टल दिखाकर सोने से भरा बैग लूटकर फरार हो गए।

चाणक्यपुरी थानाध्यक्ष, बलिहार सिंह और एसआई आशीष यादव की टीम ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। बुधवार देर शाम पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले अनुराग उर्फ पिंटू और रोहित दहिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बदमाशों की निशानदेही पर लूट के पूरे गहने बरामद कर लिए हैं। फिलहाल पुलिस दोनों बदमाशों से पूछताछ कर रही है।

नोएडा में जुटेंगे देश के नामी पहलवान, एक-दूसरे को देंगे पटखनी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर में अक्टूबर महीने में देश के नामी पहलवान जुटेंगे और नोएडा में आयोजित होने वाले प्रसिद्ध ऋषिपाल दंगल में अपने प्रतिद्वंदी पहलवानों को पटखनी देंगे। ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट की एक अहम बैठक वेद प्रकाश प्रधान की अध्यक्षता में ऋषिपाल ट्रस्ट कार्यालय पर आयोजित की गई। ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट के प्रवक्ता मनीष चौधरी ने बताया कि बैठक में ट्रस्ट के सदस्यों ने निर्णय लिया कि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षित करने के लिए उनकी आर्थिक मदद की जाएगी। ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट के प्रवक्ता मनीष चौधरी ने बताया कि ट्रस्ट के सदस्यों ने निर्णय लिया कि आगामी 16 अक्टूबर 2023 को ऋषिपाल क्रीड़ा स्थल पर कुश्तियों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें देश के जाने-माने पहलवान शामिल होंगे। बैठक में ट्रस्ट के ट्रस्टी अतर सिंह चौधरी, राजू बक्शी, सुमेर रावत, सतीश प्रमुख, धर्मवीर चौधरी, सुशील कसाना, महेंद्र अवाना, ओमवीर कराहाना, ओमेंद्र प्रधान, रामपाल अवाना आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

27वें विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन का समापन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख संत राजिन्दर सिंह जी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित 27वें विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन का समापन 20 सितंबर, 2023 को संत दर्शन सिंह जी धाम, बुराड़ी में संपन्न हुआ।

इस भव्य आयोजन पर हजारों की संख्या में एकत्रित हुए लोगों को संबोधित करते हुए संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने कहा कि प्रेम, शांति और ध्यान-अभ्यास हमें एक-दूसरे को मानव एकता के रूप में जोड़ते हैं।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने आगे कहा कि, विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन आध्यात्मिकता और ध्यान-अभ्यास का सम्मेलन है। हरेक धर्म उन महान संतों की शिक्षाओं पर आधारित है, जिन्होंने आध्यात्मिक रूप में पिता-परमेश्वर का अनुभव किया। पिता-परमेश्वर एक हैं और वे हम सबके भीतर निवास करते हैं। हम सभी ने उन्हें भले ही अलग-अलग नाम दिये हों और चाहे हमारे बाहरी रीति-रिवाज भी अलग-अलग हों लेकिन हम सबकी मंजिल एक ही है। यह वास्तव में स्वयं को आत्मा के रूप में जानना और पिता-परमेश्वर को अपने अंदर अनुभव करना है।

संयोगवश इस सम्मेलन के दौरान 20 सितंबर को संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का जन्मदिवस होता है, जिसे दुनियाभर में अंतर्राष्ट्रीय ध्यान-अभ्यास दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। विश्व-विख्यात आध्यात्मिक गुरु संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने कहा कि ध्यान-अभ्यास और आध्यात्मिकता हरेक धर्म का आधार है। जब हम अंतर्राष्ट्रीय ध्यान-अभ्यास दिवस मनाते हैं तो इस मौके पर हमें यह समझना चाहिए कि ध्यान-अभ्यास पिता-परमेश्वर को पाने की कुंजी है। जब हम ध्यान-अभ्यास करते हैं तो हम बाहरी अशांति और अंधकार से दूर हो जाते हैं। हमें चाहिये कि हम जागृत जीवन, प्रकाश और चेतनता की ओर बढ़ें। जब हम अपने भीतर पिता-परमेश्वर के प्रेम और ज्योति से जुड़ते हैं तो हम सदा-सदा की शांति और आनंद प्राप्त करते हैं। पिता-परमेश्वर चाहते हैं कि हम उन्हें जाने, पहचानें और अपने भीतर अनुभव करें। इसके अलावा अपने जीवन के मुख्य उद्देश्य की ओर कदम बढ़ाने के लिए हम रोजाना ध्यान टिकाएं।

कार्यक्रम की शुरूआत में पूजनीय माता रीटा जी ने गुरुबानी से गुरु अर्जन देव जी महाराज की वाणी ठाकुर तुम शरनाई आया शब्द के साथ हुई। (हे मेरे सत्गुरु मैं आपकी शरण में आ गया हूं।) शब्द का गायन किया।

अन्य धार्मिक और आध्यात्मिक नेताओं ने भी सांझे मंच पर अध्यात्म और मानव एकता के बारे में अपने विचार पेश किये। महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी प्रेमानंद जी महाराज ने ध्यान-अभ्यास की परिवर्तनकारी शक्ति के बारे में बताया जबकि महामंडलेश्वर स्वामी देवेन्द्रानंद गिरि जी महाराज ने संत राजिन्दर सिंह जी महाराज को आध्यात्मिकता का ह्लकोहिनूरह्व कहा।

इस अवसर पर डॉ. स्वामी प्रेमानंद जी महाराज ने कहा कि शांति केवल ध्यान-अभ्यास के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती है। हम सभी अध्यात्म के जिज्ञासु हैं इसलिए हमें अपने आपको आध्यात्मिक रूप से विकसित करना चाहिए। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज जैसे संत ऐसी दिव्य-शक्ति हैं जो अपने प्रेम और शिक्षाओं के द्वारा लाखों आत्माओं को शुद्ध करते हैं।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर स्वामी देवेन्द्रानंद गिरि जी महाराज ने कहा कि संत राजिन्दर सिंह जी महाराज एक पूर्व वैज्ञानिक हैं जिन्होंने समय की दिशा को बदला है। उनका जीवन और शिक्षाएं प्रभु के प्रेम की खुशबू है, जो दूर-दूर तक फैली हुई है। वे आध्यात्मिकता के कोहिनूर हैं। सम्मेलन में अपने विचार रखते हुए श्री श्री भगवान आचार्य जी ने एक सच्चे आध्यात्मिक गुरु को खोजने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि एक सच्चा गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। हमें आध्यात्मिकता और जीवन के मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ध्यान-अभ्यास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एक पूर्ण गुरु दयालु होता है जो हमें ईश्वर की ओर जाने का रास्ता दिखाता है।

पूज्य श्री विवेक मुनि जी महाराज ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रेम, एकता और मानवता के इस सांझे मंच ने कई लोगों को ईश्वर के पास वापिस जाने का रास्ता खोजने में मदद की है। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन को सही मायनों में बेहतर बनाने के लिए यहां दी जा रही शिक्षाओं को अपने जीवन में ढालना चाहिए।

सम्मेलन में यहूदी धर्म से रब्बी इजेकिल इजाक मालेकर ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हम सभी ईश्वर की छवि और उनके गुणों के समान ही बने हैं, इसलिए आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलने के लिए हमें अपने जीवन में नैतिक गुणों को अपनाना चाहिए। विदेशी प्रतिनिधियों में कोलंबिया से आए लुईस इन्फैंट और जर्मनी से एंड्रियास माकोव्स्की ने अपने विचार रखते हुए कहा कि निष्काम-सेवा और संतों की दया व कृपा से हमें जीवन के सच्चे उद्देश्य को प्राप्त करने में मदद मिलती है। अंत में सभी आध्यात्मिक प्रमुखों ने एकजुट होकर इस वायदे के साथ सम्मेलन के घोषणा पत्र पारित किया कि सबसे पहले हम संतों के ज्ञान को अपने अंदर ढालें, दूसरा हम अपने जीवन को बदलने के लिए ध्यान-अभ्यास की शक्ति को पहचानें ।

शराब के नशे में रोडरेज, गलती मानने के बजाय गाली गलौज और मारपीट

नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र के चार मूर्ति गोल चक्कर पर शराब के नशे में तेज गति में आ रहे कार चालक ने दूसरी कार में टक्कर मार दी। कार चालक द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने गाली गलौज करते हुए मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। स्टेलर जीवन सोसायटी निवासी मयंक राज सिंह ने पुलिस से की शिकायत में बताएं कि वह 19 सितंबर की रात्रि को वैशाली गाजियाबाद से अपने घर आ रहा था। उसके कार्य जैसे ही चार मूर्ति गोल चक्कर पर पहुंची तो अचानक तेज गति में आ रहे स्विफ्ट कर सवार ने उनके कार में जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दोनों कार क्षतिग्रस्त हो गई। वह जब शिकायत करने के लिए कार चालक के पास पहुंचे। नशे में धुत्त कार चालक ने उनके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने कर चालक राकेश को समझने का प्रयास किया लेकिन वह झगड़ा पर उतारू रहा। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी राकेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने से गिरफ्तार कर लिया गया है।

महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पास होने पर भाजपा में खुशी, महिला नेताओं ने सांसदों को खिलाई मिठाई

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पास होने पर भाजपा में खुशी है। भाजपा महिला मोर्चा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ही संसद में समर्थन देने वाले सांसदों का आभार जताया है। बुधवार को महिला मोर्चा की कार्यकर्ता संसद भवन सहित दिल्ली में 20 स्थानों पर पोस्टर बैनर लेकर प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया था। बृहस्पतिवार को भाजपा की महिला कार्यकर्ता व पार्षद संसद भवन के गेट पर पहुंचकर सांसदों को मिठाई

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शुक्रवार, 22 सितंबर, 2023

मौजूदा स्थिति में ही लागू हो महिला आरक्षण कानून : आप

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले विधेयक को संसद में पेश किए जाने के तरीके पर आपत्ति जताते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में आरोप लगाया कि सरकार की नीयत प्रस्तावित कानून को लागू करने की नहीं बल्कि सिर्फ श्रेय लेने की है।

इसके साथ ही पार्टी ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण आगामी लोकसभा चुनाव से ही मौजूदा स्थिति में लागू करने की मांग की।

आप सदस्य संदीप पाठक ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023 पर उच्च सदन में चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि यह विधेयक हड़बड़ी में लाया गया और इसके लिए सरकार की पर्याप्त तैयारी नहीं थी।

पाठक ने कहा कि विधेयक को जिस तरीके से पेश किया गया, उसकी क्या जरूरत थी। उन्होंने कहा कि सरकार इसे पेश करने में पूरी गोपनीयता बरत रही थी और विपक्ष के नेताओं को भी इसकी जानकारी मीडिया से मिली। उन्होंने कहा कि यह सरकार मीडिया का ध्यान भटकाती रहती है और एक उद्योगपति से जुड़े मुद्दे के जोर पकड़ने पर उसने वन नेशन वन इलेक्शन (एक देश एक चुनाव) की चर्चा शुरू कर दी।

उन्होंने कहा कि देश एवं समाज के लिए यह एक महत्वपूर्ण विधेयक है और वह इसका समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने महिला आरक्षण का विचार रखा था जिसे पूरा होने में 35 साल लग गए। आप सदस्य ने इसे गुमराह करने वाला विधेयक करार दिया और आशंका पैदा की कि किसानों की आय दोगुनी करने, काला धन लाने, करोड़ों की संख्या में रोजगार मुहैया कराने जैसे जुमलों के साथ कहीं महिला आरक्षण का मुद्दा भी जुमला न बन जाए। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के लागू होने में जनगणना और परिसीमन जैसे अवरोध लगाए गए हैं। पाठक ने कहा कि सरकार के अनुसार प्रस्तावित कानून 2029 से लागू होगा लेकिन उसके पहले ही कोई अड़चन आ जाए तो और देरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि आरक्षित सीटों के रोटेशन (बारी-बारी से सीटों का आरक्षण) को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि परिसीमन को राजनीति का औजार नहीं बनाया जाना चाहिए।

आप सदस्य ने कहा कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी के अंदर ही विरोधाभास है और उसके कई वरिष्ठ नेताओं ने इस मुद्दे पर अलग-अलग राय व्यक्त की है।

भाजपा सरकार की कथनी एवं करनी में अंतर होने का आरोप लगाते हुए पाठक ने कहा कि महिला पहलवानों के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा कि हरियाणा में एक मंत्री और भाजपा के एक लोकसभा सदस्य के खिलाफ महिलाओं के यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप हैं लेकिन भाजपा ने कोई कार्रवाई नहीं की।

तृणमूल कांग्रेस सदस्य डोला सेन ने विधेयक पर हुई चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि इस सरकार ने कई कानून बनाए लेकिन उन्हें लागू नहीं किया गया। बांग्ला भाषा में दिए गए अपने संबोधन में तृणमूल सदस्य ने आशंका जताई कि प्रस्तावित कानून का हश्र भी नागरिकता कानून, कृषि कानून और श्रम कानून जैसा न हो जाए।

नोटबंदी सहित विभिन्न मुद्दों पर सरकार की तीखी आलोचना करते हुए सेन ने कहा कि वह तमाम विरोध के बीच इस विधेयक का समर्थन करते हैं।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) कनिमोई सोमू ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि यह आरक्षण महिलाओं का अधिकार है और यह उन पर कोई कृपा नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून के 2029 में लागू होने की बात की जा रही है और ऐसी स्थिति में सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि यह कानून कब लागू होगा। द्रमुक सदस्य ने अपने राज्य तमिलनाडु में महिलाओं को अधिकारसंपन्न बनाने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों का जिक्र किया और कहा कि उसका लाभ समाज में दिखता है। बीजू जनता दल (बीजद) की ममता मोहंता ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि उनकी पार्टी के प्रमुख नवीन पटनायक शुरू से ही महिला सशक्तीकरण के पक्षधर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजद में लोकसभा एवं राज्य विधानसभा के चुनावों में महिलाओं को पर्याप्त संख्या में टिकट दिया है।

दिल्ली में इस बार रात 12 बजे तक होंगी रामलीलाएं

- लवकुश रामलीला टीम के साथ मुलाकात में सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिया आदेश
- रामलीलाओं को हर तरह की सहायता करेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में 15 अक्टूबर से रामलीलाएं शुरू हो रही हैं जिसको लेकर दिल्ली की सभी रामलीला कमेटियों ने तैयारी शुरू कर दी है ।

इसी को लेकर आज लाल किला की लवकुश रामलीला कमेटी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की जिसमें लवकुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार, चेयरमैन पवन गुप्ता, अंकुर गोयल के साथ सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल भी शामिल हुए । लवकुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने मीटिंग में कहा कि दिल्ली में रामलीला मंचन और लाउडस्पीकर बजाने का समय रात 10 बजे तक ही होता है जिसको बढ़ाकर रात 12 बजे तक किया जाए , इस पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने तुरंत रजामंदी देते हुए कहा कि दिल्ली में रामलीलाओं का मंचन रात 12 बजे तक कर सकते हैं, इसको लेकर जल्दी ही नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा ।

इसके अलावा लवकुश रामलीला टीम ने टउऊ संबंधित समस्या बताते हुए कहा कि आमतौर पर 40 दिनों के लिए कमेटियों को एमसीडी ग्राउंड की बुकिंग देती है लेकिन कुछ जगहों पर टउऊकी तरफ से 10 दिन की ही बुकिंग की अनुमति मिली है जिसको कि बढ़ाया जाना चाहिए ,

इस मुद्दे पर भी सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वो टउऊ को आदेश देंगे कि ज्यादा से ज्यादा दिनों के लिए रामलीला कमेटियों को ग्राउंड बुकिंग की अनुमति दी जाए ,

इसके अलावा सीएम ने आश्वासन दिया कि टउऊकी तरफ से रामलीलाओं के ग्राउंड के आसपास दवाओं का समुचित छिड़काव किया जाएगा ताकि मच्छर नहीं पनप पाएं ,

सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री हर साल रामलीलाओं और दशहरे पर शामिल होते हैं और इस साल भी शामिल होंगे ,

दिल्ली में छोटी बड़ी लगभग 650 रामलीलाएं होती हैं जिनसे कि लाखों लोगों का रोजगार जुड़ा हुआ है ।

कुली की ड्रेस में राहुल गांधी, सिर पर लादे यात्रियों का सामान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बृहस्पतिवार सुबह अचानक आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कुलियों के बीच पहुंच गए। करीब सवा घंटे न सिर्फ उनसे उनकी समस्याओं पर चर्चा की, बल्कि कुली की वर्दी व बिल्ला पहनकर सामान भी उठाया। ये देख कुली अचंभित हुए, लेकिन उनकी खुशी का तब ठिकाना न रहा जब राहुल गांधी को बताने के बाद उनके विश्राम गृह की खराब एलईडी ट्यूबलाइटें रेलवे ने बदलवा दीं। कुलियों का कहना था कि कई दिनों से शिकायत का बावजूद कोई खराब ट्यूबलाइटों को बदलने नहीं आ रहा था। राहुल गांधी ने फिर चौंकाया, रेलवे स्टेशन पर लोगों का सामान उठाते दिखे कुलियों से बातचीत कर जानी समस्याएं राहुल गांधी सुबह साढ़े सात बजे स्टेशन पहुंचे। उस वक्त कुली जीआरपी थाने के पास रोजाना की तरह नंबर लगाकर यात्रियों का इंतजार कर रहे थे। सभी को उनके पास बुलाया गया। राहुल ने पूछा कि आप लोगों को क्या समस्याएं हैं।

वहां पर मौजूद कुलियों के प्रधान हारून समेत अन्य ने उन्हें बताया कि इस स्टेशन पर 165 कुली हैं। इतने कुलियों के लिए छोटा सा विश्राम गृह बना हुआ है। मांग करने के बावजूद उसका दायरा नहीं बढ़ाया जाता।

विश्राम गृह की लाइटें खराब हैं, उन्हें ठीक नहिज किया जा रहा। यहां तक बताया कि पंखे व कूलर की व्यवस्था कुलियों ने अपने स्तर पर की है। कुली अब्दुल गफ्फूर के मुताबिक, यह भी बताया गया कि दुनिया का बोझ उठाने वालों के लिए कोई पेंशन व्यव्यस्था नहीं है। एक उम्र बाद जब कुली काम नहीं कर पाते तो उनका जीवनयापन करना मुश्किल हो जाता है। रेलवे यात्रा के लिए निश्शुल्क पास की संख्या बढ़ाने की मांग भी की गई। अभी साल में केवल एक पास कुलियों को। निश्शुल्क मिलता है। इतनी वार्ता करने के बात राहुल गांधी कुलियों के साथ उनके विश्राम गृह भी गए। करीब 8:45 बजे राहुल वहां से निकल गए। राहुल के जाने के ढाई घंटे के भीतर कुलियों के विश्राम गृह की खराब एलईडी ट्यूबलाइटें उतारकर रेलवे ने उनकी जगह नई लगा दीं।

दक्षिण दिल्ली में व्यक्ति पर हथौड़े, लोहे की छड़ से हमला

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली में अज्ञात लोगों ने एक व्यक्ति पर कथित रूप से हथौड़े और लोहे की छड़ से हमला किया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टिगरी थाने में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को रात 12 बजकर 37 मिनट पर घटना के संबंध में फोन पर सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस की एक टीम ने पीड़ित को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (दक्षिण) चंदन चौधरी ने कहा, संगम विहार निवासी बलराज चौधरी के माथे और दाएं बाजू में चोट आई थी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि छतरपुर में अपने कार्यालय से घर लौटने के दौरान उसने मालवीय नगर में रात्रि भोजन किया और अपने दोस्त जुगल किशोर से उसके घर के पास मिला।

डीसीपी ने बताया, चौधरी जब घर जा रहा था तभी एक मोटरसाइकिल उसकी कार से टकरा गई। वह टक्कर की वजह जानने के लिए अपनी कार से बाहर उतरा तभी मोटरसाइकिल चालक ने उसकी आंखों में मिर्ची पाउडर फेंक दिया। उसी वक्त, विपरीत दिशा से आ रही एक स्कॉर्पियो कार वहां आकर रुकी और उसमें सवार लोगों ने चौधरी की लोहे की छड़ और हथौड़े से पिटाई की तथा वहां से भाग गए। उन्होंने कहा कि पुलिस की टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया और सीसीटीवी फुटेज एकत्रित किए। पुलिस ने कहा कि टिगरी थाने में बलराज का नाम खराब चरित्र वालों की सूची में शामिल है। डीसीपी ने बताया, पांच गंभीर मामलों में उसका नाम जुड़ा है और उसने जांच के दौरान सहयोग नहीं किया था। उसने इस घटना में शामिल लोगों के नाम भी नहीं बताए। उन्होंने कहा, प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि कथित हमलावर संभवतः पीड़ित को जानते थे। कानूनी कार्रवाई की जा रही है और जांच जारी है।

लगातार ऐतिहासिक कार्य कर रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी : विनीत जैन

नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल लोकसभा में लाकर प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी नें अपने कार्यकाल के दौरान एक और एतिहासिक कार्य कर दिया है। महिलाओं को सत्ता में बड़ी भागीदारी मिलेगी। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिले के वरिष्ठ नेता विनीत जैन का। विनीत जैन कहते हैं इस कानून के बनने के बाद देश में महिलाओं की विधानसभाओं तथा लोकसभा में भागीदारी बढ़ जायेगी। दूसरे शब्दों सत्ता में भागीदारी असरदार हो जायेगी। विनीत जैन कहते हैं प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी जो ठान लेते हैं उसे पूरा करके दिखाते है, धारा 370 का मसला हो या राम मन्दिर के निर्माण का और अब महिला आरक्षण बिल का ये सब ऐसे मामले हैं जो कई दशकों से लटके पड़े थे लेकिन अपनी कूटनीति और सूझबूझ से श्री मोदी नें सबका समाधान अपने कार्यकाल में करा दिया। विनीत जैन कहते हैं इसी तरह श्री मोदी की विदेश नीति का भी कोई सानी नहीं जी -20 की अध्यक्षता के दौरान सभी मुल्कों नें उनकी कार्यशैली देखी और प्रभावित हुए। जी -20 की शानदार कामयाबी के बाद पूरी दुनिया की निगाहें भारत की ओर लगी है। सभी मुल्क भारत की कूटनीति का लोहा मान रहे हैं। भारत की प्राचीन सनातन सभ्यता व संस्कृति का दर्शन करवा बड़े ही प्रेम, सेवा व आदर भाव से भारत ने ये लोहा मनवाया कि हम सदियों पहले भी विश्वगुरू थे और अब भी हम, विश्वगुरू होने की ओर ही बढ़ रहे है। अपनी उच्चस्तर की समझदारी, कूटनीति व विदेश नीति का परिचय देते हुए, बिना किसी मुल्क का नाम लिए, घोषणा पत्र में, यूक्रेन में युद्ध की बात भी कह दी गई है और अपना दृष्टिकोण भी बता दिया है कि यू एन चार्टर केसिद्धान्तों के अनुकूल ही, सभी देशो को धमकी देने व किसी के भू भाग पर कब्जे के लिए ताकत के प्रयोग से बचना चाहिए।

महिला आरक्षण को तुरंत प्रभाव से किया जाए लागू : अरविन्दर सिंह लवली

- श्री लवली ने मांग की कि दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 2025 विधानसभा चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित होना चाहिए

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने कहा कि महिला आरक्षण स्व. राजीव गांधी का सपना था और आज अंततः कांग्रेस के दबाव के बाद यह बिल लोकसभा में पास हुआ। उन्होंने कहा कि इस बिल में ओबीसी, एससी व एसटी को प्रतिनिधित्व देने पर कोई निर्णय न करना सरकार की मंशा पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। उन्होंने मांग की कि महिला आरक्षण को तुरंत प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए। इस बिल के तुरंत न लागू होने से महिलाओं में निराशा है। उन्होंने कहा कि जनगणना न कराना सरकार का मनमाना रवैया है। श्री लवली ने मांग की कि दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 2025 विधानसभा चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित होना चाहिए।

आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित एक बैठक में सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी के लिए एक धन्यवाद प्रस्ताव भी पारित किया गया। प्रस्ताव में कहा गया है कि राहुल गांधी ने जिस मजबूती के साथ ओबीसी, एससी व एसटी वर्ग के लिए आंकड़ों के साथ आवाज उठाई है, उसकी आज चौतरफा प्रशंसा हो रही है। प्रस्ताव में यह मांग की गई कि महिला आरक्षण को तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए। आज पार्टी कार्यालय में मौजूद महिला कार्यकताओं में इस बात को लेकर गुस्सा था कि आरक्षण तुरंत लागू नही होगा। श्री लवली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं के प्रति शुरू से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्व. शीला दीक्षित को कांग्रेस पार्टी ने लगातार 15 वर्ष तक मुख्यमंत्री बनाए रखा और इतना ही नहीं उनके अलावा मंत्रीमंडल में हमेशा एक महिला मंत्री भी रही। उन्होंने कहा कि 1993 में 14 में से 3 महिला विधायक थीं और 1998 में जिनकी संख्या 8 हो गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली नगर निगम चुनाव में भी सामान्य सीटों पर महिलाओं को चुनाव लड़ाया है। श्री लवली ने कहा कि 2025 में दिल्ली में विधानसभा का चुनाव होना तय है उससे पहले केन्द्र सरकार को दिल्ली विधानसभा में तुरंत 33 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे देश में 2024 लोकसभा चुनाव में भी आरक्षण की व्यवस्था हो, जिसमें ओबीसी, एससी व एसटी को भी आरक्षण दिया जाऐ।

दो आतंकवादियों के जुमार्ने की रकम घटाई

- दिल्ली हाईकोर्ट ने सुधार की संभावना पर दी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुनाह कबूल करने पर कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) के दो आतंकवादियों का जुमार्ना कम कर दिया। दोनों को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम, भारतीय दंड संहिता व विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया है। हाईकोर्ट ने गुरुवार को मणिपुर की प्रतिबंधित संगठन केसीपी के दो दोषी आतंकवादियों पर लगाया गया जुमार्ना यह देखते हुए कम किया कि उनके अपराध स्वीकार करने से सुधार की संभावना का संकेत मिलता है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल व अनीश दयाल ने कहा कि दोनों द्वारा अपराध स्वीकार करने से राज्य के खर्च पर पूरी सुनवाई की जरूरत समाप्त हो गई। जुमार्ने में कमी से इन दोषियों की रिहाई का मार्ग प्रशस्त हो गया है, क्योंकि वे अपने परिवार की वित्तीय स्थिति के कारण 39-39 हजार रुपये का जुमार्ना भरने में सक्षम नहीं थे। पीठ ने यह जुमार्ना रकम घटाकर नौ-नौ हजार रुपये कर दी है। सत्र अदालत ने खोईराम रंजीत सिंह उर्फ पोएरी मैती और पुखरीहोंगम प्रेम कुमार मैती को 29 अप्रैल 2022 को दोषी ठहराया था। आरोप थे कि वे मणिपुर और देश के अन्य हिस्सों में राष्ट्र विरोधी और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे।

निजी स्कूलों में ईडब्लूएस कोटे के तहत प्रवेश के लिए आधार अनिवार्य नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने माना कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के तहत राष्ट्रीय राजधानी के एक निजी स्कूल में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया में आधार कार्ड की अनिवार्यता बच्चे की निजिता के अधिकार का संभावित उल्लंघन है। इससे जुड़े दिल्ली सरकार के दो परिपत्रों पर रोक लगाने के एकल पीठ के निर्णय को बरकरार रखते हुए अदालत ने कहा कि एक बच्चे के संवेदनशील व्यक्तिगत विवरण प्राप्त करने से उसके निजिता के अधिकार के उल्लंघन की संभावना होगी।

अदालत ने इसके लिए के.एस. पुट्टास्वामी के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा दिए गए निर्णय का हवाला दिया। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने कहा कि ऐसे में यह कहना पर्याप्त होगा कि दिल्ली सरकार का परिपत्र प्रथम दृष्टया संवैधानिक प्रविधानों के विपरीत हैं। साथ ही न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की पीठ द्वारा 27 जुलाई को पारित आदेश के खिलाफ दिल्ली सरकार की अपील याचिका को खारिज दिया।

दिल्ली सरकार ने दिया था यह आदेश

एकल पीठ ने 12 जुलाई 2022 और 02 फरवरी 2023 को को जारी दिल्ली सरकार के परिपत्रों को लागू करने पर रोक लगा दी थी। दिल्ली सरकार ने उक्त आदेश में कहा था कि वर्ष 2023-24 के आगामी सत्र से दिल्ली के निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में ईडब्ल्यूएस/डीजी के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए आधार अनिवार्य होगा।

बाद की अधिसूचना में कहा गया कि ईडब्ल्यूएस/डीजी/सीडब्ल्यूएसएन आवेदन की नकल से बचने के लिए बच्चे का आधार अनिवार्य है। उक्त परिपत्र को चुनौती देते हुए एक बच्चे के पिता ने आरोप लगाया था कि उसका पांच वर्षीय बच्चा प्रवेश कक्षा स्तर पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले पा रहा है क्योंकि उसके पास आधार कार्ड नहीं है। वहीं, दिल्ली सरकार का तर्क था कि बच्चे के आधार नंबर को एक विशिष्ट पहचानकर्ता के रूप में उपयोग करने का उद्देश्य डुप्लिकेट प्रवेश आवेदनों को खत्म करना है।

20 सेकेंड में गणित के सवाल छात्र हल करेंगे

स्कूल स्तर पर 17 अक्टूबर से परीक्षा आयोजित होगी

नई दिल्ली। स्कूली छात्र 20 सेकेंड में गणित के सवालों को हल करने के लिए तैयार होंगे। स्कूल प्रमुखों को छात्रों को मेंटल मैथ (गणित) प्रश्न बैंक से अभ्यास कराने के निर्देश दिए गए हैं। इससे छात्रों की गणित हल करने की क्षमता का विकास होगा। दरअसल, शिक्षा निदेशालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए मेंटल मैथ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में निदेशालय ने सर्कुलर जारी किया है।

सर्कुलर के अनुसार, अलग-अलग चरणों में प्रतियोगिता होगी। कक्षा पांचवीं से कक्षा 12वीं के छात्रों को चार चरणों में बांटा गया है। निदेशालय ने इस सत्र से चौथे चरण में कक्षा 11वीं और 12वीं को भी प्रतियोगिता में शामिल किया है। स्कूल, क्लस्टर, आंचलिक, जिला, क्षेत्रीय और राज्य स्तर पर प्रतियोगिता होगी। इसे लेकर सभी जिलों के समन्वयकों को जिला स्तर पर मेंटल मैथ समिति के गठन के निर्देश दिए हैं। इसमें जिला समन्वयक से पीजीटी गणित, टीजीटी गणित, सहायक शिक्षक सहित दूसरे सदस्य होंगे। निदेशालय ने स्कूल प्रमुखों को 16 अक्टूबर तक छात्रों को प्रतियोगिता के लिए अभ्यास पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। ताकि छात्रों को प्रतियोगिता के लिए तैयार किया जा सके। प्रतियोगिता में सवाल का जवाब देने के लिए 20 सेकेंड मिलेंगे। 17 अक्टूबर से स्कूल स्तर पर प्रतियोगिता की शुरूआत होगी। राज्य स्तर पर 16 जनवरी से पांच फरवरी तक प्रतियोगिता होगी।

कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में देख सकेंगे मोदी सरकार की उपलब्धियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन और उनकी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देने के लिए भाजपा द्वारा कनाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदेश भाजपा के प्रभारी बैजयंत जय पांडा ने तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में भारत में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि भारत पहले दूसरे देशों से मदद मांगता था। अब यह अन्य देशों को मदद देने वाला बन गया है। मोदी के नेतृत्व में भारत अन्य देशों को आर्थिक मदद, महामारी के समय में मदद करने के साथ अन्य मामलों में सहयोग कर रहा है। कुछ दिनों पहले संपन्न जी 20 सम्मेलन देश की बढ़ रही शक्ति का उदाहरण है। भारत की अध्यक्षता में यह सम्मेलन संपन्न हुआ। कुछ लोग इसकी सफलता पर संदेह कर रहे थे। प्रधानमंत्री की विश्वसनीयता के कारण विभिन्न मुद्दों पर सभी देशों के नेता एक साथ खड़े हुए और साझा घोषणा पत्र जारी हुआ। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि प्रधानमंत्री के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी से लोग उनके जीवन, संघर्ष, उनकी सरकार की योजनाएं, उनकी उपलब्धियों के बारे में जान सकेंगे। लाइट एंड साउंड शो और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी होगी।

मोदी जी के लिए महिला सशक्तीकरण राजनीतिक मुद्दा नहीं, मान्यता का सवाल है: अमित शाह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

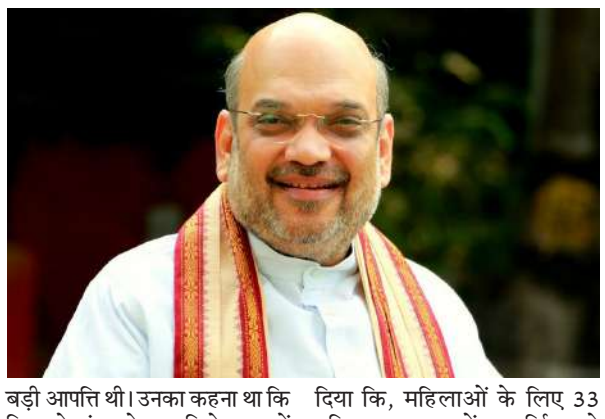

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मंगलवार को लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा 128वाँ संविधान संशोधन ह्यनारी शक्ति वंदन विधेयक-2023 बिल पेश किया गया, जिसे बुधवार को लोकसभा में पास कर दिया गया। इस मौके पर विपक्ष के सवालों का करारा जवाब देते हुए शाह ने स्पष्ट किया कि, कुछ पार्टियों के लिए महिला सशक्तीकरण पॉलिटिकल एजेंडा या राजनीतिक मुद्दा हो सकता है। मोदी जी के लिए महिला सशक्तीकरण राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि मान्यता का सवाल है। नए संसद भवन में पेश किया गया नारी शक्ति वंदन विधेयक पर बुधवार चर्चा के बाद वोटिंग के दौरान तमाम बहसों के बीच बिल के पक्ष में 454 वोट पड़े और यह बिल दो तिहाई बहुमत से पास हो गया।

दरअसल, महिला आरक्षण लागू करने को लेकर विपक्षी दलों की एक बड़ी आपत्ति थी। उनका कहना था कि बिल तो संसद के इस विशेष सत्र में पारित हो जाएगा, लेकिन इसे 2029 से पहले लागू क्यों नहीं किया जा सकता है? विपक्षियों ने अपना समर्थन देने के बावजूद यह आरोप लगाया कि महिला आरक्षण के बहाने सरकार ने चुनावी झुनझुना पकड़ाया है, क्योंकि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से पहले आरक्षण लागू नहीं होगा।

इन आरोपों के जवाब में भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह ने तर्क दिया कि, महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण में पारदर्शिता को बरकरार रखने के लिए जनगणना और परिसीमन दोनों ही बेहद जरूरी है, इसलिए 2024 लोकसभा चुनाव के बाद बनने वाली नई सरकार जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया शुरू कर देगी।

मोदी जी के वुमेन लेड डेवलपमेंट को साकार करने वाला यह बिल देश में निर्णय लेने और नीति निर्धारण में महिलाओं की भागीदारी को आगे बढ़ाएगा। देश के लोकतांत्रिक सफर में यह बिल एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगा। यह विडंबना है कि देवेगौड़ा सरकार से लेकर मनमोहन सिंह की सरकार तक, इस बिल को लाने के लिए चार कोशिशें की गईं, लेकिन राजनीतिक रोटी सेंकने के कारण यह बिल कभी पारित नहीं हुआ। 27 साल से लंबित यह बिल शाह के मार्गदर्शन में लोकसभा में पास किया जा चुका है। लोकसभा और राज्यसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले नारी-शक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा में ज्यादातर दलों का समर्थन मिला।

भाजपा के कद्दावर नेता शाह का मानना है कि, जहाँ महिलाएँ जनप्रतिनिधि होती हैं, वहाँ योजनाओं का लाभ नारी-शक्ति के साथ-साथ देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचता है। इस बिल के कानून बनते ही संसद में महिला सांसदों के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित हो जाएंगी, जो महिला सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

आर्य रत्न ठाकुर विक्रम सिंह ने वैदिक सनातन संस्कृति की रक्षा में अतुलनीय योगदान दिया है : योग ऋषि स्वामी रामदेव

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

तालकटोरा स्टेडियम में वैदिक विद्वान ठाकुर विक्रम सिंह के जीवन के 80 बसंत पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए योग गुरु बाबा रामदेव जी ने उनके दीघार्युष्य की कामना करते हुए वैदिक सनातन संस्कृति के केंद्र आर्ष गुरुकुल की उन्नति के लिए ठा. विक्रम सिंह द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता की प्रशंसा करते हुए इसे वैदिक सनातन संस्कृति की रक्षा में एक सराहनीय कदम बताया। स्वामी जी ने कहा कि उनका स्पष्ट मत है यदि गुरूकुलों की रक्षा होगी तभी सनातन संस्कृति भी बच पाएगी। इसलिए उन्होंने सभी उद्योगपतियों का आह्वान किया कि ठा. विक्रम सिंह की तरह वे भी गुरूकुलों की रक्षा के लिए आगे आएं। उन्हें आवश्यक आर्थिक सहयोग देकर गुरूकुलीय परंपरा को सृदृढ़ बनाने में अपना-अपना योगदान अवश्य देंवे।

समारोह के संरक्षक स्वामी आर्यवेश जी ने ठाकुर विक्रम सिंह को महर्षि दयानंद का सच्चा अनुयायी बताते हुए कहा कि उन्होंने उनके पारिवारिक सदस्यों ने अपना तन-मन-धन अर्थात अपना सर्वस्व वैदिक सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित किया हुआ है। इस कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डा. आनंद कुमार, पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, संयोजक प्रसिद्ध वैदिक विद्वान डा. धर्मेन्द्र शास्त्री व डा. ज्वलंत कुमार शास्त्री रहे। इसके अतिरिक्त देवेश प्रकाश, सहसंयोजक, दानवीर विद्यालंकार, चंद्रमौली शर्मा, डा. गजराज सिंह, बृहस्पति आर्य, लाल सिंह कुशवाहा, प्रशांत कुमार, आचार्य दुष्यंत, जयवीर योगाचार्य आदि ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई।

इस अवसर पर एक अभिनंदन ग्रंथ का विमोचन किया गया, जिसमें उनके द्वारा राष्ट्र एवं समाज हित में की गई सेवाओं को देखते हुए ठा. विक्रम सिंह को आर्य राष्ट्र के पुरोधा के रूप में उनके व्यक्तित्व को रेखांकित किया गया है। इस अभिनंदन ग्रंथ के विमोचन के अवसर पर योगानंद शास्त्री दिल्ली विधान सभा के पूर्व सदस्य, सुरेश चंद्र आर्य, प्रधान, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, दिल्ली, प्रसिद्ध उद्योगपति सुरेंद्र कुमार आर्य, अध्यक्ष प्रो. विठ्ठल राव, मंत्री, सार्वदेशिक सभा, हीरो ग्रुप के अध्यक्ष योगेश मुंजाल, परोपकारिणी सभा के अध्यक्ष सत्यानंद आर्य, राष्ट्रीय कवि सारस्वत मोहन मनीषी, धर्मपाल आर्य, प्रधान, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, विनय आर्य, महामंत्री, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, कन्हैया लाल आर्य, संरक्षक हरियाणा आर्य प्रतिनिधि सभा, आचार्या सुमेधा, गुरुकुल चोटीपुरा, जैसे अनेक प्रसिद्ध आर्य नेता, संन्यासीगण व विद्वान उपस्थित रहे। अपनी शुभकामना व्यक्त करते हुए इस अवसर पर सुदर्शन न्यूज के अध्यक्ष सुरेश चव्हाणके ने परमात्मा से प्रार्थना की कि ठा. विक्रम सिंह का शताब्दी वर्ष का अभिनंदन समारोह भारत मंडपम् में मनाने का अवसर प्राप्त हो। साथ ही उन्होंने कहा कि आर्य समाज के विद्वानों में ही ऐसी क्षमता है कि वे सनातन विरोधियों को तार्किक रूप

संक्षिप्त खबरें

पैगंबर मोहम्मद का जुलूस बारह बजे तक हर हाल में

गया। जिला पदाधिकारी ने 28 तारीख को आयोजित होने वाले पैगंबर मोहम्मद का जुलूस के आयोजको के साथ बैठक कर निर्णय लिया गया की 28 सितंबर को ही पितृपक्ष मेला का उद्घाटन है तथा उसे दिन गणेश पूजा प्रतिमा विसर्जन भी है। पैगंबर मोहम्मद के जुलूस समापन करने के लिए आयोजकों के साथ बैठक कर निर्णय लिया गया है कि हर हाल में 28 सितंबर के दिन दोपहर 12:00 बजे तक जुलूस समापन का कार्य पूर्ण करवा ले।28 सितंबर के दिन ही गणेश पूजा प्रतिमा का विसर्जन निर्धारित है। गणेश पूजा समिति के सदस्यों को अपील किया गया कि किसी भी हाल में प्रतिमाओं का विसर्जन फल्गु नदी में नहीं किया जाएगा। केवल रुकमिणी तालाब में चिन्हित स्थल पर ही प्रतिमाओं का विसर्जन कराया जाएगा। गणेश पूजा प्रतिमाओं का विसर्जन दोपहर 12 बजे के बाद से किया जाएगा।

गडहनी पुलिस ने तीन आरोपी को किया गिरफ्तार

गडहनी।(भोजपुर)गडहनी के बराप टोला से जमीनी विवाद व मारपीट के तीन आरोपी साधु पासवान पिता जटाई पासवान, कृष्णा कुमार पासवान व बैजनाथ पासवान पिता साधु पासवान को गडहनी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।थानाध्यक्ष प्रियंका गुप्ता ने जानकारी दिया कि गडहनी थाना मे दर्ज प्राथमिकी के आधार पर छापामारी कर उक्त आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

महिलाओं को 33% का आरक्षण प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया

आरा। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में महिला प्रकोष्ठ की ओर से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें सुसुमलता कुशवाहा ने कहा कि नया संसद भवन में पहला बिल महिला आरक्षण पास कराने का काम किए हैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी देश के लोकतंत्र में राजनीतिक भागीदारी में महिलाओं को 33% का आरक्षण देकर यह साबित कर दिया की महिला भी पुरुष के साथ-साथ रहना अति आवश्यक है और दोनों एक साइकिल के दो पहिए हैं दोनों के बिना स्वच्छ समाज सुंदर समाज और विकसित देश की पर की परिकल्पना नहीं हो सकती है और देश को आगे बढ़ाने के लिए यह बहुत ही बेहतर कदम उठाया गया है महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष ममता सिंह ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी को जितना भी हम लोग धन्यवाद दें वह कम पड़ जाएगा क्योंकि देश में लोकसभा एवं विधानसभा में महिलाओं की 33% की आरक्षण काबिले तारीफ है इससे देश का विकाश तेजी से आगे होगा वंदना राजवंशी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री को महिलाओं के राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष दुर्गा राज सांसद प्रतिनिधि इंजीनियर धीरेंद्र सिंह प्रभारी उदय सिंह लोकसभा प्रभारी तन सिंह कार्यक्रम में अशोक शर्मा प्रमोद सिंह नागेंद्र तिवारी करण जी कांति सिंह शालिनी सिंह अनुपमा सिंह सुगंधा सिंह प्रियंका सिंह रीता सिंह सुनीता सिंह अनीता सिंह मधु मिश्रा रंजन श्रीवास्तव चिंता देवी चुन्नी देवी अनीता मिश्रा सुरभी सिंह शकुंतला सिंह पूनम कुशवाहा विजयंत सिंग सिंग ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार प्रगट की धन्यवाद विप की एवं आपस में मिठाइयां खाई और खुशी का इजहार की।

भगवान बलभद्र जी की जन्मोत्सवो धूमधाम से संपन्न

आरा। ब्याहुत कलवार सेवा संघ के नवादा आरा स्थित प्रधान कार्यालय में कलवार समाज के कुल देवता भगवान बलभद्र जी की जन्मोत्सवों एवं पूजनोत्सव बड़े ही धूमधाम माहौल में वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच दो शास्त्र बेताओं के द्वारा संपन्न कराया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ बिहार सरकार के पूर्व उप मुख्यमंत्री वैश्य शिरोमणि तारकिशोर प्रसाद जी एवं ढाका विधायक पवन जयसवाल जी के संयुक्त तत्वाधान में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ होते हैं हजारों की संख्या में उपस्थित स्त्री पुरुष नौजवान बच्चे बच्चियों ने तालिया की गड़गड़ाहट से माहौल को बहुत ही उज्जार्वान और उत्साहवर्धक बना दिया। तत्पश्चात पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार समूचे भोजपुर जिला के उन सभी मेधावी बच्चों को जो अपने-अपने वर्ग में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए थे उन्हें मेडल, मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया दोनों नेताओं का सम्मान भगवान बलभद्र जी, भगवान जगन्नाथ जी,, एवं माता सुभद्रा जी के प्रतिक चीन्ह से, साल एवं अंगवस्त्र देकर माननीय अध्यक्ष सत्यनारायण प्रसाद ब्याहुत महासचिव सुरेश प्रसाद ब्याहुत पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ,राजू कुमार ब्याहुत,गणेश प्रसाद ब्याहुत ,मंगल प्रसाद व्याहूत, अशोक कुमार, पप्पू जी , रजनीश कुमार, अश्वनी जी ब्याहुत, ओमप्रकाश जी,तमाम ट्रस्टी सदस्यों द्वारा आगत अतिथियों को अंग वस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया ।

25 सितम्बर से 09 नवंबर तक विभिन्न प्रखण्डों के चिन्हित स्थलों पर डीएम करेंगे जनसंवाद

प्रात : किरण संवाददाता

गया। सरकार के निर्देश के आलोक में सरकार द्वारा आधारभूत संरचना के निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं, समाज सुधार के कार्यक्रमों के साथ-साथ लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी आमजनों को सुलभ कराने, उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त करने और साथ ही लोक कल्याणकारी योजनाओं को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप और अधिक विस्तृत करने के संबंध में जनमानस के सुझावों को प्राप्त करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी, गया डॉ त्यागराजन एसएम द्वारा 25 सितम्बर से 09 नवंबर 2023 तक गया जिला के विभिन्न प्रखण्डों में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।जिला के सभी पदाधिकारी अपने-अपने विभागीय योजनाओं से संबंधित फ्लेक्स लगायेंगे एवं विभागीय सामग्री को मुद्रित कराकर वितरित करना सुनिश्चित करेंगे एवं स्वंय भी बैठक में उपस्थित रहेंगे।इसके साथ ही कहा कि अनुमण्डल पदाधिकारी, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारियों के स्तर से भी जनसंवाद बैठकों के आयोजन की रूपरेखा एवं तत्संबंधी रोस्टर तैयार किया जा रहा है। सभी अनुमण्डल पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि अपने-अपने क्षेत्र अन्तर्गत सभी संबंधित से जनसंवाद बैठक का रोस्टर के अनुसार सभी व्यवस्था सुनिश्चित करवाएंगे। जनसंवाद बैठक की कार्रवाई का अनुश्रवण जिला स्तर पर जिला पंचायत राज पदाधिकारी द्वारा किया जाएगा। अनुमण्डल स्तर पर जनसंवाद बैठक की कार्रवाई का अनुश्रवण अनुमण्डल पदाधिकारी एवं प्रखण्ड स्तर पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी करेंगे। सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि जनसंवाद बैठक की सूचना पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधि एवं आम जनता को अपने स्तर से देना सुनिश्चित करेंगे एवं इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे।

इसके बाद जिला पदाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अपने प्रखंड में संचालित विभिन्न जन सरोकारों से जुड़ी योजनाओं को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारित करें। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी समय-समय पर प्रखंड समन्वयं समिति की बैठक हर हाल में करें।सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अपने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों की सुझाव, शिकायतें ,समस्याओं को हर हाल में सुने। सभी आरटीपीएस काउंटर को दुरुस्त रखें आरटीपीएस काउंटर में प्राप्त आवेदन को संधारित रखने की व्यवस्था को भी दुरुस्त रखें।

इस बैठक में जिला स्तरीय सभी विभागों के पदाधिकारी इसके अलावा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुमंडल स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय सभी तमाम पदाधिकारी उपस्थित थे।

नाली निर्माण कार्य को हर हाल में पूर्ण करने का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

गया। पितृपक्ष नजदीक आते ही नगर आयुक्त एक्सेन में नजर आई बुधवार को नगर आयुक्त अभिलाषा शर्मा गया नगर निगम द्वाराबह्मस्त, वेतरणी, अक्षयवट एवं देवघाट तथा मेला क्षेत्र में मुख्य पथों की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया है। बह्मस्त तालाब , बह्मस्सरोवर एवं वेतरणी तालाब पर कहीं-कहीं पर पोल माउंटेड डस्टबीन खराब पड़ा हुआ था अतःशलेन्द्र कु० सिन्हा , सहायक अभियन्ता को निर्देश दिया गया की इसे अविलम्ब ठीक करायें एवं डस्टबीन पर स्टीकर भी लगवायें।

बह्मस्सरोवर एवं वैतरणी तालाब के बीच स्थित शौचालय गंदा पाया गया अतः सिन्धु शेखर मिश्रा, वार्ड निरीक्षक को निर्देश दिया गया की जल्द इसे सफाई करवायें तालाब के पानी में गंदगी पाई गई है । इसपर सिन्धु शेखर मिश्र वार्ड निरीक्षक को तालाब के पानी को निरन्तर सफाई करवाने का निर्देश दिया गया है बुधवार के निरिक्षण के क्रम में अक्षयवट में लगे हुए पोल माउंटेड डस्टबीन एक-दो स्थानों पर उल्टा पाया गया अतः शलेन्द्र कु० सिन्हा , सहायक अभियन्ता को निर्देश दिया गया की इसे अविलम्ब ठीक करायें।

रुकमनी तालाब के नाली की सफाई छोटे सक्शन मशीन से जल्द करवाने हेतु निर्देश दिया गया है। किशोर प्रसाद, कनीय अभियन्ता को निर्देश दिया कि अक्षयवट के गेट के पास अच्छे से स्लोप बनायें ताकि वाहनो का आवागमन सही ढंग से बिना किसी परेशानी के सुचारू रह सके। अक्षय वट से रुक्मिणी तालाब जाने वाले मार्ग पर नगर निगम द्वारा लगाए जा रहे पेवार ब्लॉक कार्य का निरीक्षण किया गया है। देवनन्दन प्रसाद कनीय अभियंता को दो दिनों के अंदर समीर तकया में कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य को हर हाल में पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है नही तो उनके विरुद्ध विभागीय एवं विधि सम्मत कार्यवाई करने का निर्देश दिया गया है।मेला क्षेत्र में नगर निगम द्वारा कराए जा रहे पथ ,नाली मरमति, नाली ढक्कन, लोहे की जाली निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया है। देवघाट में शौचालयों के रख रखाव एवं सफाई हेतु संवेदक नियुक्त किए गए हैं परंतु पाया जा रहा है कि उनके द्वारा सही ढंग से कार्य नही किया जा रहा है।इसके लिए संवेदक को फटकार लगाई गई एवं कार्य नही करने पर पेनाल्टी काटने का निर्देश दिया गया है।

इस निरीक्षण के क्रम में साफ सफाई हेतु रखे गए आउटसोर्स एजेंसी द्वारा लगाए जा रहे मजदूर कम पाए गए, उनके द्वारा ब्रह्मसत तालाब स्थित शौचालय पर भी मजदूर नहीं दिया गया अतः उनसे स्पष्टीकरण करते हुए पेनाल्टी काटने का निर्देश दिया गया है।सभी अभियंता एवं सफाई से जुड़े सभी पर्यवेक्षक एवं निरीक्षक को निर्देश दिया गया की मेला को देखते हुए आप सभी सुबह से मुस्तैद रहें।इस स्थल निरीक्षण के समय शैलेन्द्र सिन्हा सहायक अभियंता, विनोद प्रसाद , सहायक अभियन्ता सुबोध कुमार सिंह कनीय अभियंता, किशोर प्रसाद , कनीय अभियन्ता धर्मेन्द्र कुमार , कनीय अभियन्ता, देवनंदन प्रसाद, कनीय अभियन्ता उपस्थित थे।

जिनवाणी मैनेजमेन्ट कॉलेज में दो दिवसीय रोजगार मेला का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। सिकन्दरपुर स्थित जिनवाणी मैनेजमेन्ट कॉलेज में दो दिवसीय रोजगार मेला का शुभारम्भ आज हुआ। मुख्य अतिथि स्वरूप पधारे राज कुमार, भा.प्र.से., जिला पदाधिकारी भोजपुर ने कहा कि अच्छे एवं कुशलता प्राप्त युवाओं को अच्छी जगह रोजगार उपलब्ध कराने हेतु इस रोजगार मेला का आयोजन एक अच्छा प्रयास है। बिहार के युवाओं में कुशलता, लग्न और कठिन परिश्रम करने की मानसिकता है। यहां के युवा किसी भी विषम परिस्थिति में भी जूझते हैं, और कठिन परिश्रम करते हुए अपने लक्ष्य को हासिल अवश्य करते हैं।

जिला पदाधिकारी ने रोजगार की तलाश में आए युवाओं को विशेष रूप से सम्बोधित करते हुए कहा कि आपका केवल रोजगार पा लेना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए। रोजगार प्राप्त होने के पश्चात आपको अपने नियोजक के लिए कठिन से कठिन परिश्रम करना होगा। आपसे आपके नियोजक की अपेक्षाएं पूर्ण होनी अति आवश्यक है, तभी आप सफल हो सकेंगे। आपके द्वारा किये गये परिश्रम से आने वाली पीढ़ी भी मार्गदर्शन प्राप्त करेगी और वे भी कठिन परिश्रम कर सकेंगे। जिला पदाधिकारी ने प्रेस से वार्ता करते हुए बताया कि किसी निजी संस्थान द्वारा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऐसे कार्यक्रम आयोजित करना प्रशंसनीय है। ऐसे आयोजन के लिए जिनवाणी मैनेजमेन्ट कॉलेज परिवार को धन्यवाद देते हैं। विदित हो कि 21 एवं 22 सितम्बर को दो दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन हेल्थ एण्ड एजुकेशनल सोसायटी, आरा द्वारा सिकन्दरपुर स्थित जिनवाणी मैनेजमेन्ट कॉलेज परिसर में किया जा रहा है। रोजगार मेला का विधिवत उद्घाटन अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। आज उद्घाटन सत्र के कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए डॉ. आदित्य बिजय जैन ने रोजगार मेला की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। इन युवाओं को नियोजन हेतु विभिन्न कम्पनियों में जाकर साक्षात्कार आदि देना होता है। देश भर की विभिन्न कम्पनियों से हमने सम्पर्क किया और जिन कम्पनियों को कर्मचारी की आवश्यकता है उन्हें यहां आमंत्रित किया। हमारे आमंत्रण को स्वीकार कर विभिन्न कम्पनियों के प्रतिनिधि यहां पधारे हैं। साथ ही विभिन्न योग्यता वाले रोजगार की तलाश कर रहे युवक-युवतियों को भी यहां आमंत्रित किया है। ऐसा करने से युवाओं को एक ही जगह एक ही समय में विभिन्न कम्पनियों में आवेदन देने और साक्षात्कार में भाग लेने का अवसर मिला।

विशिष्ट अतिथि स्वरूप पधारे भाई ब्रह्मेश्वर ने अपने उद्गार में कहा कि आज की युवा पीढ़ी भटक रही है। आज उन्हें मानसिक रूप से अपने भविष्य की चिन्ता करनी चाहिए। उन्होंने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि ह्यह्यआपको इधर-उधर भटकने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। आपको जो भी रोजगार मिले उसे स्वीकार करते हुए मन लगाकर काम करना चाहिए। तभी आप तरक्की कर सकेंगे। वहीं पूर्व पार्षद श्री लाल दास राय ने भी युवाओं को मन लगाकर परिश्रम के साथ कार्य करने की सलाह दिया।

मंच संचालन कर रहे सिद्ध बिजय जैन ने आगंतुकों को बताया कि विभिन्न राज्यों से कम्पनियों ने आज के इस रोजगार मेला में अपने लिए कर्मचारियों का चयन करने आयी हैं। इनमें प्रमुख राष्ट्रीय स्तर की शेयर कारोबारी लक्ष्मीश्री इन्वेस्टमेन्ट के ग्वालियर और मुम्बई शाखा के प्रतिनिधि, बिहार एवं झारखण्ड में चेन शॉप का संचालन कर रहे नागरमल शिव नारायण, पटना और गुड़गांव में शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ी ई-डैक, पश्चिम बंगाल से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर कीमिया केमिकल्स, अलवर से ए.जी.एस. ई., बेगुसराय की चेन शॉप बॉम्बे फैशन, भोजपुर जिला का अग्रणी विद्यालय ज्ञान ज्योति आवासीय विद्यालय, पटना की जेन्ट एक्वा प्रा. लि., दिल्ली की अपरोवर लर्निंग, पटना की सिडको, पीपल ट्री ऑनलाईन प्रा. लि., ब्लैक बॉक्स, गुड़गांव की शिक्षा क्षेत्र की ई-डैक, भारती एक्सा लाईफ इन्श्योरेन्स, पटना की हेल्थकेयर की कम्पनी श्री साईं कॉलेज ऑफ नर्सिंग आदि हैं।

जिनवाणी मैनेजमेन्ट कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आनन्द मोहन ने बताया कि रोजगार की तलाश में आए युवाओं में काफी जोश है। आज रोजगार मेला में लगभग 310 युवक-युवतियों ने भाग लिया। इनमें अधिकांश स्नातक हैं, वहीं स्नातकोत्तर और तकनीकि शिक्षा प्राप्त युवा भी सम्मिलित हैं। युवा यहां एक साथ कई कम्पनियों के लगे स्टॉल पर सम्पर्क कर रहे हैं।

अवधुत भगवान राम आश्रम शाखा बंगवा गड़हनी में की मनाई गई 63 वाँ स्थापना दिवस किया झंडोत्तोलन व पूजा पाठ

प्रात : किरण संवाददाता

गड़हनी।स्थानीय नगर पंचायत अंतर्गत आरा सासाराम स्टेट हाईवे पर सहँगी मोड़ के समीप अवस्थित श्री सर्वेश्वरी समूह आश्रम शाखा बगवां गड़हनी में गुरुवार को धूमधाम से 63 वॉ स्थापना दिवस मनाया गया।जिसकी अध्यक्षता शेष प्रसाद सिंह व संचालन आश्रम के ब्यास्थापक शंकर दयाल सिंह ने की।स्थापना दिवस पर आश्रम संस्थापक अबधुत भगवान राम के जन्मस्थली गुंडी ग्राम से गुंडी व आरा आश्रम शाखा के सैकड़ों भक्तों ने मोटरसाइकिल व रथ के साथ सुबह 5 बजे प्रभातफेरी निकली जो आरा उदवंतनगर कसाप बगवां होते हुये गड़हनी आश्रम पंहुचा।आश्रम पहुँचते ही बाबा का जयघोष हुआ।उसके बाद सबसे पहले पूजा पाठ कर ध्वजारोहण वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय समाज शास्त्र के विभागाध्यक्ष अवध बिहारी सिंह, शेष प्रसाद सिंह,ब्यास्थापक एस डी सिंह,हरिशंकर सिंह ने संयुक्त रूप से किया गया।ध्वजारोहण के बाद उपस्थित भक्तो के बीच गोश्ठी की गई जिसमें गुरु द्वारा दी गई सफल योनि का पाठ पढ़ कर सबको ये संदेश दिया गया कि बाबा के बताए गए रास्ते पर चलने से आपका सभी मनोकामनाएं पूर्ण होगी और जीवन मे कभी कस्ट नही होगा।उपस्थित सभी भक्तों ने गुरु देव द्वारा दी गई आशीर्वचन के द्वारा बताया गया कि सबसे बड़ा राष्ट्र सेवा व धर्म सेवा ही सर्वोपरि है।अंत मे गुरुमंत्र उचारण द्वारा गोश्ठी का समापन किया गया।साथ ही ब्यास्थापक एसडी सिंह ने कहा कि भगवान अवधूत भगवान राम बहुत बड़े संत थे उनके बताए रास्ते पर चलने तो जीवन में कोई कस्ट नही होगा और जीवन सफल होगा।वही सैकड़ों भक्तो ने भजन कीर्तन किया जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया था।आश्रम में आये सैकड़ों भक्तो ने अवधूत भववान राम का दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।इस मौके बंशी सिंह, हरिशंकर सिंह, कुमार अरबिंद सिंह,बिजेन्द्र सिंह,मंटू सिंह, दाऊजी पाण्डेय, भाई अरुणेश कुमार सहित सैकड़ो महिला व पुरुष भक्त उपस्थित थे।

पितृपक्ष मेला क्षेत्र का मेयर, पूर्व डिप्टी मेयर समेत आधे से ज्यादा पार्षदों ने लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। विश्वप्रसिद्ध राजकीय पितृपक्ष मेला की तैयारियों का जिला प्रशासन से लेकर नगर सरकार तक सिर्फ एक ही उद्देश्य को लेकर दिन-रात एक करने में जुटे है कि पिंडदानियों को किसी तरह की परेशानी न हो। इसी क्रम में बुधवार की शाम पितृपक्ष मेला क्षेत्र का मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान एवं पूर्व डिप्टी मेयर सह स्टैंडिंग कमेटी सदस्य अखौरी ओंकारनाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव सहित निगम के आधे से ज्यादा पार्षदों ने मेला क्षेत्र में की जा रही तैयारियों का जायजा लिया गया है। मेयर और पूर्व डिप्टी मेयर व पार्षदों ने सबसे पहले सीताकुंड के व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया है। वहीं संबंधित अधिकारियों को कई व्यवस्थाओं से जुड़ी दिशा निर्देश दिए हैं। इसके बाद विष्णुपद के देवघाट बने पंडाल, प्रकाश व्यवस्था एवं साफ-सफाई का जायजा लिया गया है।इस दौरान उन्होंने सफाईकर्मी घाट व पूरे मेला क्षेत्र का चकाचक रखे। इसके अलावा देवघाट पर बने शौचालयों की बेहतर एवं नियमित साफ-सफाई का निर्देश दिया गया है।इसके साथ ही उन्होंने सूर्यकुंड तालाब सहित कई स्थलों का भी निरीक्षण कर कई जरूरी निर्देश दिए गए हैं।इसमौके पर मेयर गणेश पासवान ने कहा कि गया नगर निगम इस बार पिछले साल से और बेहतर और ऐतिहासिक तैयारियों में जुटा हुआ है। यही कारण है कि लगातार निरीक्षण व बैठक सभी व्यवस्थाओं पर काम तेजी गति में की जा रही है। सिर्फ एक ही उद्देश्य है कि तीर्थयात्री यहां से लौटे तो अच्छी संदेश लेकर लौटे।वहीं पूर्व डिप्टी मेयर सह स्टैंडिंग समिति के सदस्य मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि पितृपक्ष मेला 28 सितंबर से शुरू होना है, जिसको लेकर महीने पूर्व से निगम हर पिंडदानियों की सुविधा देने के लिए गंभीर और कृत संकल्पित है। इसी उद्देश्य से धार्मिक नगरी गयाजी में तीर्थयात्रियों का स्वागत अतिथि देवो भव के तर्ज पर की जाएगी। जिससे विश्व स्तर पर गयाजी की नाम और पहचान स्थापित हो। पूरे मेला क्षेत्र में आउटसोर्सिंग के माध्यम से साफ सफाई शुरू कर दी गई है। इसके अलावा विष्णुपद मंदिर परिसर में दो हाई मास्क लगाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। जो कि मेला से पूर्व उद्घाटन हो जाएंगे। इसके साथ ही सीता कुंड में 800 मीटर तक स्ट्रीट लाइट लग गए है। तिरंगा लाइट में मेले के शुभारंभ से पहले शुरू हो जाएंगे। वहां भी हाईमास्क की रोशनी से पूरा क्षेत्र जगमग करेगा। इसके अलावा सेल्फी पॉइंट, पनसाला, शिविर, तोरण द्वार और तीन एलईडी डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। इस मौके पर पार्षद शीला देवी, चंचला देवी, ममता किरण, अमृता सिंह, सोनी देवी, सुरेन्द्र कुमार यादव, अबरार अहमद उर्फ भोला मियां, चुन्नू खां, विनोद यादव, ईरम कहकसाँ, रणधीर कुमार गौतम, डिम्पल कुमार, कलाम, अशोक कुमार, सफाई प्रभारी शैलेंद्र कुमार सिंह, विनोद प्रसाद आदि मौजूद थे।

स्वच्छता श्रमदान स्वच्छता संवाद और स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा : स्वच्छता ही सेवा 2023 अंतर्गत आज महुली गंगा घाट पर जिला गंगा समिति,भोजपुर , जिला जल एवम स्वच्छता समिति भोजपुर ,के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता श्रमदान स्वच्छता संवाद और स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला जल और स्वक्षता के समन्वयक रंजय बैठा, श्री अमित कुमार सिंह जिला परियोजना अधिकारी जिला गंगा समिति नमामि गंगे , सूचना शिक्षा एवम संचार के जिला समन्वयक भोजपुर, लोहिया स्वच्छ मिशन अभियान बड़हरा प्रखंड समन्वयक नारागदा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि स्वच्छता प्रिवेक्षक, स्वक्षता कर्मी और गंगा ग्राम के युवा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का निमित्त घाट पर उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता शपथ दिलाया गया साथ ही साथ घाट पर लगने वाले छोटे-बड़े दुकानों के दुकानदारों से स्वच्छता संवाद भी किया गया इस संवाद के जरिए सभी दुकानदारों को यह बताया गया कि उनके दुकान से निकलने वाला कूड़ा गंगा नदी में जाकर ना मिले, इसके लिए नरगदा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि ने कल सभी दुकानदारों को डस्टबिन देने का भी वादा किया।जिला समन्वयक रंजय बैठा ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा में जिले के जितने गंगा घाट है वहां पर यह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य यही है कि लोगों की स्वच्छता के प्रति जागरूकता के साथ-साथ जन सहभागिता भी बढ़े। जिला परियोजना अधिकारी ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत गंगा ग्राम के सभी पंचायत के घाटों पर स्वच्छता पर्यवेक्षक स्वच्छता कमी और गंगा दूतों के द्वारा स्वच्छता अभियान के कार्यक्रम को चलाया जाएगा, और लोगों को यह संदेश दिया जाएगा की गंगा में किसी भी प्रकार का कूड़ा कचरा गंगा में प्रभावित न करें जिससे गंगा का जल प्रदूषण हो। इसके लिए गंगा ग्राम में स्थित कुदरिया परशुरामपुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय के छात्र-छात्राओं को खेल और कहानियों के माध्यम से स्वच्छता का पाठ पढ़ाया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे अर्जुन कुमार चंदन कुमार सिंह मनीष कुमार सिंह पिंकू शर्मा और स्थानीय ग्रामीणों के स्वच्छता पर्यवेक्षक और स्वच्छता कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा रहा ।

जिला समन्वय समिति की बैठक का शुभारंभ दीप प्रजल्लित कर किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। कृषि भवन भोजपुर, के सभागार में पोषण माह अंतर्गत जिला समन्वय समिति की बैठक का शुभारम्भ दीप प्रजल्लित कर किया गया साथ ही उपस्पोथित सभी पदाधिकारी को पौधा देकर सम्मानित किया गया। पोषण जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी,जिला योजना पदाधिकारी एवं (स्वास्थ्य विभाग) के संयुक्त रूप से रवाना किया गया एव बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना के तहत कन्या शिशु के हाथो पौधारोपण कराया गया। सेविकाओं द्वारा बनाए गए पोषण अभियान तथा बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना का रंगोली एवं सेल्फी पॉइंट आकर्षण का केंद्र रहा। पोषण अभियान तथा बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना के अंतर्थगत एनीमिया जांच एवं मिल्लेट्स (श्री अन्न) का स्टाल लगाया गयो कृषि विज्ञानं केंद्र के पदाधिकारी ने बताया की आज हमारा खेती भी कुपोषित हो गया है और उस खेत से मिटटी से निकला हुआ अन्न खाने से बच्चों में कुपोषण की मात्रा बढ़ रही है ,इसके रोकधाम हेतु खेतों में चुना , गोबर एवं प्रकिर्तिक खाद देने से जिंक की मात्रा बढ़ेगी जिससे अनाज पोषणयुक्त हो पाएगा। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने कहा की जन आंदोलन डैशबोर्ड पर एंट्री शत प्रतिशत करने के साथ ही पोषण माह कैलेंडर के अनुसार हर गतिविधि को पूरा करने का निदेश दिया गया। जिला समन्यवक द्वारा पोषण अभियान के गतिविधि के सम्बन्धी ढढळ के माध्यम से जानकारी दी गयी साथ ही साथ जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन की जानकारी दी गई। सखी वार्ता के तहत बाल विवाह, दहेज उत्पीड़न ,घरेलू हिंसा एवं महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़ी सभी तरह की योजनाओं की जानकारी के लिए जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन कार्यालय वन स्टॉप सेंटर से संपर्क कर सकते हैं जिला हब फॉर एंपावरमेंट वूमेन कार्यालय प्रखंड परिसर आरा सदर में अवस्थित है।

पूर्व मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री सरल स्वभाव एवं सादगी की प्रतिमूर्ति थे:सत्येन्द्र रंजन

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। महान स्वतंत्रता सेनानी , शिक्षाविद एवं सामाजिक समरसता के प्रतीक बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय भोला पासवान शास्त्री की 109 वीं जयंती समारोह जिला मुख्यालय के डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर वाचनालय में उनकी तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया । जयंती समारोह की अध्यक्षता जिला लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र रंजन ने किया। उन्होंने जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री सत्य , ईमानदारी , सरल -- स्वभाव एवं सादगी की प्रतिमूर्ति थे । भोला पासवान शास्त्री की व्यक्तित्व एवं कृतियों को किसी जाति धर्म ,सम्प्रदाय में बांध नहीं रखा जा सकता है , वे व्यक्ति नहीं विचार थे। बिहार में एक ऐसे मुख्यमंत्री भी थे जिन्होंने तीन बार बिहार की सत्ता संभाली लेकिन सादगी की ऐसी मिशाल शायद ही कोई पेश कर सका। गरीबी को अपनाने से कभी भी परहेज नहीं किया और ईमानदारी की ऐसी इबारत लिख दी जो आज भी कायम है ।

वे पेड़ के नीचे बुलाते थे बैठक और झोपड़ी में सोते थे , आज के इस दौर में ऐसे नेता कहां मिलते है। ईमानदारी वो सुबह फिर कभी आयेगी । झोपड़ी में जिए और झोपड़ी में ही जीवन का अंत समय गुजारा । जयंती समारोह में युवा लोजपा रामविलास के प्रदेश महासचिव पप्पू राज , जिला प्रवक्ता रविन्द्र कनौजिया , शिक्षाविद तपसी राम, शिक्षक रामदेनी राम, मुनेश्वर पासवान , अधिवक्ता विजय पासवान , अधिवक्ता धर्मेन्द्र कुमार, अधिवक्ता राजकिशोर प्रसाद , अधिवक्ता मनोज कुमार , अखिलेश कुमार सहित अन्य लोग शामिल हुए।

गुरुवार की संगीत सभा में शास्त्रीयता की अनुगूंज

प्रात : किरण संवाददाता

लीजेंड बक्शी कुलदीप नारायण सिन्हा मेमोरियल कल्चरल सोसायटी के बैनर तले स्थानीय महाजन टोली स्थ

सम्पादकीय

अधूरी नारी शक्ति-पूजा

नया महिला आरक्षण बिल नए संसद भवन में पहले ही दिन पेश किया गया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम नामकरण के साथ बिल को पेश किया, लेकिन अभी यह अधूरा है। यह बिल लोकसभा, विधानसभाओं और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के सदन में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने की बात करता है, लेकिन राज्यसभा, विधान परिषद आदि में आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं रखी गई है। सिर्फ अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाओं को विभिन्न सदनों में आरक्षण मिलेगा। ओबीसी, यानी पिछड़ी, मुस्लिम और ठेठ आदिवासी महिलाओं को क्यों छोड़ दिया गया, शायद बहस के दौरान सत्ता-पक्ष यह स्पष्ट करे! महिला आरक्षण फिलहाल 15 साल के लिए होगा। बाद में अवधि बढ़ाने का अधिकार संसद को है। बिल में यह स्पष्ट किया गया है कि पहले जनगणना होगी। उसमें कमोबेश 2 साल का समय चाहिए। जनगणना के बाद परिसीमन किया जाएगा, जिसके आधार पर महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की जाएंगी। इसके लिए भी कम से कम 2 साल चाहिए। बिल्कुल स्पष्ट है कि 4 साल तक महिला आरक्षण की व्यवस्था लागू नहीं होगी। 2024 के बाद आम चुनाव 2029 में होगा। संसद के विशेष सत्र में ही महिला आरक्षण बिल दोनों सदनों में पारित कराया जा सकता है। यदि पारित होने और कानून बनने के बावजूद महिला आरक्षण की व्यवस्था लागू नहीं होती, तो फिर 2024 के आम चुनाव से 6-7 माह पूर्व यह बिल क्यों लाया गया? मौजूदा सरकार मई, 2014 में आई।

उसके पहले मार्च, 2010 में महिला आरक्षण बिल राज्यसभा में, भाजपा के सहयोग और समर्थन से, पारित कराया गया। तब डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे। राज्यसभा में पारित होने के बाद बिल लोकसभा को भेजा गया, लिहाजा वह लोकसभा की प्रॉपर्टी बन गया। 2014 के चुनाव के साथ ही लोकसभा का कार्यकाल समाप्त हुआ, तो महिला आरक्षण बिल भी निरस्त हो गया। यह संसदीय व्यवस्था है और गृहमंत्री अमित शाह ने भी सदन में स्पष्ट किया है। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी तथ्यात्मक रूप से गलत हैं कि वह बिल लोकसभा में अब भी जीवित है और राजीव गांधी ने अपने प्रधानमंत्री काल में महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पारित कराया था। यह गलत और भ्रामक जानकारी महज राजनीतिक श्रेय की होड़ का एक हिस्सा है। दरअसल सवाल यह किया जाना चाहिए कि मई, 2014 से 2023 तक प्रधानमंत्री मोदी ने इस बिल को पारित कराने और देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी तय करने की पहल क्यों नहीं की? अब भी बिल के साथ कई चुनौतीपूर्ण तौर-तरीके जुड़े हैं कि आखिर महिला आरक्षण लागू कैसे किया जाएगा? दरअसल यह अधूरी नारी शक्ति-पूजा है, अलबत्ता बिल पारित किए जाने से प्रधानमंत्री और भाजपा के पक्ष में एक राजनीतिक धारणा जरूर बनेगी कि वे महिला-समर्थक हैं। 2019 के आम चुनाव में भी भाजपा को करीब 36 फीसदी महिला वोट मिले थे।

करीब 29 करोड़ महिलाओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। भारत के 19 राज्यों में मात्र 8 फीसदी ही महिला विधायक हैं और लोकसभा में 78 महिला सांसद हैं। 2019 में कुल 8049 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा, जिनमें 716 ही महिलाएं थीं। यह मात्र 9 फीसदी है। जो 78 महिला सांसद फिलहाल लोकसभा में हैं, उनमें से 31 महिलाएं राजनीतिक खानदानों से हैं। उन्हें आरक्षण या सामान्य स्थिति का फर्क नहीं पड़ता। यदि 146 देशों के आधार पर हम भारतीय महिलाओं का आकलन करें, तो उनका आर्थिक भागीदारी सूचकांक 142 है। राजनीतिक सशक्तिकरण में भी हम 59वें स्थान पर हैं। लैंगिक अंतर या दूसरे सूचकांक की बात करना ही बेमानी है। महिला आरक्षण से आम महिला कितनी प्रभावित होगी और वह राजनीति की मुख्यधारा में शामिल होना चाहेगी, यह भी अभी सवालिया स्थिति है। परिसीमन के बाद संसद की सीटें बढा तय है। नई लोकसभा में 888 सांसद बैठ सकेंगे। उप्र की 80 लोकसभा सीटें बढकर 147 हो जाएंगी। तमिलनाडु की 39 सीटें बढकर 47 हो जाएंगी। इस तरह सभी राज्यों की संसदीय सीटें बढ़ेंगी। उनमें महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें होंगी।

वंदनीय है देश का विपक्ष

राकेश अचल

भारत के जिस विपक्ष को देश के अवतार पुरुष पानी पी-पीकर कोसते हैं आज उस विपक्ष की वंदना होना चाहिए क्योंकि उसने नयी बोतल में पुरानी शराब जैसा होते हुए भी महिला आरक्षण विधेयक यानि नारी शक्ति वंदन विधेयक लोकसभा में पारित करा दिया। राजनीति से ऊपर उठकर किये गए इस सहयोग के लिए अब सत्ता पक्ष को अपनी सनातनी ऐंठ छोड़कर देश के विपक्ष का अभिनंदन करने के साथ ही उसे

घमंडिया गठबंधन कहना छोड़ देना चाहिए क्योंकि विपक्ष ने सरकार का सहयोग कर ये प्रमाणित कर दिया की वो घमंडिया नहीं बल्कि असली इंडिया (आईएनडीआईए) गठबंधन है।

जैसा कि मै पहले दिन से कहता आ रहा हूँ कि इस विधेयक को संख्या बल के आधार पर लोकसभा और राज्य सभा में भी आसानी से पारित कराया जा सकता है, सो वैसा ही हुआ। ये ध्वनिमत से भी पारित हो सकता था यदि इसको लेकर विधेयक को सदन में लाने से पहले विपक्ष को भी विश्वास में लिया गया होता। दुर्भाग्य ये है कि सरकार देश का ही नहीं विपक्ष का भी विश्वास नहीं चाहती। सरकार का अपना आत्मविश्वास है। सरकार अपने डांवाडोल आत्मविश्वास के सहारे ही आगामी चुनाव की वैतरणी पार करना चाहती है। ऐसी आत्ममुग्ध सरकार को नारी शक्ति वंदन विधेयक के पारित होने पर मेरी भी बधाई और शुभकामनाएं। नारी शक्ति वंदन विधेयक के पक्ष में में 454 वोट पड़े, जबकि इसके विरोध में 2 मत पड़े। जाहिर है कि पूरा देश नारी शक्ति की वंदना करना चाहता है। खुशी की बात ये है कि इस विधेयक के लोकसभा में बहुमत से पारित होने पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी खुश हुए। उन्होंने अपनी खुशी ट्वीट कर जाहिर की। बेहतर होता कि वे अपनी खुशी और विपक्ष के सहयोग के प्रति अपनी कृतज्ञता लोकसभा में ही जाहिर करते। लेकिन अवतारी लोग ऐसा करते तो शान नहीं चली जाती? इस विधेयक के खिलाफ मतदान करने वाले एआइएमआइएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और उनकी ही पार्टी के सांसद इम्तियाज जलील ने भी यदि विधेयक के समर्थन में मतदान किया होता तो इससे सोने में सुहागा कहा जाता।

जाहिर है कि लोकसभा में पारित नारी शक्ति विधेयक आधा-अधूरा और आकाश कुसुम जैसा आभासी है किन्तु अढ़ाई आबादी के अधिकारों को रेखांकित करने वाला तो है ही। तमाम विसंगतियों और असहमतियों के बावजूद इस विधेयक पर एकजुटता की आवश्यकता थी, औवेसी को इस मुद्दे पर अपनी असहमति के साथ भी विधेयक के साथ खड़ा होना था। इस जेबी संगठन की असहमति और खिलाफत से अब एक ही अर्थ निकला जाएगा कि ये संगठन और इसके नेता नारी शक्ति की वंदना के खिलाफ हैं या नारी शक्ति से भय खाते हैं। विधेयक की विसंगतियों पर देश के अधिकाँश राजनितिक दलों ने बहस के दौरान उँगलियाँ उठाई। सरकार की जमकर धुलाई भी की लेकिन अंततः विधेयक का स्मार्थन किया। उन दलों ने भी जो अतीत में इस विधेयक कि विसंगतियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते हुए इसकी खिलाफत करते रहे हैं। यहां खास तौर पर मै समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राजद, जेडीयू का उल्लेख करना चाहता हूँ।

देश की आधी आबादी को इस विधेयक के लोकसभा में पारित होने के बाद ज्यादा खुश होने की आवश्यकता नहीं है। अभी इसे राज्य सभा में भी जाना है। वहां भी ईश्वर करे ये विधेयक पारित हो जाये ताकि देश की संसद पर महिला विरोधी होने का कलंक न लगे। इस विधेयक के कानून बनने से भी देश की आधी आबादी का कुछ कल्याण नहीं होने वाला। ये विधेयक काल्पनिक है। इसके अमल में आने के लिए देश की महिलाओं को लम्बी प्रतीक्षा करना होगी। पहले लोकसभा और विधान सीटों का परिसीमन होगा, फिर जनगणना होगी तब कहीं जाकर तय किया जाएगा कि किसको कितना आरक्षण मिले? भारत दुनिया के तमाम देशो की तरह आज भी पितृ सत्तात्मक देश है। हालाँकि देश के कुछ हलकों में मातृ सत्ता को भी प्रमुखता दी जाती है, किन्तु इनकी संख्या बहुत कम है। देश कि पितृ सत्तात्मक प्रवृत्ति ने ही आजादी के 75 साल बाद भी महिलाओं को उनके अधिकारों से वांछित रखा। इस मामले में देश के सभी राजनितिक दलों का चरित्र कमोवेश एक जैसा ही रहा। कांग्रेस ने महिलाओं को स्थानीय निकायों और पंचायतो में 33 फीसदी आरक्षण देकर आधी आबादी को उनका हक देने का श्रीगणेश भी किया लेकिन वो भी अपने लम्बे कार्यकाल में इस कानून को विधानसभाओं और लोक सभा के लिए लागू नहीं करा सकी।, तब भी जब उसके पास सख्या बल नहीं था और तब भी जबकि उसके पास अकूत संख्या बल था। आज की सरकार से भी ज्यादा। आज की सरकार का नेतृत्व कर रही भाजपा के पास तो कुल 303 सीटें हैं जबकि 1984 में कांग्रेस के पास 404 सीटें थी।

नारी का राजनीतिक जीवन भी अमृतमय बने

यह सुनकर एवं देखकर अच्छा लगा कि सभी नेताओं ने पार्टी लाइनों से ऊपर उठकर बाबा साहेब अंबडेकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू, बाबू राजेंद्र प्रसाद, अटलविहारी वाजपेयी जैसे सभी महान नेताओं को याद किया, जिन्होंने नया एवं सशक्त भारत बनाने में योगदान दिया। हर राजनीतिक दल महिला उत्थान, उन्नयन एवं विधायी संस्थानों में संतुलित महिला प्रतिनिधित्व के लंबे-चौड़े दावे करते रहे हैं और वादे भी, लेकिन जब समय आता है तो महिलाओं को उनका हक देने में अनेक किन्तु-परन्तु एवं कौताही होती रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में कुल 82 महिला सांसद चुनकर आई थी। जिस देश में आधी आबादी महिलाओं की हो, वहां सिर्फ 15 फीसदी महिलाएं ही लोकसभा पहुंचे तो आश्चर्य ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण ही है। आश्चर्य की बात यह कि 2019 से पहले हुए चुनावों में जीतने वाली महिला सांसदों की संख्या 82 से भी कम रहती आई है। विधानसभाओं के हाल भी कमोबेश लोकसभा जैसे ही हैं। ऐसे हालात में भाजपा एवं मोदी सरकार ने साहस का परिचय देते हुए महिला आरक्षण विधेयक को पेश कर सराहनीय उपक्रम किया है, इससे लोकतंत्र मजबूत होगा।

ललित गर्ग
विख्यात अर्थशास्त्री

भारतीय संसद के नए भवन के पहले सत्र का श्रीगणेश अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक, यादगार एवं अविस्मरणीय रहा। मंगलवार के शुभदिन अनेक नये अध्याय एवं अमिट आलेख रचे गये, जिनमें सरकार और विपक्ष के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध की दुर्लभ तस्वीर सामने आयी, वहीं नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के रूप में नारी शक्ति के अभ्युदय का नया इतिहास रचा गया। यह सुनकर एवं देखकर अच्छा लगा कि सभी नेताओं ने पार्टी लाइनों से ऊपर उठकर बाबा साहेब अंबडेकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू, बाबू राजेंद्र प्रसाद, अटलविहारी वाजपेयी जैसे सभी महान नेताओं को याद किया, जिन्होंने नया एवं सशक्त भारत बनाने में योगदान दिया।

हर राजनीतिक दल महिला उत्थान, उन्नयन एवं विधायी संस्थानों में संतुलित महिला प्रतिनिधित्व के लंबे-चौड़े दावे करते रहे हैं और वादे भी, लेकिन जब समय आता है तो महिलाओं को उनका हक देने में अनेक किन्तु-परन्तु एवं कौताही होती रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में कुल 82 महिला सांसद चुनकर आई थी। जिस देश में आधी आबादी महिलाओं की हो, वहां सिर्फ 15 फीसदी महिलाएं ही लोकसभा पहुंचे तो आश्चर्य ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण ही है। आश्चर्य की बात यह कि 2019 से पहले हुए चुनावों में जीतने वाली महिला सांसदों की संख्या 82 से भी कम रहती आई है। विधानसभाओं के हाल भी कमोबेश लोकसभा जैसे ही हैं। ऐसे हालात में भाजपा एवं मोदी सरकार ने साहस का परिचय देते हुए महिला आरक्षण विधेयक को पेश कर सराहनीय उपक्रम किया है, इससे लोकतंत्र मजबूत होगा। इससे शासन चलाने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी तो उनके खिलाफ होने वाले अत्याचार के मामले भी कम होंगे। सवाल सिर्फ सांसद-विधायक का ही नहीं है, प्रयास होने चाहिए कि मंत्री पद पर भी महिलाओं की भागीदारी बढ़े।

महिला आरक्षण को लेकर कई बहसें और विवाद होते रहे हैं। संसद में कई प्रयास किये गये। 1996 में इससे जुड़ा पहला बिल पेश किया गया था। अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में कई बार महिला आरक्षण विधेयक लाया गया लेकिन इसके लिए संख्या नहीं जुटाई जा सकी और सपना अधूरा रह गया। महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित करने, उनकी शक्ति का उपयोग करने और ऐसे अनेक महान कार्यों के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो पहल की है, इसके लिये वे अभिनन्दनीय है। भले ही विधेयक पारित होने के बावजूद इसका लाभ लेने के लिए महिलाओं को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। यानी 1996 में पहली बार पेश आरक्षण विधेयक के व्यावहारिक रूप में लागू होने में अभी तीन चार साल और लगने के आसार हैं। लेकिन, यहां एक सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर महिला आरक्षण विधेयक संसद में लाने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या बिना आरक्षण के राजनीतिक दल महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा चुनाव में पर्याप्त टिकट नहीं दे सकते? मुद्दे की जड़ यह है कि राजनीतिक दल चाहे वह भाजपा हो या कांग्रेस या कोई अन्य दल, लोकसभा और विधानसभा चुनावों में अधिक संख्या में महिला उम्मीदवारों को टिकट देने की शुरूआत आने वाले चुनावों में ही करें, इसके लिए उन्हें किसी कानून की जरूरत नहीं होनी चाहिए। राजनीतिक दल ह्यआधी आबादीह्न को उनका पूरा हक दें, ताकि सामाजिक समरसता का ताना-बाना और मजबूत हो सके।

महिलाओं के युग बनते बिगड़ते रहे हैं। कभी उनको विकास की खुली दिशाओं में पूरे वेग के साथ बढ़ने के अवसर मिले हैं तो कभी उनके एक-एक कदम को संदेह के नागों ने रोका है। कभी उन्हें पूरी सामाजिक प्रतिष्ठा मिली है तो कभी वे समाज के हाशिये पर खड़ी होकर स्त्री होने की विवशता को भोगती रही है। कभी वे परिवार के केंद्र में रहकर समग्र परिवार का संचालन करती हैं तो कभी अपने ही परिवार में उपेक्षित और प्रताड़ित होकर निष्क्रिय बन जाती है। राजनीतिक मंचों पर तो महिलाओं के साथ भेदभाव समाप्त होने का नाम ही नहीं ले रहा था। इन विसंगतियों में संगति बिठाने के लिए महिला आरक्षण विधेयक एक सार्थक प्रयास है, अब महिलाओं को एक निश्चित लक्ष्य की दिशा में प्रस्थान करना होगा। राजनीतिक सत्ता एक जरिया बना रहा है, जिसके बल पर सत्ता भी मर्दों के हाथ में केंद्रित करके महिलाओं पर दबदबा कायम रखा जाता रहा है। एक पूर्वाग्रह भी रहा है कि महिलाओं के हाथों में राजनीति सौंप दी गई, तो पुरुषों की सत्ता पलट जाएगी। अभी तक जो महिलाएं संसद पहुंचती रही हैं, उनमें से ज्यादातर अभिजात वर्ग से आती हैं, पर महिला आरक्षण लागू होने से अब दबी-कुचली महिलाएं ज्यादा बड़ी संख्या में ऊपर आएंगी।महिलाओं को उचित एवं सम्मानजनक स्थान देने में आरक्षण एकमात्र इलाज नहीं हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी मुल्कों में वर्षों से विधायी संस्थाओं में स्त्रियों की सीटें आरक्षित रही हैं, पर वहां उनके हालात कैसे हैं, यह बताने की जरूरत नहीं। खुद हमारे देश में ही पंचायती राज संस्थाओं में कई सूबों में 50 प्रतिशत तक महिला आरक्षण लागू है। मगर मुखिया-पति और पार्षद-पति भी हमारे ही समाज की हकीकत है। इसलिए चुनौती राजनीतिक दलों के आगे है कि वे जमीनी स्तर पर महिला नेतृत्व गढ़ने की कोशिश करें। नारी शक्ति वंदन विधेयक ने तमाम राजनीतिक पार्टियों को एक अवसर दिया है कि वे महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील रूख अपनाएं। इस कानून का सियासी लाभ अब चाहे कोई उठाए, क्योंकि पिछड़े वर्गों में इसे लेकर जैसी प्रतिक्रिया देखने को मिली है, वह आने वाले दिनों में देश की चुनावी राजनीति में व्यापक बदलाव करेंगी। मगर फिलहाल आजादी के इस अमृतकाल में भारतीय महिलाओं के लिए संभावनाओं के शीर्ष पर सदन का जो बड़ा पट खुला है, उसका स्वागत करते हुए महिलाओं को नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में सहभागी बनाना चाहिए। एक बड़ी आशंका है कि इस विधेयक के लागू हो जाने के बाद भी महिलाओं के लिये संसद एवं विधानसभाओं के दरवाजे जरूर खुल जायेंगे, आरक्षण से माताएं, बेटियां और बहुएं चुनाव लड़कर सदनों में आएंगी लेकिन उनका सारा कामकाज एवं राजनीतिक दावपेंच पुरुष ही करेंगे। इसलिए शासन पुरुषों का रहेगा। पंचायत चुनाव में हम ऐसा होते हुए देख रहे हैं। इस बड़ी विसंगति एवं विडम्बना को दूर किये बिना महिला आरक्षण का वास्तविक लक्ष्य हासिल नहीं हो पायेगा।

औरतों ने बार-बार खुद को साबित किया है। फिर भी पुरुष प्रधान मानसिकता में माना गया कि महिलाओं में न इतनी अक्ल होती है, न इतना अनुभव होता है और न ही उन्हें प्रकृति ने इस काबिल बनाया है कि वे राजनीतिक कार्यों से जुड़ी कठिनाइयां झेल सकें। एक कहावत है कि औरत जन्मती नहीं, बना दी जाती है और कई कट्टर मान्यता वाले औरत को मर्द की खेती समझते हैं। कानून एवं राजनीति का संरक्षण नहीं मिलने से औरत संघर्ष के अंतिम छोर पर लड़ाई हारती रही है। इसीलिये आज की औरत को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए। पूरे पृष्ठ, जितने पुरुषों को प्राप्त हैं। प्राचीन काल में भारतीय नारी को विशिष्ट सम्मान दिया जाता था।

सीता, सती-सावित्री आदि अगणित भारतीय नारियों ने अपना विशिष्ट स्थान सिद्ध किया है। इसके अलावा अंग्रेजी शासनकाल में भी रानी लक्ष्मीबाई, चाँद बीबी आदि नारियाँ जिन्होंने अपनी सभी परंपराओं आदि से ऊपर उठ कर इतिहास के पन्नों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। आधुनिक नारी इतनी सक्षम है कि वह भारतीय राजनीति की तस्वीर भी बदल सकती है और तकदीर भी, शासन करने की उसमें अद्भुत क्षमता है। वे अपनी राजनीतिक पारी से जनता की खुशहाली ला सकती है। वे लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मयार्दाओं को नया जीवन दे सकती है। भारत को विकास की राह पर अग्रसर कर सकती है। फिर भी लगातार महिलाओं से जुड़े आरक्षण के मुद्दें को जटिल बनाया जाता रहा है, अब मोदी सरकार इन जटिलाओं के बावजूद महिलाओं को उनका वाजिब राजनीतिक हक देने के लिये तत्पर हुई है तो इस कानून बनाने और नारी शक्ति के वंदन के अमल में सरकार का ही नहीं, राजनीतिक पार्टियों की भी बड़ी जिम्मेदारी है कि वे इस इम्तिहान में सफल होकर दशकों में बनी अड़चनें दूर करें, तभी अमृत काल में नारी का राजनीतिक जीवन भी अमृतमय बन सकेगा, इसी से महिला आरक्षण विधेयक को वास्तविक एवं सार्थक अर्थ मिल सकेगा।

व्यंग्य आलेख : मैं सांड हूँ ! जहाँ जाइएगा मुझे पाइएगा...?

फीट भर की हासिएदार मुंछे और छह फिट की लाठी रखते हैं। सिर पर कलकत्तईया गमछा और पूरेवदन पर पाव भर कड़वा तेल की मालिश करते हैं। जहाँ चाहते हैं वहीं मुंह मारते हैं और जिसको जो चाहें बोल देते हैं। लठ्ठन गुरू को लोग छुट्टे सांड के उपनाम से भी बुलाते हैं। वेचारे जुवान से थोड़ा पातर हैं, लेकिन गलत कभी बर्दास्त नहीं करते हैं। उनकी निगाह में अगर कहीं गलत दिख गया तो पूरे छुट्टे सांड बन जाते हैं। फिर उनकी निगाह में आने वाले की ऐसी-तैसी हो जाती है। इसलिए हमारे गांव-जवार में लोग उनका बड़ा अदब करते हैं। वैसी भी हमारी काशी तो सांडो की जन्म और कर्म स्थली है। काशी में जहाँ जाइएगा वहां बस सांड ही सांड ही पाइएगा। बाबा दरबार से लेकर गंगा घाट तक। चौराहे से लेकर सब्जी मंडी और गली तक सांड ही सांड दिख जाएंगे। कभी-कभी तो जब अपने पर उतर आते हैं तो पूरी सड़क और गली में जाम लग जाता है। ठेंगे से जाम लगे अलमस्त पागुर करते और बीच सड़क पर उंघते दिख जाएंगे। आप हॉर्न बजाइए या घंटा कोई फर्क नहीं। काशी वालों का जीने का अंदाज ही कुछ अलग है। यहाँ की विंदास जिंदगी सांड की मस्ती से कम नहीं है। क्योंकि यहाँ बाबा की कृपा बरसती है।

प्रभुनाथ शुक्ल
वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समीक्षक

हमारे गांव-जवार में लठ्ठन गुरू का जलवा है। वह लम्बी कद काठी के गबरू जवान हैं। हालांकि उमर उनकी साठा है, लेकिन अपने को वह किसी गबरू जवान से कम नहीं समझते। फीट भर की हासिएदार मुंछे और छह फिट की लाठी रखते हैं। सिर पर कलकत्तईया गमछा और पूरेवदन पर पाव भर कड़वा तेल की मालिश करते हैं। जहाँ चाहते हैं वहीं मुंह मारते हैं और जिसको जो चाहें बोल देते हैं। लठ्ठन गुरू को लोग छुट्टे सांड के उपनाम से भी बुलाते हैं। वेचारे जुवान से थोड़ा पातर हैं, लेकिन गलत कभी बर्दास्त नहीं करते हैं। उनकी निगाह में अगर कहीं गलत दिख गया तो पूरे छुट्टे सांड बन जाते हैं। फिर उनकी निगाह में आने वाले की ऐसी-तैसी हो जाती है। इसलिए हमारे गांव-जवार में लोग उनका बड़ा अदब करते हैं।

वैसी भी हमारी काशी तो सांडो की जन्म और कर्म स्थली है। काशी में जहाँ जाइएगा वहां बस सांड ही सांड ही पाइएगा। बाबा दरबार से लेकर गंगा घाट तक। चौराहे से लेकर सब्जी मंडी और गली तक सांड ही सांड दिख जाएंगे। कभी-कभी तो जब अपने पर उतर आते हैं तो पूरी सड़क और गली में जाम लग जाता है। ठेंगे से जाम लगे अलमस्त पागुर करते और बीच सड़क पर उंघते दिख जाएंगे। आप हॉर्न बजाइए या घंटा कोई फर्क नहीं। काशी वालों का जीने का अंदाज ही कुछ अलग है। यहाँ की विंदास जिंदगी सांड की मस्ती से कम नहीं है। क्योंकि यहाँ बाबा की कृपा बरसती है। वैसे भी यहाँ के साहित्यकार भी अपने नाम के आगे सांड लगाना नहीं भूलते हैं। राजनीति में भी यहाँ से जो चुनकर जाता है जाता है वह छुट्टा सांड हो जाता है। आप गलत मतलब मत लगाइएगा हमारे गांव-जवार में सांड बल और शौर्य का प्रतीक है। वैसे भी आजकल सांडों की कमी नहीं हैं। हर कोई सांड ही बनाना चाहता है। अब शेर उतना पसंद नहीं किया जा रहा जितना छुट्टा सांड। इसलिए हर कोई छुट्टा सांड ही बनाना चाहता है।

वैसे भी हमारे यहाँ सांडो का आतंक है। लोकतंत्र में कुछ सियासी फैसलों की वजह से हाल के दिनों में सांडों की आबादी बढ़ी है। जिसकी वजह से सांडों का चरित्र अब इंसानों में घूस गया है। किसानों की फसल आराम से सांड चट कर जाते हैं। किसान अगर सांडो का विरोध करता है तो उसकी हड्डी-पसली तीतर-वितर हो जाती है। हुंकाराते और अखड़ाते सांड उसे छोड़ते नहीं हैं। वैसे भी सांड हमारी राजनीति का अहम मुद्दा है। चुनावी मौसम में तो सियासी सांडो और असली सांडो से कई बार हेलीपैड और चुनावी सभाओं में मुकाबला हो चुका है। सत्तापक्ष के अपने सांड और विपक्ष के अपने सांड हैं। बिनादल वाले भी खुद को स्वच्छंद सांड समझते हैं। चुनाव के बाद किसी दल का बहुत कम है तो ऐसी प्रजाति के सांड अवसर का लाभ उठाकर सम्बंधित दल के गले लग जाते हैं। अब आप इन्हें अवसरवादी सांड से परिभाषित मत कीजिएगा।

बदलते परिवेश में हमारे समाज में स्वच्छंद सांडों की समस्या सबसे बलवती हो गई है। यह गली-चौराहे, स्कूल-कॉलेज हर जगह आवारगी करते दिख जाएंगे। यह अपने माँ-बाप की बिगडैल औलादें हैं। जिन्हें आप लुच्चे-लफंगे जैसे विशेष विशेषण से सम्बोधित कर सकते हैं। हमारे गांव-जवार में इनके लिए एक शब्द सोहदा है जिसका प्रयोग इनके लिए किया जाता है। आजकल ऐसे सांड बेलगाम हो चले हैं। कानून की लाख कोशिश के बाद भी नपुंसकों की औलादें सुधरने का नाम नहीं लें रहीं हैं। आपरेशन मजनू भी इनका कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा। राह चलती बेटियों को निशाना बना रहें हैं। बेटियों का दुपट्टा खींच बेलगाम सांडो ने तांडव मचा रखा है। अब देखना है ऐसे बेलगाम सांडो पर बाबा का बुलडोजर वाला सांड कब हुंकार मारता है।

महिला आरक्षण: नारी शक्ति का अभिनंदन

प्रमोद भार्गव

भारतीय परंपरा में किसी नए भवन में स्त्री का प्रवेश शुभ माना जाता है। इसी दृष्टिकोण के चलते संसद के नए भवन में पहला पग महिलाओं के सम्मान में उठा है। केंद्र सरकार ने गणेश चतुर्थी के दिन इस शुभ पहल को करके देष की आधी आबादी का अभिनंदन किया है। लोकसभा में 27 साल से लंबित ह्यनारी शक्ति वंदन विधेयकह्य नाम से महिला आरक्षण संबंधी विधेयक पेश कर दिया। इस विधेयक के पारित होने के बाद संसद के दोनों सदनों से लेकर विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिशत हो जाएगी। विधेयक के कानून में बदलने और क्रियान्वित होने के बाद वर्तमान स्थिति के हिसाब से लोकसभा में महिलाओं के लिए 181 और राज्य विधानसभाओं में 1374 सीटें आरक्षित हो जाएंगी। इन सीटों पर महिला प्रत्याषी ही चुनाव लड़ सकेंगी। फिलहाल इस आरक्षण की सुविधा 15 वर्श के लिए होगी, लेकिन मांग के अनुसार इसे बढ़ाया भी जा सकता है। इसी साल पांच राज्य विधानसभाओं के अलावा मई 2024 में लोकसभा के चुनाव भी होने हैं। इसलिए नारी सषक्तिकरण के इस उपाय को महिला मतदाताओं के ध्रुवीकरण के साधन के रूप में भी देखा जा रहा है। देष में इस समय करीब 44 करोड़ महिला मतदाता हैं। हालांकि यह विधेयक दोनों सदनों से पारित हो भी जाता है तब भी इसे नई जनगणना और नए परिसीमन के बाद 2026 से लागू करने का प्रस्ताव रखा गया है। इसलिए कालांतर में होने वाले चुनावों में इसे अमल में तो नहीं लाया जा सकेगा, लेकिन भाजपा के लिए महिला मतदाताओं को आकर्षित करने का काम यह विधेयक अवश्य कर जाएगा।

इसके कानून बनते ही ऐसे कई दोहरे चरित्र के चेहरे हाशिये पर चले जाएंगे, जो पिछड़ी और मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने के प्रावधान के बहाने, गाहे-बगाहे बीते 27 साल से गतिरोध पैदा किए हुए थे। महिला आरक्षण विधेयक का मूल प्रारूप संयुक्त मोर्चा सरकार के कार्यकाल के दौरान गीता मुखर्जी ने तैयार किया था। लेकिन अक्सर इस विधेयक को लोकसभा सत्र के दौरान अंतिम दिनों में पटल पर रखा गया। इससे यह संदेह हमेषा बना रहा कि एचडी देवगौड़ा, इन्द्रकुमार गुजराल और अटलबिहारी वाजपेयी सरकारें गठबंधन के दबाव और राजनीतिक असहमतियों के चलते ठोस इच्छा षक्ति नहीं जता पाई थीं। हालांकि 9 मार्च 2010 में कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार ने जरूर इस विधेयक को राज्यसभा में षेष कर पास करा लिया था, लेकिन मनमोहन सिंह इसे लोकसभा से पारित नहीं करा पाए थे। जबकि उनके पास लोकसभा में स्पश्ट बहुमत था। इस सरकार को अपने ही सहयोगी दलों के जबरदस्त विरोध का सामना करना पड़ा था। सहयोगी गठबंधन के सांसदों ने पिछड़ी और मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने के प्रावधान के बहाने, इस विधेयक को अटका दिया था। यहां तक की समर्थक दलों ने कांग्रेस को समर्थन वापसी की धमकी भी दे दी थी। हालांकि प्रजातंत्र में तार्किक असहमतियां, संवैधानिक अधिकारों व मूल्यों को मजबूत करने का काम करती हैं, लेकिन असहमतियां जब मुट्ठीभर सांसदों की अतार्किक हठधर्मिता का पर्याय बन जाएं तो ये संसद की गरिमा और सदन की शक्ति को ठेंगा दिखाने वाली साबित होती हैं।

उस समय विधेयक से असहमत दलों की प्रमुख मांग थी, ह्य33 फीसदी आरक्षण के कोटे में पिछड़े और मुस्लिम समुदायों की महिलाओं को विधान मंडलों में आरक्षण का प्रावधान रखा जाए।ह्य जबकि संविधान के वर्तमान स्वरूप में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति के समुदायों को आरक्षण की सुविधा हासिल है। ऐसे में पिछड़े वर्ग की महिलाओं को लाभ कैसे संभव है? हमारे लोकतांत्रिक संविधान में धार्मिक आधार पर किसी भी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। लिहाजा इस बिना पर मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण की सुविधा कैसे हासिल हो सकती है? आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल की सरकारों ने सच्चर व रंगनाथ मिश्र आयोग की सिफारिशों को आधार मानते हुए मुसलमान व ईसाईयों को नौकरियों में धर्म आधारित आरक्षण की व्यवस्था की थी, लेकिन न्यायालयों ने इन्हें संविधान-विरोधी फैसला जताकर खारिज कर दिया था।

दरअसल इस कानून के वजूद में आ जाने के बाद अस्तित्व का संकट उन काडरविहीन दलों को है, जो व्यक्ति और जाति आधारित दल हैं। इसी कारण लालू, मुलायम और शरद यादव इस बिल के विरोध में दृढ़ता से खडे.हो गए थे। उत्तर प्रदेश और बिहार में जातियता के बूते क्रियाशील इन यादवों की तिकड़ी का दावा रहता है कि इस अलोकतांत्रिक विधेयक के पास होने के बाद पिछड़ी व मुस्लिम महिलाओं के लिए जम्हूरियत के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो जाएंगे। जबकि इनकी वास्तविक चिंता यह नहीं है? दरअसल 33 फीसदी आरक्षण के बाद बाहुबलि बने पिछड़े वर्ग के आलाकमानों का लोकसभा व विधानसभा क्षेत्रों में राजनीतिक आधार तो सिमटेगा ही, सदनों में संख्याबल की दृष्टि से भी इन दलों की ताकत घट जाएगी। अन्यथा ये सियासी दल वाकई उदार और पिछड़ी व मुस्लिम महिलाओं के ईमानदारी से हिमायती हैं, तो सभी आरक्षित सीटों पर इन्हीं वर्गों से जुड़ी महिलाओं को उम्मीदव

संक्षिप्त खबरें

अलग-अलग सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत

हसनपुर।तहसील क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो महिलाओं की मौत हो गई। महिलाओं की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कोतवाली क्षेत्र के गांव वसीकला निवासी हुकुम सिंह की पचास वर्षीय पत्नी सुमन देवी 27 अगस्त को गजरौला में मनौटा के पास कैंटर की टक्कर से घायल हो गई थी। घायल का देहरादून में उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। महिला ने अपने पीछे चार बेटे व एक बेटी छोड़ी है। उधर, आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव दढ़ियाल निवासी पैंसठ वर्षीय ब्रहम्मो देवी पत्नी खचेड़ू अपनी बेटी की ससुराल में जा रही है। बेटी की ससुराल रहरा थाना क्षेत्र के गांव दौरारा में है। बताते है कि किसी वाहन से वह दौरारा पहुंच गई। लेकिन वहां पर पैदल सड़क से गुजरते समय एक बाइक ने उनको टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई।मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। महिला ने दो बेटे व एक बेटी छोड़ी है। मामलें में रहरा थाना प्रभारी प्रेमपाल सिंह का कहना है कि शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मामले में अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

आज बिल्सी तहसील के ग्राम-कनगंवा गुगौआ में ग्राम-अदालत स्थगित

बदायूँ : 21 सितम्बर। बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी रामकिशोर ने जानकारी देते हुए अवगत कराया है कि कार्यालय ज्ञाप संख्या-2044 / पी0के0-23 दिनांक 05 सितम्बर, 2023 द्वारा चकबन्दी प्रकियाधीन ग्रामों में माह सितम्बर - 2023 में ग्राम अदालतों के आयोजन हेतु निर्गत कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 22-09-2023 को ग्राम कनगंवा गुगौआ तहसील- बिल्सी में ग्राम अदालत आयोजित करने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया था। उन्होंने बताया कि दिनांक 22.09.2023 तक जिला बार एसोशिएशन बदायूँ का कार्य से विरत रहने का प्रस्ताव होने के कारण ग्राम-कनगंवा गुगौआ, तहसील-बिल्सी में दिनांक 22.09.2023 को ग्राम-अदालत का निर्धारित कार्यक्रम स्थगित किया जाता हैं। अग्रिम सूचना बाद में निर्गत की जाएगी।

युवती के अश्लील फोटो वायरल किए

निवाड़ी थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवती के अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है। बदनामी के डर से युवती अपने घर से बाहर नहीं निकल रही है। पुलिस ने आईटी एक्ट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। एक गांव निवासी एक महिला परिवार सहित रहती है। महिला ने निवाड़ी थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसकी बेटी के अश्लील फोटो और मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए है। उनका आरोप है कि वायरल होने के बाद युवती डिप्रेशन में आ गई और वह घर से बाहर नहीं निकल पा रही है। एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जिले के माध्यमिक शिक्षक 26 को हड़ताल पर रहेंगे

पुरानी पेंशन समेत अन्य मांगों को लेकर जिले के माध्यमिक स्कूलों के शिक्षक 26 सितंबर को चॉक डाउन हड़ताल पर रहेंगे। शिक्षक संघ के मीडिया प्रभारी राजीव त्यागी ने बताया कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय आह्वान पर जिले के शिक्षक अपनी मांगों के समर्थन में हड़ताल करने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षक पुरानी पेंशन बहाली, शिक्षा के निजीकरण पर रोक, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई के लिए सिटीजन चार्टर लागू करने और पदोन्नति समेत अन्य मांगों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं जो शिक्षक और छात्रहित में हैं, मगर सरकार इस संबंध में कोई कदम नहीं उठा रही है। इसीलिए हड़ताल करने का फैसला किया।

जिले के छात्र महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के गवाह बने

जिले के सेंट जेवियर वर्ल्ड स्कूल के छात्रों को बुधवार को भारत के नए संसद भवन में ऐतिहासिक महिला आरक्षण बिल पर चर्चा और कार्रवाई देखने का अवसर मिला। छात्रों के साथ स्कूल की प्रधानाचार्या और शिक्षकों ने नए संसद भवन में स्थित लोकसभा, राज्यसभा और सेंट्रल हॉल देखा और सांसदों के कार्य संबंधित बैठक योजना के बारे में सीखा। इसके बाद उन्होंने सक्रिय रूप से उनके लिए आयोजित सत्र का अवलोकन किया।

अस्पताल लाइसेंस निलंबन को रद्द करने की मांग, उपमुख्यमंत्री ने कहा- जांच के बाद हुई कार्रवाई

लखनऊ, एजेंसी

कांग्रेस द्वारा अमेठी के संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस के निलंबन को रद्द करने की मांग किये जाने के एक दिन बाद उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बृहस्पतिवार को इस कार्रवाई को उचित ठहराया और कहा कि यह कदम स्थानीय स्तर पर जांच के बाद ही उठाया गया है। पाठक ने यहां संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यअमेठी के संजय गांधी अस्पताल में हुई घटना बहुत दुखद है। वहां एक युवा महिला की जान चली गई। स्थानीय स्तर पर जांच के बाद ही अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई की गई है। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग का भी जिम्मा संभाल रहे पाठक ने कहा कि उन सभी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, जो अवैध रूप से काम कर रहे हैं या मरीजों के इलाज में लापरवाही बरत रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यजो भी अस्पताल अवैध रूप से संचालित हो रहा है और लापरवाही के कारण मरीजों को असामयिक मौत के मुंह में धकेल रहा है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसे अस्पतालों को बख्शा नहीं जाएगा। सोमवार को अमेठी के संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस निलंबित किए जाने के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस कार्रवाई को जनहित में रद्द करने का अनुरोध किया था। उन्होंने दावा किया था कि संजय गांधी अस्पताल अमेठी की जीवन रेखा है और वहां लोगों का बहुत कम शुल्क पर इलाज किया जाता है लिहाजा उसका निलंबन रद्द नहीं करने से क्षेत्र के नागरिकों को बहुत असुविधा हो रही है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, नई दिल्ली द्वारा अमेठी में संचालित संजय गांधी अस्पताल की अध्यक्ष हैं, जबकि पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी इसके सदस्य हैं। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने हाल में 22 वर्षीय महिला की उपचार के दौरान कथित तौर पर लापरवाही के कारण हुई मौत के मामले में सोमवार को अमेठी के मुंशीगंज इलाके में स्थित संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया था और ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) और आपातकालीन सेवाएं बंद कर दी थीं।

राय ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा था कि अस्पताल पिछले कुछ दशकों से आसपास के क्षेत्रों के लोगों को न्यूनतम शुल्क पर और बिना किसी वित्तीय लाभ के स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा था, ह्यह्यअस्पताल अमेठी की जीवन रेखा है। लाइसेंस के निलंबन से ओपीडी, सर्जरी और अन्य विभागों की सेवाओं के लिए आने वाले लाखों लोगों को असुविधा हो रही है। इससे पहले, इलाज में लापरवाही से महिला की मौत के मामले में 17 सितंबर को मुंशीगंज थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 304 ए (लापरवाही से मौत) के तहत अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अवधेश शर्मा, जनरल सर्जन डॉक्टर मोहम्मद रजा, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉक्टर सिद्दीकी और डॉक्टर शुभम द्विवेदी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मामले के मुताबिक दिव्या नाम की महिला को पेट में दर्द की शिकायत के बाद 14 सितंबर की सुबह उसके परिवार के लोग संजय गांधी अस्पताल ले गए थे। उसके परिवार के लोगों का कहना है कि उसकी जांच करने के बाद डॉक्टर ने उसके पित्ताशय में पथरी निकालने के लिए ऑपरेशन का सुझाव दिया था। उसी दिन, वह ऑपरेशन से पहले कोमा में चली गई और लखनऊ रेफर किए जाने से पहले उसे 30 घंटे से अधिक समय तक अस्पताल में रखा गया। दिव्या के पति अनुज शुक्ला ने बताया कि उसकी पत्नी की 16 सितंबर की सुबह करीब चार बजे लखनऊ में मौत हो गई। शुक्ला ने आरोप लगाया कि अस्पताल में उसकी पत्नी को दिल का दौरा पड़ा था। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर राम प्रसाद के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मरीज दिव्या के इलाज में लापरवाही बरती गई और अगर विशेषज्ञ डॉक्टर अस्पताल पहुंचते तो उसे बचाया जा सकता था। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में कहा, संजय गांधी अस्पताल में डॉक्टर की लापरवाही से एक महिला मरीज की मौत के मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए मेरे आदेश के अनुपालन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने तत्काल तीन सदस्यीय टीम के माध्यम से मामले की प्रारंभिक जांच कराई। जांच में पाई गई कमियों के आधार पर क्लिनिकल अधिनियम के तहत स्पष्टीकरण मांगने के लिए अस्पताल प्रशासन को नोटिस जारी करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने अस्पताल को लापरवाही में शामिल पाए जाने पर लाइसेंस रद्द करने और उसके परिसर को सील करने की चेतावनी दी थी। बाद में सोमवार को अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर आपातकालीन और ओपीडी सेवा पर रोक लगा दी गई थी।

आकांक्षी विकास खंड आसफपुर में चिंतन शिविर का आयोजन किया गया

प्रात: किरण, संवाददाता

आसफपुर - नीति आयोग भारत सरकार द्वारा चयनित आकांक्षी ब्लॉक आसफपुर में ब्लॉक डेवलपमेंट स्ट्रीट जी के हेतु चिंतन शिविर लगाया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य मंत्री शोधार्थी रजनीश कुमार , खंड विकास अधिकारी नितिन कुमार , पूर्व खंड विकास अधिकारी प्रवीन कुमार , मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार की मौजूदगी में ए डी ओ , प्रधान लिपिक सहित समस्त सचिव , बाल विकास परियोजना अधिकारी विजय लक्ष्मी मिश्रा सहित समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री , सेहत महकमे के सामुदायिक चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर पंकज शर्मा सहित समस्त स्वास्थ्य कर्मी , खंड शिक्षा अधिकारी ओमेंद्र दत्त त्रिपाठी व ए आर पी मनोज कुमार सिंह तोमर , स्थानीय त्रिवेणी सहाय इंटर कालेज के प्रधानाचार्य करतार सिंह व हिंदी प्रवक्ता अनिल कुमार दीक्षित , राजकीय औधोगिक प्रशिक्षण केंद्र रतन पुर कोठी के छोटे लाल सिंह कुशवाह के अलावा संबंधित आशा बहुएं ने इस चिंतन शिविर में हिस्सा लिया । इस दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारी विजय लक्ष्मी मिश्रा ने राष्ट्रीय पोषण माह के चलते गर्भवती महिलाओं की गोद भरवाकर उन्हें फलों से भरी टोकरी भेंट की और नन्हें मुन्ने नौनिहालों को खीर खिलाई यह कार्यक्रम गुरुवार को विकास खंड आसफपुर में आयोजित किया गया । इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी केशव प्रसाद व बिसौली उपजिला अधिकारी कल्पना जायसवाल ने आसफपुर क्षेत्र के विकास की धीमी गति को देखते हुए चिंता व्यक्त की साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने कार्य में तेजी लाने की सख्त हिदायत दी है ।

मरीजों से जिला अस्पताल के वार्ड फुल, एक बेड पर दो-दो मरीजों का चल रहा इलाज

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा। जिले में बुखार से लोगों का बुरा हाल है। हालात यह है कि जिला अस्पताल के सभी बेड फुल हैं। वार्ड के एक बेड पर दो-दो मरीजों का इलाज चल रहा है। मौसम में हो रहे फेरबदल से बुखार का प्रकोप कम होने के बजाय और बढ़ रहा है। बुधवार को जिला अस्पताल में 1930 मरीजों की ओपीडी हुई।इसमें से 187 मरीज बुखार के थे। उन्हें दवाई देकर घर भेज दिया गया। जिला अस्पताल के जनरल वार्ड में 40 से अधिक मरीज भर्ती हुए। वहां के हालात चौंकाने वाले नजर आए। एक-एक बेड पर दो-दो मरीज लेटे हुए हैं और उनका इलाज चल रहा है। गांवों में बुखार का प्रकोप सबसे अधिक है। कई गांवों में बुखार से लोग तप रहे हैं।अब तक जिले में 45 से अधिक लोगों की बुखार से मौत हो चुकी है। सीएमएस डॉ. प्रेमा पंत त्रिपाठी ने बताया कि अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों को बेहतर इलाज किया जा रहा है। मरीज अधिक होने के चलते थोड़ी असुविधा हो रही है। बताया कि मौसम के असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। इसलिए खुद को सुरक्षित रखने की जरूरत है।हर दिन डेंगू भी खूब पैर पसार रहा है। बुधवार को जिला अस्पताल में 32 डेंगू आशंकित मरीज पहुंचे। उनकी रेपिड जांच की गई। जिसमें छह लोग डेंगू संक्रमित मिले। इसी के साथ बुधवार तक डेंगू मरीजों की संख्या जिले में 57 पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों में भले ही डेंगू की पुष्टि न हो रही हो, लेकिन निजी लैब में बड़ी संख्या में लोग पॉजिटिव निकल रहे हैं। 125 मरीजों की टाइफाइड की जांच हुई। जिसमें 25 पॉजिटिव मिले।अस्पताल में कई-कई दिन तक बुखार से पीड़ित को कमजोरी, हाथ-पैरों में सूजन, थकान, दर्द व खुजली की बीमारी परेशान कर रही है। बुखार तो उनका ठीक हो जाता है, लेकिन बाद में शारीरिक परेशानी लगातार बनी रहती है।

बरसाना में राधा अष्टमी समारोह की तैयारियां जोरों पर

मथुरा, एजेंसी

तीर्थयात्रियों की बड़े पैमाने पर आमद की उम्मीद के मद्देनजर राधा रानी की भूमि बरसाना में आगामी 23 सितंबर को शुरू हो रहे राधा अष्टमी समारोह के अवसर पर आराध्य के समुचित दर्शन और अन्य अनुष्ठानों में सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्था की जा रही है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया, राधा अष्टमी पर भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए बरसाना के पूरे मेला क्षेत्र को सात क्षेत्रों और 16 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। उन्होंने कहा कि राधा अष्टमी के दिन लाखों तीर्थयात्री बरसाना आते हैं, इसलिए शहर के हर प्रवेश बिंदु पर स्थापित पार्किंग स्थलों से आगे किसी भी वाहन को जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बरसाना की ओर जाने वाले विभिन्न मार्गों पर 125 बसें चलायी जाएंगी। दानघाटी मंदिर गोवर्धन के पुजारी पवन कौशिक ने बताया कि राधा अष्टमी राधा रानी के जन्म के उपलक्ष्य में मनाई जाती है और दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश से भक्त इसे मनाने के लिए यहां के मंदिरों में आते हैं। मुख्य लाडली मंदिर के पुजारी और वर्तमान में मंदिर के रिसीवर रास बिहारी गोस्वामी ने कहा, चूंकि राधा रानी का जन्म मूल नक्षत्र (एक अशुभ क्षण) के दौरान हुआ था इसलिए मूल शांति समारोह (अशुभ सितारों के बुरे प्रभाव को निष्क्रिय करना) मंदिर के गर्भगृह में एक घंटे के लिए किया जाएगा। यह 23 सितंबर को सुबह चार बजे से शुरू होगा। पुजारी ने बताया कि विभिन्न सामग्री के साथ भगवान का अभिषेक समारोह सुबह लगभग छह बजे मंदिर के जगमोहन (गर्भगृह के सामने का स्थान) में आयोजित किया जाएगा, ताकि भक्त इस समारोह को देख सकें। जिलाधिकारी ने राधा अष्टमी के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, प्रकाश, पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स से सुसज्जित 39 पार्किंग स्थापित की जा रही हैं। लाडली मंदिर में प्रवेश के लिए वन-वे व्यवस्था, मार्ग में 10 स्थानों पर भक्तों के आवागमन को नियंत्रित करने की व्यवस्था, तीन निकास द्वार, 10 एम्बुलेंस के साथ 13 चिकित्सा शिविर और प्रांतीय सशस्त्र सीमा बल (पीएसी) की कंपनियां पूरे मेले में तैनात की जाएंगी। पुजारी रास बिहारी गोस्वामी ने कहा कि बरसाना और नंदगांव मंदिर के पुजारियों द्वारा संयुक्त रूप से बधाई समारोह (राधा के माता-पिता को उनके जन्म की बधाई) भी किया जाएगा और दोपहर एक बजे मंदिर के कपाट बंद कर दिये जाएंगे। उन्होंने कहा कि दोपहर के सत्र में मंदिर के पुजारियों द्वारा भगवान को रथ में बैठाकर शहनाई और ढोल आदि की मधुर ध्वनि के बीच खुले में मंदिर की सफेद छतरी तक ले जाया जाएगा, ताकि भक्त भगवान के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित कर सकें। पुजारी ने कहा कि तीर्थयात्रियों को देवता के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करने का अवसर देने के लिए उन्हें फिर से मंदिर के जगमोहन में वापस लाया जाएगा। बाद में रात नौ बजे महाआरती के साथ मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अगले छह दिनों तक प्रसिद्ध मोरकुटी सहित आधा दर्जन स्थानों पर रास लीला का मंचन और प्रदर्शन किया जाएगा। रावल में लाडली मंदिर के पुजारी राहुल कल्ला ने कहा, चूंकि राधा रानी का जन्म रावल में उनके मामा के घर में हुआ था, इसलिए रावल के लाडली मंदिर में भी विशेष अभिषेक किया जाएगा। पुजारी ने कहा कि सुबह के सत्र के दौरान गोकुलनाथ मंदिर गोकुल के प्रसिद्ध संत गुरुशरणानंद महराज और पंकज महराज भी रावल मंदिर में भगवान की पूजा करते हैं। राधा अष्टमी के अवसर पर मंदिर के सामने मेले का आयोजन किया जाता है।

कार सवार बदमाशों ने बुजुर्ग महिला से लाखों के जेवरात हड़पे

ट्रांस हिंडन, एजेंसी

इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में कार सवार बदमाशों ने बुजुर्ग महिला से कार में बैठाने के बाद लाखों रुपए के जेवरात और नगदी ठग लिए। पीड़िता सेक्टर 62 के स्टैंड पर मसूरी जाने के लिए सवारी के इंतजार में खड़ी थी। आरोपियों ने आगे पुलिस चेकिंग का बहाना बनाकर जेवरात और नगदी एक लिफाफे में रखवाली और कुछ दूर चलने के बाद कूरियर का सामान भरकर चलने की बात कहकर सड़क किनारे उतार कर फरार हो गए। पीड़िता ने परिजनों और पुलिस को घटना की सूचना दी। मामले की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। मूलरूप से बुलंदशहर जनपद के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित नगला नलू खनोदा आहार रोड निवासी पिंटू सिंह पवार ने बताया कि 65 वर्षीय उनकी मां लता देवी दिल्ली में रहने वाले मां के यहां गई थी। इस दौरान 19 सितंबर की दोपहर वह दिल्ली से धौलाना में रहने वाली बेटी के यहां जा रही थी। उनकी मां इंदिरापुरम क्षेत्र में सेक्टर 62 के स्टैंड पर पहुंची और मसूरी जाने वाले वाहन का इंतजार करने लगी। इसी दौरान कार सवार लोगों ने उन्हें मसूरी चलने की बात कहकर अपने साथ कार में बैठा लिया। कुछ ही दूर चलने पर कार सवार एक व्यक्ति ने बुजुर्ग महिला को पीले रंग का लिफाफा दिया और कहा कि वह अपने जेवरात और पैसे इसमें रख लो आगे चेकिंग हो रही है उससे बच जाएगी। गांव देहात की सीधी शादी बुजुर्ग महिला ने आरोपी की बातों में आकर हाथों में पहनी हुई तीन अंगूठी और गले में पहनी सोने की चेन के अलावा 6000 रुपये लिफाफे में रखकर कार सवारो को थमा दिए। थोड़ा आगे चलकर आरोपियों ने उन्हें पीले रंग का दूसरा लिफाफा देते हुए कहा कि आप कुछ देर यही उतरकर खड़े हो जाइए हमें कोरियर का सामान लाना है सामान भरने के बाद वापस आपको बैठाकर ले चलेंगे। इसके बाद कर सवार वापस नहीं लौटे और फिर जब बुजुर्ग महिला ने लिफाफा खोलकर देखा तो उसमें कुछ कागज के टुकड़े भरे हुए थे। पीड़ित बुजुर्ग महिला समझ गई कि उनके साथ धोखा हो गया। पिंटू सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी उनकी माताजी ने उन्हें और पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद वह मौके पर पहुंचे और इंदिरापुरम पुलिस को घटना की रिपोर्ट दर्ज करने के लिए तहरीर दी। पीड़ित ने बताया कि पुलिस ने उनके साथ चलकर माताजी को बैठने और उतरने वाले स्थान के आसपास सीसीटीवी कैमरा की तलाश की लेकिन वहाँ कोई कैमरा नजर नहीं आया। इतना ही नहीं उनकी माता जी को यह भी पता नहीं है कि उन्हें किस कार में बैठाया गया था। इंदिरापुरम पुलिस का कहना है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और कार सवार बदमाशों की तलाश कराई जा रही है।

अधिक कमाई का लालच देकर युवती से 1.44 लाख ऐंठे

ट्रांस हिंडन, एजेंसी

इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित शक्ति खंड में रहने वाली एक युवती को साइबर अपराधियों ने ऑनलाइन नौकरी देकर पैसे कमाने का लालच देते हुए 1.44 लाख रुपये ठग लिए। फोन पर बातचीत के दौरान एक युवक ने खुद को कंपनी का एच आर बताया और फिर टेलीग्राम ग्रुप से जोड़कर लाइक व सब्सक्राइब करने का दिया गया। इस दौरान पैसे निवेश करने पर बहुत ज्यादा फायदा की बात करते हुए झांसे में लेकर उपरोक्त रकम बताए गए अकाउंट में ट्रांसफर करा ली। पीड़िता थाने इंदिरापुरम थाने में साइबर फ्रॉड की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शक्ति खंड 4 इंदिरापुरम निवासी पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए पुलिस को घटना की जानकारी दी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 28 अप्रैल को उसके पास अंजलि नाम की लड़की का संदेश आया जिसमें जॉब के लिए कहा गया। मैसेज में दिए गए फोन नंबर पर संपर्क करने पर आरोपी ने खुद को परफार्मिक्स नाम की कंपनी का एच आर बताते हुए काम की जानकारी दी। इसके बाद उसे टेलीग्राम एप से जोड़ दिया गया और तीन लिंक भेज कर लाइक और सब्सक्राइब करने को कहा। इसके बाद विजय नाम की युक्ति ने दो बार अकाउंट में 150 भी भेजें। आप है कि इसके बाद उपरोक्त लोगों ने 2000 जमा करने के लिए बोला और कहा कि वह कमीशन भी देगी और सारा पैसा भी वापस कर दिया जाएगा। पीड़िता ने कहा कि वह आरोपियों की बातों में आ गई और जैसा वह कहते रहे वैसा ही वह करती रही। इसी प्रकार आरोपियों ने उसे 1.44 लख रुपए बताए गए विभिन्न खातों में ट्रांसफर करा लिए। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जल्द ही उसकी शादी होने वाली है और पापा का भी रिटायरमेंट होने वाला है ऐसे समय में उसके साथ इतनी मोटी रकम का फ्रॉड हो गया। जिससे परिवार के सामने आर्थिक परेशानी भी खड़ी हो गई है। इंदिरापुरम पुलिस का कहना है कि मामले की शिकायत के बाद रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और साइबर सेल की मदद से आरोपियों की तलाश कराई जा रही है।

किसानों के नलकूप की बिजली फ्री देने का वादा पूरा करे सरकार: भाकिसं

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। कलेक्ट्रेट में भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने किसानों की तमाम समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। साथ ही किसानों ने सरकार पर चुनावी वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया।किसानों ने कहा कि सरकार ने चुनाव के दौरान किसानों से नलकूप की बिजली फ्री देने का वादा किया था लेकिन अभी तक उसे पर कोई अमल नहीं हुआ। इसके साथ ही उन्होंने तमाम समस्याओं से भरा ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम डीएम को सौंपा।भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार चुनावी वादों को भूल गई है। चुनाव के दौरान प्रदेश सरकार ने किसानों से वादा किया था कि किसानों के नलकूपों की बिजली फ्री होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ ? इसके साथ ही किसानों का कहना है कि आगामी पौराई सत्र हेतु चीनी मिलों को अक्टूबर माह में चालू कर आगामी सत्र हेतु 450 रुपए प्रति कुंतल घोषित करके प्रारंभ से ही पर्चियां में अंकित कराया जाए।आवारा गौवंश पशुओं को पकड़वाकर गौशाला भिजवाया जाए। हसनपुर के गांव मिजार्पुर डूंगर में नहर के ऊपर पुलिया का निर्माण कराया जाए। साथ ही जनपद में जर्जर हो चुकी विद्युत लाइनों को बदला जाए। इस मौके पर किसान तारा सिंह, चंद्र प्रकाश शर्मा, डॉक्टर उषा, एडवोकेट आलोक चौहान, मदनपाल, मनवीर सिंह, शालू सिंह, विकास चौधरी, नरेंद्र सिंह समेत आदि किसान और संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जन-जन को देश की मिट्टी से जोड़ रहा "मेरी माटी मेरा देश" अभियान

प्रात: किरण संवाददाता

बदायूँ : । आजादी अमृत महोत्सव के तहत मेरी माटी मेरा देश कलश यात्रा बड़ी धूम धाम से निकाली गई। यह कार्यक्रम आगामी 30 सितम्बर तक चलेगा। 01 से 13 अक्टूबर तक ब्लॉक स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जनपद स्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन 20 अक्टूबर को ऑडिटोरियम में किया जाएगा। आजादी का अमृत महोत्सव भारत की आजादी के 75 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक पुनीत माटी-वन्दनोत्सव है, जिसमें हम सभी के लिए अपनी विराट सांस्कृतिक विरासत से रूप से रुबरू होने, उसकी भव्यता पर गर्व करने और ऐसे गर्वजनित रस में डूबकर उत्सवमय आनन्द लेने का स्वर्णिम अवसर है। मेरी माटी मेरा देश-अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक ग्राम की महिला मंगलदल, युवक मंगल दल/ऑगनबाड़ी कार्यकत्री ग्राम पंचायत के सदस्य आदि अन्य उत्साही स्वयंसेवी ग्रामीणजन के साथ जुलूस निकालकर गांव के प्रत्येक घर से मुट्ठीभर मिट्टी अथवा चुटकी भर अक्षत (चावल) प्राप्त करेंगे। 01 से 13 अक्टूबर तक ब्लॉक स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ब्लॉक स्तर से अमृत कलश को जिला मुख्यालय पर सम्मान के साथ डायट स्थित ऑडिटोरियम में लाया जाएगा। जनपद स्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन 20 अक्टूबर को ऑडिटोरियम में किया जाएगा। 26 अक्टूबर को अमृत कलशो को ससम्मान लखनऊ पहुंचाया जाएगा। 27 अक्टूबर लखनऊ में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, 30 अक्टूबर को इन अमृत कलशो को लखनऊ से दिल्ली भेजा जाएगा। कार्यक्रम में अनुज कुमार मंडल अध्यक्ष प्रधान ग्राम पंचायत सचिव गणमान्य लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को बताए गांधी जी के विचार

प्रात: किरण संवाददाता

बिसौली- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना अंतर्गत 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2023 तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत सिद्व बाबा इंटर कालेज शरह बरौलिया बदायूँ में कालेज के प्रधानाचार्य डॉ नरेश चन्द ने छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के प्रति महात्मा गांधी जी के दस विचारों को अवगत कराया व उन्हें जीवन में आत्मसात करने को कहा महात्मा गांधी ने कहा था कि राजनीतिक स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है। यदि कोई व्यक्ति स्वच्छ नहीं है तो वह स्वस्थ नहीं रह सकता है।बेहतर साफ-सफाई से ही भारत के गांवों को आदर्श बनाया जा सकता है शौचालय को अपने ड्रॉइंग रूम की तरह साफ रखना जरूरी है नदियों को साफ रखकर हम अपनी सभ्यता को जिंदा रख सकते हैं अपने अंदर की स्वच्छता पहली चीज है जिसे पढ़ाया जाना चाहिए। बाकी बातें इसके बाद होनी चाहिए।हर किसी एक को अपना कूड़ा खुद साफ करना चाहिए। मैं किसी को गंदे पैर के साथ अपने मन से नहीं गुजरने दूंगा।अपनी गलती को स्वीकारना झाड़ू लगाने के समान है जो सतह को चमकदार और साफ कर देता है।स्वच्छता को अपने आचरण में इस तरह अपना लो कि वह आपकी आदत बन जाए। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार शर्मा,शहदत बख्श,रिहान सैफी, वृत्तिका शर्मा,पारुल शर्मा,शिवांगी कटिया आदि थे।

किशोरी को नालंदा ले जाकर बलात्कार करने का आरोपी युवक गिरफ्तार

बलिया, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के मनियर क्षेत्र में एक किशोरी को कथित रूप से अगवा करके बिहार के नालंदा ले जाकर तकरीबन दो माह तक उसका कथित रूप से यौन शोषण करने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने दर्ज प्राथमिकी के हवाले से बताया कि मनियर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी को इसी साल 22 जुलाई को बिहार के नालंदा जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र का निवासी राकेश पटेल अपने साथ ले गया था। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में किशोरी की मां की तहरीर पर राकेश के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 363 (अपहरण) के तहत गत 27 जुलाई को नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। बांसडीह के पुलिस उपाधीक्षक शिव नारायण वैस ने बताया कि पुलिस ने गत 19 सितंबर को किशोरी को मनियर बस स्टैंड के पास से मुक्त करा लिया। किशोरी ने पुलिस को बयान दिया है कि राकेश उसे अगवा कर नालंदा ले गया तथा उसके साथ तकरीबन दो माह तक बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि किशोरी के बयान के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में बलात्कार के आरोप के साथ ही पॉक्सो अधिनियम की सुसंगत धारा भी बढ़ा दी है। पुलिस ने राकेश को आज ही गिरफ्तार भी कर लिया है। वैस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सदर मुंगेर। नेहरू युवा के मुंगेर के अंतर्गत प्रखण्ड - मुंगेर सदर मे राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सुमित कुमार के नेतृत्व में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम 30 सितम्बर 2023 तक किया जाना है मुख्य अतिथि के रूप में नेहरू युवा केंद्र मुंगेर के जिला युवा अधिकारी चितरंजन मंडल उपस्थित थे। राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सुमित कुमार ने कहा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में भारत के अलग-अलग राज्यों से अलग-अलग ग्रामों से 7500 कलशों में मिट्टी एवं चावल लाई जाएगी इस मिट्टी एवं चावल का उपयोग दिल्ली के कर्तव्य पथ पर बनी वाटिका को विकसित करने के लिए किया जाएगा इसके अलावा दिल्ली में एक अमृत वाटिका स्थापित की जाएगी इस पर देश के शहीदों का अंकित किया जाएगा मौके पर मां दुर्गा युवा क्लब के सचिव प्रमोद कुमार, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक अमित कुमार, अमर कुमार, रौशन, अमरदीप, अजय शंकर एवं ग्रामीण लोग उपस्थित हुए।

गैस सिलिंडर से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा, कोई हताहत नहीं

पूर्णिया/ केनगर। गुरुवार की सुबह केनगर थाना क्षेत्र के गोकुलपुर पंचायत के पूर्णिया सहरसा एन एच 107 स्थित गोकुलपुर बड़ी नहर के समीप गैस सिलेंडर भरा एक ट्रक डायर्वसन धसने से अनियंत्रित होकर पलट गई। ट्रक पलटने से किसी को जान माल की क्षति नहीं पहुंची है। घटना की सूचना मिलते ही केनगर थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुँच कर स्थिति का जायजा लिया साथ ही गैस सिलेंडर लूटने से बचा लिया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जेएच शून्य नाइन क्यू रजिस्ट्रेशन न0 की एक गैस लोडेड ट्रक पूर्णिया से बनमनखी की ओर जा रहा था। जहाँ रास्ते में गोकुलपुर बड़ी नहर के समीप जर्जर डायर्वसन पर ट्रक चढते ही डायर्वसन धसने की वजह से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा पलटी। केनगर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार मिश्रा ने बताया की जर्जर डायर्वसन धसने की वजह से ट्रक पलटी है, किसी प्रकार का जान माल का नुकसान नहीं पहुंचा है।

जदयू के नगर पंचायत अध्यक्ष बनने पर पवन को कार्यकर्ता ने दी बधाई

पूर्णिया/ भवानीपुर । पूर्णिया जदयू जिला अध्यक्ष राकेश कुमार के नेतृत्व में भवानीपुर नगर पंचायत क्षेत्र के निवासी तेलीहारी पवन कुमार साह को नगर पंचायत भवानीपुर के नगर अध्यक्ष बनाए जाने पर स्थानीय जदयू नेताओं व कार्यकताओं में खुशी की लहर है। राकेश कुमार ने बधाई देते हुए कहा कि पवन कुमार साह पार्टी के पुराने एवं कर्मठ व क्रांतिकारी युवा नेता हैं। इनकी कार्यशैली से जनताओं एवं समाज में अच्छी पकड़ बनी है। मुझेविश्वास है कि यह अपनी कार्यक्षमता से पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। वहीं पवन कुमार साह ने पार्टी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं अपने पद की गरिमा को कायम रखने का काम करेंगे एवं साह ने बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भी आभार प्रकट किये। वहीं भवानीपुर जदयू के प्रखंड अध्यक्ष मुकेश कुमार दिनकर ने नव मनोनीत नगर पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार साह को बधाई दी। उन्होंने ये भी कहा कि इनके नेतृत्व में नगर पंचायत के जनताओं में एक नई ऊर्जा आएगी। बधाई देने वाले में जदयू नेता रूपेश कुमार मंडल, जदयू नेता मो आजाद, प्रखंड उपाध्यक्ष राजकिशोर मेहता, डॉ सदानंद, दिनेश मंडल, ललन कुमार, सिकन्दर आलम, शंकर शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, संतोष कुशवाहा, विधायक बीमा भारती एवं अन्य जदयू के कार्यकताओं ने बधाई व साधुवाद दिये।

नाला निर्माण हेतु डीपीआर को मंजूरी मिलने पर जदयू ने जताया हर्ष

पूर्णिया। बिहार सरकार की कैबिनेट ने पूर्णिया नगर निगम परिक्षेत्र को जल जमाव से मुक्त करवाने के लिए वर्षो से बुडको द्वारा तैयार करवाई गई ह्न स्टॉर्म वॉटर ड्रेन सिस्टम ह्न के तहत नाला निर्माण के डीपीआर के प्रथम फेज में 87 करोड़ 40 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। जिससे नगर निगम के जल जमाव वाले क्षेत्रों से जल निकासी का प्रबंध किए जाने की दिशा में कार्य शुरू होगा, जो की पूर्णिया नगर निगम वासियों के लिए हर्ष का विषय है। इसकी मांग पूर्णिया नगर निगम की जनता की परेशानी को देखते हुए, पूर्णिया सांसद संतोष कुशवाहा मुख्यमंत्री के समक्ष वर्षो से करते आ रहे हैं। जिन्होंने हाल की मुलाकात में भी आश्वस्त किया था कि अगली कैबिनेट की बैठक में अन्य शहरों के साथ प्रथम पेज के लिए राशि की स्वीकृति दी जाएगी। इस योजना को मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना ह्न सात निश्चय 2 ह्न के तहत स्वीकृति दी गई है। जिसके लिए जिला जदयू पूर्णिया के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार ने जिला संगठन की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सह नगर विकास मंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त मंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री विजय चौधरी, पूर्णिया के लोकप्रिय सांसद संतोष कुशवाहा, विधायक बीमा भारती एवं दल से जुड़े अन्य नेता का इस भूतलक्षी योजना के लिए राशि स्वीकृत करवाने में योगदान देने के लिए आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है।

भाजपा ने लोकसभा चुनाव को मिशन 2024 चुनौती के रूप में लिया है : प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह

इस महीने के अंत तक बूथ स्तर तक हर हाल में कमेटी का गठन कर मंडल स्तर पर बैठक करना है

प्रात : किरण संवाददाता , मुंगेर

मुंगेर। भारतीय जनता पार्टी मुंगेर जिला के जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्षों, महामंत्री, सातों मोर्चा के पदाधिकारियों एवं जिला कोर कमिटी की आवश्यक बैठक मुंगेर परिसदन परिसर में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ अरूण कुमार पोद्दार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा बिहार प्रदेश के नव मनोनीत प्रदेश उपाध्यक्ष सह मन की बात कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी राजेन्द्र सिंह, एवं विशिष्ट अतिथि प्रदेश मंत्री राजेश झा उर्फ राजू झा, एवं मुंगेर विधानसभा के विधायक प्रणव कुमार यादव, जिला प्रभारी अमरेन्द्र कुमार अमर मौजूद थे। इस बैठक का संचालन जिला महामंत्री शंभु राय ने किया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को पार्टी ने मिशन 2024 को चुनौती के रूप में लिया है, इसलिए हम लोगों को इस महिने के अंत तक बूथ स्तर तक हर हाल में कमिटी का गठन कर मंडल स्तर पर बैठक करना है,साथ ही साथ उन्होंने कहा कि पूरे राष्ट्र में केवल हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही हैं जो प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को देश की आम जनता से सीधा संवाद "मन की बात "कार्यक्रम के माध्यम से करते हैं जो गैर राजनीतिक बातें होती हैं एवं समाज के अंतिम पायदान पर लोगों से संवाद करते हैं।उसी कड़ी में आगामी 24 सितम्बर को मन की बात कार्यक्रम होना तय है, कार्यकर्ता ये सुनिश्चित करें कि अपने अपने बूथों पर कार्यक्रम आयोजित कर आमजनों को कार्यक्रम से जुड़ने का आग्रह करें। बैठक में मुख्य रूप से निवर्तमान जिला अध्यक्ष राजेश जैन , पूर्व जिला अध्यक्ष सह बांका लोकसभा प्रभारी लाल मोहन गुप्ता, खगड़िया लोकसभा प्रभारी कुमार प्रणय, जिला उपाध्यक्ष सह मुंगेर विधानसभा प्रभारी नीशुतोष कुमार नीशु, जिला उपाध्यक्ष कर्नल अरूण सिंह, मशरूम लेडी वीणा देवी, महामंत्री अरूण सिंह, मंत्री दीपक यादव, कुमारी जया, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार भुट्टो, मनीष गोस्वामी, शंकर सिंह,मनोज कुमार फंटूश, हिमांशु कुमार,शंकर यादव, राजीव टूडू, प्रणव कुमार बिट्टू, शंभुशरण चौधरी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुमेधा आर्या, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीएसपी ने किया थाना का निरीक्षण दिए कई निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर(मुंगेर)। अनुमंडल के नये पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी सिंधु शेखर सिंह के द्वारा संग्रामपुर थाना का औचक निरीक्षण कर थाना क्षेत्र के घटित घटनाओं एवं दर्ज कांडों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने हत्या, संगीन अपराध आदि संबंधित मामलों के अनुसंधान में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों से थाना क्षेत्र में रात्रि गश्ती तेज करने का निर्देश दिया साथ ही डीएसपी ने शराब मामलों पर कहा कि हर हाल में शराब तस्करों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करें। उन्होंने थाने में पेंडिंग कांडों के शीघ्र निष्पादन सहित क्राइम कंट्रोल पर अधिकारियों को विशेष दिशा निर्देश दिया। मौके पर थाना अध्यक्ष रंजन कुमार, एसआई ब्यूटी कुमारी सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद थे।

कांवरियों से भरी स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई बाल बाल बचे लोग

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। बुधवार की शाम करीब 5:00 बजे सुल्तानगंज देवघर मुख्य मार्ग थाना क्षेत्र के रामपुर के समीप सुल्तानगंज की ओर से तेज रफ्तार में आ रही कांवरियों की स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में स्कॉर्पियो में सवार सभी कांवरिया बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुल्तानगंज की ओर से स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में आ रही थी। और सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। स्कॉर्पियो के साथ चल रहे एक कांवरिया ने बताया कि संभवत चालक को नींद आ गई थी इस वजह से या बड़ी दुर्घटना घट गई हालांकि इसमें जान माल की नुकसान नहीं हुआ केवल वाहन क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना की सूचना बातें ही संग्रामपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने तत्काल कांवरियों को समुचित सहायता पहुंचा।

पुलिस सूत्रों के अनुसार ये सभी कांवरिया बक्सर के रहने वाले हैं और सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर बाबा बैजनाथ धाम जा रहे थे कि इसी बीच रास्ते में दुर्घटना हो गया। पुलिस ने बताया कि सभी कांवरिया खतरे से बाहर है।

राज्य सरकार के पदाधिकारी की लापरवाही से सफेद दांत साबित हो रहा है सूचना का अधिकार अधिनियम

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

मुंगेर। सूचना का अधिकार इन दिनों आम जनता के लिए राज्य सरकार के पदाधिकारी व कर्मचारियों की लापरवाही से हाथी की सफेद दांत साबित हो रहा है। एक ओर केंद्र सरकार ने जहां इस अधिनियम को देश के आम जनता के हित में प्रकाशित कर आम जनता के माध्यम से अपने अधिकारियों पर नकेल कसा है, वहीं सरकार के पदाधिकारी ने आम जनता को सही सूचना नहीं देकर आम जनता के साथ केंद्र सरकार और राज्य सरकार को अंगूठा दिखाने का काम कर रहा है। इसकी वजह यह है कि आम जनता सरकार के मुलाजिम से यदि सूचना का मांग करता है, तो उसे इस अधिनियम के धारा 11 का हवाला देकर सूचना नहीं देता है। एक बार इस धारा का यदि सरकारी मुलाजिम द्वारा प्रयोग कर दिया गया तो फिर आवेदक को अपनी सूचना प्राप्त करने में वर्षो का वक्त लग जाता है । यहां तक की कई बार राज्य सूचना आयोग के द्वारा भी सूचना का अधिकार आवेदन पर आपत्ति लगाकर आवेदक को सूचना उपलब्ध नहीं करता है। इससे राज्य सरकार के सरकारी मुलाजिमों पर राज आयोग का गाज गिरने के बजाय उन लोगों पर आयोग का मेहरबानी का प्रसाद मिल जाता है। बता दे की मुंगेर जिला के हवेली खड़गपुर के एक पत्रकार मुकेश कुमार ने 5 अगस्त 2023 को लोक सूचना पदाधिकारी सह प्रभारी उपाधीक्षक अनुमंडलीय अस्पताल तारापुर जिला मुंगेर से विधिवत सूचना प्राप्त करने के लिए आवेदन दिया। इसके प्रति उत्तर में लोक सूचना पदाधिकारी सह प्रभारी उपाधीक्षक अनुमंडलीय अस्पताल तारापुर जिला मुंगेर ने अपने कार्यालय पत्रक संख्या 246 दिनांक 28 अगस्त 2023 के माध्यम से आवेदक को भेज कर कहा कि उपरोक्त विषय के संदर्भ में कहना है कि आपके द्वारा मांगी गई सूचना में तीन प्रश्न पूछा गया है जबकि तीनों प्रश्नों का जवाब एक साथ नहीं भेजी जा सकती है। एक अन्य मामले में पत्रकार मुकेश कुमार ने लोक सूचना पदाधिकारी सह प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गंगटा हवेली खड़गपुर मुंगेर से सूचना प्रपत्र "क" के माध्यम से सूचना चाहा। इस पर लोक सूचना पदाधिकारी सह प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टेटिया बंबर जिला मुंगेर ने कार्यालय पत्रांक संख्या 244/23 दिनांक 30 अगस्त 2023 को भेज कर कहा कि आपने आवेदन अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गंगटा हवेली खड़गपुर से मांग किया है और पत्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टेटिया बम्बर को भेज दिया है जो गलत है। लोक सूचना पदाधिकारी सह प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि किसी भी पदाधिकारी या कर्मी का निजी बातें आपको नहीं दिया जा सकता है, जो नियमाकुल नहीं है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि इस संस्थान में राखी नाम की कोई भी जी एन एम का पदस्थापन या प्रतिनियुक्ति अभी नहीं है। बता दे की इस संबंध में बुधवार 20 अगस्त 2023 को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टेटिया बंबर जिला मुंगेर से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गंगटा हवेली खड़गपुर इसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टेटिया बंबर का अधीनस्थ कार्य करता है। पत्रांक संख्या 244/2023 के संदर्भ में पूछे जाने पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सह लोक सूचना पदाधिकारी ने अपनी गलती को स्वीकार करते हुए बताया कि आवेदक को इस कार्यालय से गलत सूचना भेजा गया है। फिलवक्त आवेदक ने दोनों लोक सूचना पदाधिकारी के खिलाफ अपीलीय पदाधिकारी सह सिविल सर्जन मुंगेर के समक्ष अपील दाखिल कर दिया है। अब देखना यह है कि अपील पदाधिकारी सह सिविल सर्जन मुंगेर के द्वारा आवेदक को वक्त से सही सूचना की सत्यापित छाया प्रति उपलब्ध करा पाते हैं अथवा नहीं।

स्पेशल विजिलेंस यूनिट की दो सदस्यीय टीम पहुँची भागलपुर

टीम के दबिश की सूचना के बाद विधुत विभाग कार्यालय में मचा हड़कंप

प्रात : किरण ब्यूरो

भगलपुर। जिले के शहरी क्षेत्र इलाके के सटे अलीगंज स्थित साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड में कार्यरत इंजीनियर संजीव कुमार गुप्ता के घर आय से अधिक संपत्ति अर्जित किये जाने के मामले में स्पेशल विजिलेंस यूनिट की टीम ने एक साथ उनके कई ठिकानों पर दबिश दी। इस दौरान एसयूभी छापेमारी टीम ने उनके घर व कार्यालय से 25 लाख नगदी एवं लाखों के आभूषण बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि इंजीनियर के संबंधित एसयूवी की टीम ने बांका, पूर्णिया और भागलपुर के विभिन्न ठिकानों पर दबिश दे जांच में जुटी है। इस संबंध में सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इंजीनियर संजीव कुमार गुप्ता अपने ड्यूटी कार्य स्थल बांका में रहते हुए अवैध रूप से आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।उनके पास लगभग 1करोड़, 03 लाख,89 हजार,7 सौ 13 रुपये से अधिक की संपत्ति मिली है। उनकी यह संपत्ति आय के ज्ञात स्रोतो से ज्यादा है, इसलिए इनके खिलाफ जांच शुरू की गयी, और शुरूआती जांच में मामला सही पाए जाने के बाद जांच टीम ने कानूनी प्रकिया के तहत एक साथ दबिश दे जांच शुरू की है, रेड खत्म होने के बाद बरामदगी के बारे में पूरी जानकारी दिये जाने की बात कही जा रही है। वहीं बताया ये भी जा रहा है कि विद्युत कार्यपालक अभियंता संजीव कुमार गुप्ता के कई ठिकानों पर आय से अधिक संपत्ति रखने को लेकर एक साथ स्पेशल विजिलेंस यूनिट की छापेमारी चल रही है। वही बिहार साउथ डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में कार्यरत संजीव गुप्ता के विरुद्ध पीसी एक्ट 1983/3 (2) १६ 13(1) 6 के तहत विगत 19 सितंबर को मामला दर्ज किया गया था, बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता वर्तमान में बांका जिले में कार्यरत हैं। विजिलेंस की टीम ने उनके ससुराल भागलपुर, कार्य स्थल बांका, पटना और पैतृक गांव पूर्णिया समेत उनके कई ठिकानों पर में एक साथ दबिश दे जांच कर रही है। बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता संजीव गुप्ता के कई ठिकानों से लाखों रुपए नगद, सोने व चांदी के जेवरात सहित कई जमीन के कागजात को टीम ने बरामद किया हैं। पटना से भागलपुर पहुंची निगरानी विभाग के दो सदस्य टीम ने संजीव गुप्ता के ससुराल मोजाहिदपुर बबरगंज इलाके के अलीगंज स्थित सेलबाग मोहल्ले में बिजली विभाग के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर संजीव कुमार गुप्ता के घर में छापेमारी की। बताया जा रहा है कि बिजली विभाग में संजीव कुमार गुप्ता एग्जीक्यूटिव इंजीनियर पद पर कार्यरत है। निगरानी विभाग की टीम अलीगंज स्थित उनके घर छापेमारी जारी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि उनके कई ठिकानों से करोड़ों की चल अचल संपत्ति को निगरानी टीम ने आय से अधिक अर्जित करने व टैक्स चोरी करने के आरोप में सभी बरामदगी किये जमीन दस्तावेज स्वर्ण चांदी जेवरात सहित लाखों के नगदी रकम को जप्त कर लिया है।

मैदान बचाओ संघर्ष समिति द्वारा विशाल जुलूस का किया गया आयोजन

सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने विशाल जुलूस में लिया भाग

प्रात : किरण संवाददाता

सदर मुंगेर । गुरुवार को सदर प्रखंड अंतर्गत नौवागढी , क्षेत्र के राय पोखर मैदान बचाओ संघर्ष समिति की ओर से राय पोखर मैदान को सामुदायिक धरोहर के रूप में संरक्षित करने की कवायद में संघर्षरत कार्यकर्त्ता आज जन जागरण जुलुस निकाला, जुलूस नौवागढी शिवालय से चलते हुए बोचाही ,मुख्य सड़क होते हुए कांतपुर से होते हुए वापस नौवागढी शिवाला पर पुनः सभा के रूप में तब्दील हो गई ।सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने कहा राय पोखर मैदान खाता नंबर 495 खसरा 2139, 2140 2212 ,2213 जो गैरमजरुआ खास किस्म का जमीन बताया जा रहा है। जो सदियों से यथावत आम उपयोग में है किसी प्रकार का रैयती नहीं है तो किस आधार पर जमाबंदी कायम किया गया प्रथम पक्ष द्वारा हुकुमनामा कागज 1948 का बताया जा रहा है जिसका फोरेंसिक जांच कराया जाएगा जबकि जमाबंदी संख्या 156 /1962 का बताया जा रहा है जो 1962 में ढेर सारा फजीर्वाड़ा हुआ है ये भी जांच का विषय है।

वहीं सचिव पंकज कुमार ने बताया जमींदार के पास जमींदारी उन्मूलन कानून के बावजूद 84 बीघा से अधिक जमीन कैसे आया यह भी जांच का विषय है। जबकि कर्मचारी महोदया टोटल जमीन को बकास और गैरमजरुआ खास बताया है। वही ऑल इण्डिया किसान खेत मजदूर संगठन के राज्य सचिव कृष्ण देव साह संबोधित कर कहा गैरमजरूआ खास मालिक भी जमाबंदी कर जमीन बेच नही सकता जो गैरकानूनी है,और यह बिल्कुल ही सरासर झूठ को सच बनाने की एक साजिश चल रही है इसलिए आम लोगों से अपील किया है कि एकजुट होकर इस झूठ का पदार्फाश करें और सरकारी जमीन को किसानों के हित में पर्यावरण के हित में और युवाओं के खेल के मैदान के हित में संरक्षित करें जुलूस का नेतृत्व बुद्धिजीवी श्री गीता साह द्वारा किया गया इसमें सैकड़ो कार्यकर्ता व ग्रामीण बुद्धिजीवी शामिल रहे वो इस प्रकार है।राजकुमार मंडल,विकास कुमार,रामानंद मंडल, वीरेंद्र कुमार ,ड्राइवर मंडल, रमेश पासवान ,मुरारी साव,धर्मेंद्र शाह ,मिथिलेश, नारद पासवान, शिव प्रसाद,धर्मेंद्र मंडल, राहुल कुमार,आदि मौजूद रहे।

डेंगू मक्छर के प्रकोप का कहर लगातार है जारी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, जिसके कहर के शिकार हो लगातार लोग मृत्यु की गोद समा रहे है। वही डेंगू के डंक से शिकार हो एक प्राइवेट कंपनी के मैनेजर, माउंट एसएससी की छात्रा समेत तीन लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई।

मृतक की पहचान मोजाहिदपुर क्षेत्र के सिकंदरपुर इलाके के स्व. जागेश्वर रजक के पुत्र मनीष कुमार के रूप में हुई है। वही घटना की सूचना पर अस्पताल पहुंचे आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल के एचडीयू वार्ड के बाहर चिकित्सकों की इलाज में लापरवाही का आरोप लगा जमकर हंगामा शुरू कर दिया था। बताया जा रहा है कि विगत 17 अगस्त को डेंगू से पीड़ित तिलकामांझी इलाके के एक मरीज की पहली मौत होने की सूचना सामने आई थी, जो अब तक बढ़कर पांच मरीजों की संख्या पर पहुंच गई है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि मृतक युवक पीजन प्राइवेट कंपनी में बतौर मैनेजर कार्यरत थे। विगत तीन वर्ष पूर्व उनकी विवाह जगदीशपुर इलाके में हुई थी। वही परिवार में मृतक दो भाइयों में छोटे थे। मृतक युवक अपने पीछे पत्नी समेत दो बच्चे को छोड़ गए है। वही दूसरी ओर माउंट एसएससी जूनियर सेक्शन स्कूल की दूसरी कक्षा की छात्रा समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वही तीनों इलाज के दौरान मायागंज अस्पताल में मृत्यु होने की जानकारी सामने आई है।

हालांकि अस्पताल में डेंगू से केवल एक मरीज की मौत की पुष्टि की जा रही है, जबकि शहरी क्षेत्र इलाके में डेंगू से अब तक आठ मरीज की मौत होने की सूचना सामने आ चुकी है। वही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी द्वारा केवल दो डेंगू मरीज की मौत की पुष्टि कर रही है।

वही दूसरी तरफ इस घटना से आहत हुए परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वही मामले को लेकर परिजनों ने बताया कि मृतक पीजन प्राइवेट कंपनी में बतौर मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। विगत 16 सितंबर को उसे इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बीते देर रात एचडीयू वार्ड में ट्रांसफर कर दिया था। जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई है। वही पीड़ित परिवार के लोगों ने अस्पताल में मौजूद चिकित्सक पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन व उनकी टीम ने मौके पर पहुंच मामला शांत कराया।

बिजली विभाग के एक्जीक्यूटिव अभियंता के बांका और पूर्णिया स्थित ठिकानों पर पड़ा छापा

प्रात : किरण ब्यूरो

पूर्णिया । हमारे देश में लोग सरकारी अधिकारी से जन कल्याण की उम्मीद जरुर रखते हैं लेकिन ये सरकार अधिकारी किस कदर जनकल्याण करते हैं ये अक्सर लोगों को दिख जाता है जब उनके पास से बैग भर भर कर नोटों का थैला व कीमती गहने जेवरात बरामद होते हैं। ये अधिकारी समाज के सही मायने में भक्षक हैं जो दीमक की तरह हमारी संपत्ति को चूसने में लगे हैं। कुछ इसी तरह का एक और मामला गुरुवार को सामने आया जहां करीब 5 घंटे चली रेड के बाद बांका से बिजली विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर संजीव कुमार गुप्ता को निगरानी की टीम ने हिरासत में ले लिया है। उसे पूछताछ के लिए पटना ले जाया गया। गुरुवार सुबह इंजीनियर के ससुराल भागलपुर और घर पूर्णिया में टीम ने छापेमारी की। ससुराल से 25 लाख कैश मिले हैं। बांका से भी करीब एक लाख कैश बरामद होने की सूचना है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में ये कार्रवाई की ई। भागलपुर में उनका ससुराल है। टीम जब सुबह यहां रेड मारने पहुंची तो उनके ससुर मिले। टीम ने यहां छापा मारा तो 25 लाख कैश बरामद हुए हैं। अधिकारियों ने ससुर से पूछा कि ये कैश किसका है तो उन्होंने कहा कि दामाद जी का। इंजीनियर की पत्नी पश्चिम बंगाल के रामपुरा स्थित यूको बैंक में मैनेजर है। ससुराल से ही अवैध कमाई से खरीदे गए कई जमीन के दस्तावेज, संपत्ति के कागजात और निवेश से जुड़े कागजात भी बरामद किए गए हैं। पूर्णिया में भी कई जमीन के कागजात, रजिस्ट्री के पेपर्स जब्त किए गए हैं। भागलपुर जिले के बबरगंज ओपी के अंतर्गत अलीगंज के गंगा बिहार कॉलोनी स्थित राज किशोर मंडल के दामाद संजीव कुमार गुप्ता के ठिकानों पर निगरानी की टीम की छापेमारी चल रही है। दो यूको बैंक के लॉकर और एक महंगी गाड़ी के साथ-साथ कई कागजात और जेवरात भी मिले हैं। संजीव कुमार के ससुर राजकिशोर मंडल भारतीय रेल में कार्यरत है। सुबह 7 बजे के करीब निगरानी की यहां रेड पड़ी है। 20 से ज्यादा अफसरों की टीम इस रेड में शामिल है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में ये कार्रवाई की गई है।एग्जीक्यूटिव इंजीनियर संजीव कुमार गुप्ता के पूर्णिया के गोआसी पंचायत के बनिया टोला गांव के वार्ड 12 के पैतृक आवास पर निगरानी की रेड पड़ी। सुबह साढ़े 7-8 बजे के बीच निगरानी की ये रेड पड़ी। पटना निगरानी की दो गाड़ी में 10 अफसर कार्रवाई करने पहुंचे। इस रेड में एक महिला अफसर भी शामिल हैं। जो घर वालों से पूछताछ कर रही है साथ ही लोकल पुलिस की भी मदद ली गई है। लोकल पुलिस के एक एएसआई रैंक के पुलिस अफसर के अलावा 4 सिपाही और 2 महिला सिपाही भी रेड में शामिल हैं।

अवैध रूप से बने दुकानों पर प्रशासन का चला बुलडोजर

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। शहर में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वाले लोगों के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा लगातार अतिक्रमण हटाने की कवायद में बुलडोजर कार्रवाई जारी है। जिला परिषद कार्यालय समीप आपदा प्रबंधन कार्यालय के सामने अवैध रूप से दुकान बनाकर वर्षो से अतिक्रमण किए दुकान व उनके संचालकों के खिलाफ जिला प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त किये जाने को लेकर बुलडोजर चलवाने की कवायद शुरू कर दी। वही आसपास के कई अवैध रूप से निर्मित दुकानों पर कार्रवाई करते हुए सरकार के अतिक्रमित जमीन को मुक्त कराया। इस दौरान काफी संख्या में पुलिस बल के साथ-साथ मजिस्ट्रेट और जगदीशपुर अंचल के राजस्व कर्मचारी सहित कई अधिकारी मौजूद थे। वही बताया जा रहा है कि जिला प्रशासन द्वारा पर उक्त स्थल पर अवैध रूप से निर्मित चार दुकानों को हटाने की कार्रवाई की जानी है। वही अभी एक दुकान को ध्वस्त कर अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। जबकि अन्य दुकानों के संचालक को अल्टीमेटम जारी कर उक्त स्थल को खाली किये जाने की हिदायत दे चेतावनी जारी कर दी है।

सामाजिक न्याय के साथ सभी के कल्याण को समर्पित है बिहार सरकार : वीरेंद्र कुशवाहा

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यू की सहगठजोड़ वाली बिहार सरकार हमेशा से ही सामाजिक न्याय की पक्षधर रही है। समाज के अंतिम पायदान तक विकासात्मक कार्यो की पहुंच हो और सभी का कल्याण हो सके यही सरकार का लक्ष्य है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव हो या फिर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, सामाजिक न्यायरुपी पहल को हमेशा आगे बढाया है। उक्त बातें बिहार में केवानी जाति के अस्तित्व को ढूंढने के लिए पूर्णिया पहुंची बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की टीम के सदस्य राजद पदाधिकारी देवमुनि यादव और वीरेंद्र कुशवाहा ने संयुक्त रुप से जिले के सर्किट हाउस में पूर्णिया प्रमंडल के चारों जिलों के पदाधिकारी के साथ आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक में एडीएम, उपनिदेशक, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला सांख्यकी पदाधिकारी, चारो जिले के अनुमंडल पदाधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा राजद के जिला अध्यक्ष मिथिलेश दास, जिला उपाध्यक्ष धीरेंद्र यादव भी बैठक में उपस्थित थे। बैठक के दौरान आयोग के सदस्य वीरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि बिहार में मौजूद विभिन्न जातियों में एई केवानी जाति भी है, जो सब्जी खरीद बिक्री करने वाली उपजाति है। उन्होंने बताया कि इस जाति के लोग वोट भी डालते हैं उनके पास राशन कार्ड भी है, लेकिन जाति प्रमाण पत्र नहीं बन रहा है। इसलिए आयोग की दो-दो सदस्यों टीम विभिन्न जिलों में बैठक कर रही है। सभी 38 जिलों से आई रिपोर्ट के बाद इस जाति की वास्तविक आबादी का पता चलेगा। आयोग के सदस्य ने सभी अधिकारियों को विकास मित्र के सहयोग से केवानी जाति के लोगो को ढूंढने के निर्देश दिए ताकि इस जाति को ढूंढ़ कर उसकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति का पता लगाकर उसका संपूर्ण विकास किया जा सके। टीम के सदस्यों का राजद के जिला अध्यक्ष मिथिलेश दास और उ

सलमान खान संग पर्दे पर धमाल मचाने आ रहीं सामंथा रुथ? अभिनेत्री ने बताया सच

सामंथा रुथ प्रभु अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। ऑटोइम्यून बीमारी मायोसिटिस को मात देने के बाद अभिनेत्री ने काम पर वापसी कर ली है। अभिनेत्री को हालिया रिलीज फिल्म खुशी में देखा गया। वहीं, आने वाले दिनों में सामंथा, वरुण धवन के साथ वेब सीरीज सिटाडेल इंडिया में नजर आएंगी। इतना ही नहीं बीते दिनों एक खबर आई कि सामंथा ने करण जौहर के प्रोडक्शन में बनने वाली एक फिल्म के लिए हामी भर दी है, जिसमें वह सलमान खान के अपोजिट देखी जाएंगी। इन्हीं अफवाहों पर अब खुद सामंथा ने चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा खुलासा किया है। सलमान खान के साथ हिंदी फिल्म में डेब्यू करने की अटकलों के बीच सामंथा ने हाल ही में एक इंस्टाग्राम लाइव सेशन किया। इसमें उन्होंने बताया कि उनके अगले प्रोजेक्ट के लिए अभी कोई ठोस योजना नहीं है। अपने इंस्टाग्राम लाइव सेशन में सामंथा ने कहा, मेरा अगला प्रोजेक्ट वास्तव में एक भी नहीं है। कोई योजना नहीं है। उन्होंने अपनी भविष्य की परियोजनाओं के बारे में अधिक समझदार होने की इच्छा व्यक्त की।

सामंथा रुथ प्रभु ने बताया कि वह अभी उन भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं, जो उन्हें चुनौती देती है। अभिनेत्री खुद को कम्फर्ट जोन से बाहर निकालना चाहती हैं। सामंथा रुथ प्रभु ने कहा, मैं उन चीजों के बारे में अधिक चयनात्मक होना चाहती हूं, जिन पर मैं काम करती हूं। जो चीजें वास्तव में मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर धकेलती हैं, जब तक मुझे उस तरह की भूमिका नहीं मिलती, मुझे लगता है कि मैं ठीक हूं। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित आगामी फिल्म में सामंथा और सलमान खान के एक साथ अभिनय करने के बारे में अफवाहें फैल रही थीं, जिसमें निर्देशक विष्णुवर्धन भी थे। विष्णुवर्धन ने इंडस्ट्री को शेरशाह जैसी सुपरहिट फिल्म दी है। हालांकि, सामंथा ने अपने हालिया इंस्टाग्राम लाइव सेशन में इन अफवाहों का खंडन कर दिया है।

काम के मोर्चे पर बात करें तो, सामंथा को आखिरी बार विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म खुशी में देखा गया। फिल्म को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं, और इसने बॉक्स ऑफिस पर मध्यम सफलता हासिल की। सामंथा के अगले उद्यम में प्राइम वीडियो सीरीज सिटाडेल का भारतीय रूपांतरण शामिल है, जिसमें वह वरुण धवन के साथ अभिनय करेंगी। वेब सीरीज से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं।

भूमि पेडनेकर ने अनिल कपूर को बताया इंस्पिरेशनल

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर की बेटी और फिल्म निर्माता रिया कपूर ने 10 अगस्त को अपनी नई फिल्म का एलान किया था। अब फिल्म की लीड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अनिल कपूर को इंस्पिरेशनल कहा है। बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने कम समय में ही हिंदी सिनेमा में अपनी एक अलग जगह बनाई है। उन्होंने अलग-अलग जोनर की फिल्में कर फैंस का दिल जीता और उनमें से कई बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं, लेकिन एक फिल्म है, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई है। अब हाल ही में, भूमि पेडनेकर ने अनिल कपूर की तारीफों के पुल बांधे हैं। फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग में भूमि पेडनेकर ने कनिका कपूर का किरदार निभाया है और यह पहली बार है कि वह महान अभिनेता अनिल कपूर के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। भूमि ने अनिल संग काम करने के अपने अनुभव का खुलासा करते हुए कहा, शुरुआत में मैं बेहद घबराई हुई थी, लेकिन वह सबसे अच्छे और प्रेरणादायक हैं। वह इंडस्ट्री के सुपरस्टार हैं और वह यह होना डिजर्व भी करते हैं। भूमि ने आगे कहा, वह जानते हैं कि वह लोगों पर कितना प्रभाव डालते है। इसलिए वह सुनिश्चित करते हैं कि वह हम सभी को सहज बनाए क्योंकि हम सभी पहली बार में उनसे काफी डर रहे थे। शुरू में मुझे थोड़ी घबराहट हुई थी, लेकिन अब मेरा मानना है कि उनके साथ काम करना बेहद आसान हैं। बात करें फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग की कास्ट की तो थैंक यू फॉर कमिंग में भूमि पेडनेकर के साथ डॉली सिंह, कुशा कपिला, शिबानी बेदी, प्रधुम्न सिंह मॉल, नताशा रस्तोगी, गौतमिक, सुशांत दिवगिकर, सलोनी दैनी, डॉली अहलूवालिया, करण कुंद्रा और अनिल कपूर भी हैं।

वेलकम 3 को लेकर बेहद उत्सुक हैं लारा दत्ता

बॉलीवुड एक्ट्रेस लारा दत्ता ने कई हिट फिल्मों में काम किया है। लारा अब अपनी अगली फिल्म वेलकम 3 की तैयारी में जुटी हुई हैं। यह वेलकम फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग है। इस फिल्म का नाम वेलकम टू द जंगल है। दर्शकों को वेलकम के अगले भाग का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में लारा दत्ता ने मल्टीस्टारर फिल्म का हिस्सा बनने के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि यह बेहद ही रोमांचक होने वाला है।

लारा दत्ता ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं यह बता नहीं सकती की कितने लोगों के संदेश आते हैं कि क्या हम सेट पर आ सकते हैं। यह बहुत ही अच्छा लगता है। जाहिर सी बात है कि मेरे और रवीना के बोर्ड पर आने के लिए, इस फिल्म का हिस्सा बनने से कुछ तो खास होना चाहिए। लारा इस फिल्म का हिस्सा बनने से बेहद खुश हैं। फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है।

फिल्स में ये स्टार्स आएंगे नजर

बता दें कि वेलकम फ्रेंचाइजी की इस तीसरी फिल्म में अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी और परेश रावल भी नजर आएंगे। वेलकम 3 में इन स्टार्स के अलावा तुषार कपूर, जैकलीन फर्नांडीज, रवीना टंडन, लारा दत्ता, दिशा पटानी, वृहि कोदवारा, जाकिर हुसैन, शारिब हाशमी, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, मीका सिंह, दलेर मेहंदी और यशपाल शर्मा भी दिखाई देंगे।

अगले साल दिसंबर में रिलीज होगी फिल्म

वेलकम टू द जंगल का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। फिल्म के टीजर को दर्शकों की तरफ से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिरोज नाडियाडवाला इस फिल्म के निर्माता हैं। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म है। इस फिल्म में पहली बार 24 कलाकार एक साथ पर्दे पर दिखाई देंगे। अहमद खान इस फिल्म को निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अब रियालिटी शो में किस्मत आजमाएंगी अंकिता लोखंडे

बिग बॉस 17 जल्द ही दर्शकों को एंटरटेन करने आ रहा है। ऐसे में फैंस शो के नए सीजन को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। वहीं अब शो के पहले कंफर्म कंटेस्टेंट का नाम सामने आ चुका है। खबरें हैं कि पवित्र रिश्ता एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे बिग बॉस 17 में एंट्री लेने जा रही हैं। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस ने इस बात की पुष्टि है कि वह शो का हिस्सा होने वाली हैं।

विक्की जैन के साथ बिग बॉस 17 में दिखेंगी अंकिता

अंकिता लोखंडे ने कहा है कि वह बिग बॉस 17 में बतौर कटेस्टेंट जाने वाली हैं। ऐसे में वह बिग बॉस 17 की पहली कंफर्म कटेस्टेंट बताई जा रही हैं। बता दें कि बिग बॉस 17 की थीम दिल दिमाग और दम है। कहा जा रहा है कि इस बार कपल और सिंगल दोनों बिग बॉस में घर में रहेंगे। ऐसे में अंकिता का नाम कपल के तौर पर सामने आया है। अगर ऐसा हुआ तो शो में अंकिता के साथ उनके पति विक्की जैन भी नजर आ सकते हैं।

अक्टूबर के पहले हफ्ते से शुरू हो सकता है बिग बॉस 17

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 'बिग बॉस 17' अक्टूबर के पहले हफ्ते से शुरू होने के संभावना है। बीते दिनों मेकर्स ने शो का प्रोमो शेयर किया था। वीडियो में सलमान इस सीजन की थीम बताते नजर आ रहे थे। उन्होंने कहा- इस बार का खेल दिल, दिमाग और दम से खेला जाएगा। हालांकि शो कब शुरू होगा अभी तक इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है।

बिग बॉस 17 के लिए सामने आए कई कंटेस्टेंट्स के नाम

बिग बॉस 17 के लिए अभी तक कई नाम सामने आ चुके हैं। कहा जा रहा कि शो के इस सीजन में अंजुम फकीह, अर्जित तनेजा, ईशा मालविया, कंवर ढिल्लों, हर्ष बेनीवाल और मुनव्वर फारुखी जैसी हस्तियां आ सकती हैं। हालांकि, मेकर्स की तरफ से किसी भी कंटेस्टेंट को लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट की गई है।

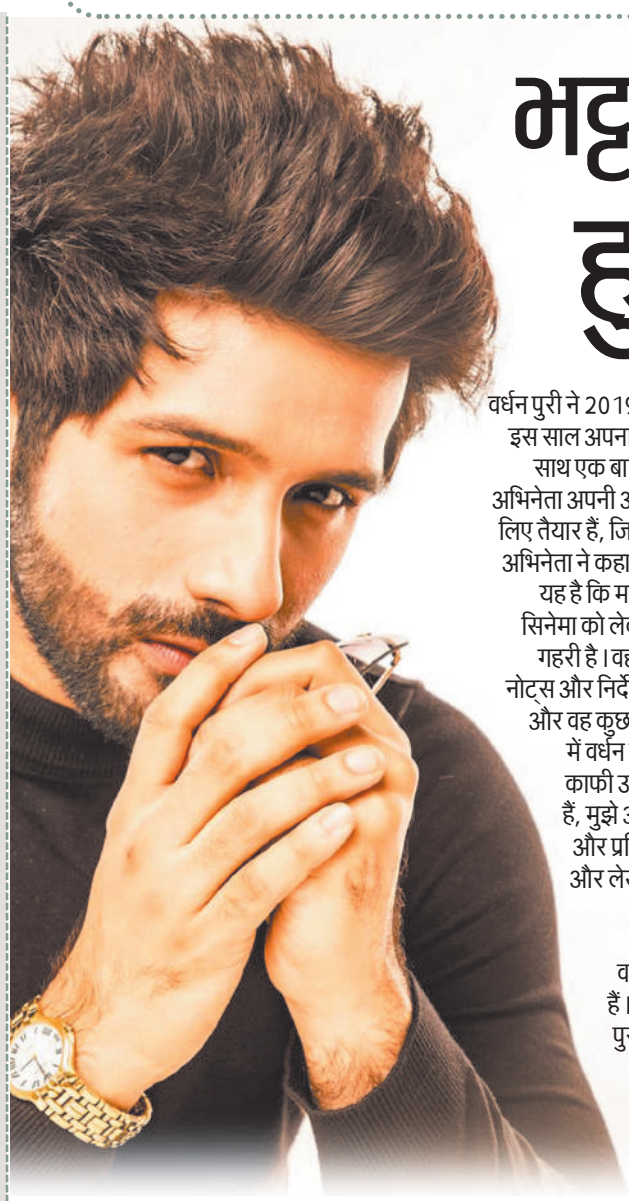

भट्ट कैंप में शामिल हुए वर्धन पूरी

वर्धन पुरी ने 2019 में ये साली आशिकी से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। जब उन्होंने इस साल अपना ओटीटी डेब्यू किया तो उन्होंने सुपर नैचुरल थ्रिलर-हॉरर फिल्म के साथ एक बार फिर एक अभिनेता के रूप में अपनी योग्यता साबित की। अब युवा अभिनेता अपनी अगली अन्टाइटल फिल्म के साथ अपने क्षितिज का विस्तार करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह दिग्गज विक्रम भट्ट और महेश भट्ट के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेता ने कहा, इस फिल्म पर मेरे अब तक के अनुभव के बारे में एक शानदार बात यह है कि महेश भट्ट साहब हमारे सेट पर हमारे साथ बहुत समय बिता रहे हैं। वह सिनेमा को लेकर बहुत इमोशनल हैं और इस माध्यम के बारे में उनकी समझ बहुत गहरी है। वह अक्सर हमें निर्देशित करते हैं और हम कलाकारों को सबसे अद्भुत नोट्स और निर्देश देते हैं। वर्धन ने बताया कि फिल्म की शूटिंग को विभिन्न शेड्यूल है और वह कुछ हफ्तों में अगले शेड्यूल की शुरुआत करेंगे। इस अन्टाइटल फिल्म में वर्धन के साथ अविका गोर हैं और वह स्क्रीन पर इस फ्रेश जोड़ी को लेकर काफी उत्साहित हैं। अपने सह-कलाकार के बारे में बात करते हुए वह कहते हैं, मुझे अविका के साथ काम करने में बहुत मजा आ रहा है। वह बेहद पेशेवर और प्रतिभावान हैं। हम अच्छे दोस्त बन गए हैं क्योंकि हम दोनों को अभिनय और लेखन का शौक है। चूंकि वह इतनी कम उम्र से स्क्रीन के लिए अभिनय कर रही हैं, इसलिए उनका अनुभव जबरदस्त है। आपके सह-कलाकारों से सीखने के लिए हमेशा बहुत कुछ होता है।

वर्धन वास्तव में फ़िल्म इंडस्ट्री के सर्वोत्तम लोगों के साथ काम कर रहे हैं। इन दो दिग्गजों के अलावा, अभिनेता अपनी अगली फिल्म में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री सहित कई स्थापित फिल्म निर्माताओं के साथ काम कर रहे हैं। नौटंकी नामक फिल्म में अनुपम खेर, पल्लवी जोशी और दिवंगत सतीश कौशिक भी नज़र आएंगे और वर्धन को इन सभी बेहतरीन प्रतिभाओं से बहुत कुछ सीखने को मिला है।

आशिका भाटिया ने बॉलीवुड प्लान का किया खुलासा

सलमान खान की 2015 की बॉक्स-ऑफिस हिट फिल्म प्रेम रतन धन पायो से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस आशिका भाटिया ने हाल ही में बॉलीवुड में और अधिक काम करने की अपनी योजना के बारे में खुलासा किया। उसी के बारे में बात करते हुए, आशिका बताती हैं कि उनके लिए किरदार कितना मायने रखता है। एक्ट्रेस ने कहा, मैं अपने टैलेंट पर फोकस करती हूं। मैं ऐसी फिल्में करूंगी, जहां मुझे मजबूत किरदार निभाने को मिलेंगे। मैं अपनी पर्सनैलिटी के आधार पर कोई किरदार निभाना पसंद करूंगी। यह पूछे जाने पर कि क्या प्रेम रतन धन पायो जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म का हिस्सा बनने के बाद उन्हें दबाव महसूस होता है, एक्ट्रेस आत्मविश्वास से जवाब देती हैं, मुझे नहीं लगता कि प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्म में काम करने से मुझ पर बेहतर काम करने का दबाव बढ़ा है। लेकिन, इसने निश्चित रूप से मुझे ऐसे और प्रोजेक्ट करने के लिए प्रेरित किया है और मुझे लगता है कि यह अच्छा है। आशिका ने वेब-सीरीज में काम करने के अपने खुलेपन के बारे में भी खुलासा किया, जो आजकल आम बात लगती है, मुझे क्राइम थ्रिलर सीरीज और हॉरर सीरीज भी देखना पसंद है। मैं एक मजबूत किरदार निभाना चाहूंगी जहां मैं अपनी एक्टिंग स्किल दिखा सकूं।

वाट्सअप ने मिलाया रेजरपे और पे यु से हाथ, भारत में शुरू करने जा रहा क्रेडिट कार्ड पेमेंट की सर्विस

नई दिल्ली, एजेंसी। वाट्सएप ने कहा कि वह भारत में अपने ऐप के जरिए क्रेडिट कार्ड पेमेंट की सर्विस देगा। वॉट्सऐप डिजिटल पेमेंट प्रोवाइडर्स से क्रेडिट कार्ड पेमेंट की सर्विस मुहैया कराएगा। भारत में वॉट्सऐप के लगभग 50 करोड़ से भी ज्यादा यूजर्स हैं। हालांकि रेगुलेटर्स ने इन-ऐप वॉट्सऐप पे सर्विस को केवल 100 मिलियन लोगों तक सीमित कर दिया है।

सोशल मीडिया मैसेजिंग प्लेटफॉर्म वॉट्सऐप ने बुधवार को यूजर्स के चैट एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए कई सारी नई सर्विस को शुरू करने का ऐलान किया है। वॉट्सऐप ने अपने यूजर्स को क्रडिट-डेबिट कार्ड, यूपीआई और दूसरे जरियों से पेमेंट की सुविधा देने के लिए रेजरपे और पे यु से हाथ मिलाया है। इसके बाद सीधे चैट के

जरिए शॉपिंग करना आसान हो जाएगा। एक ब्लॉग अपडेट में ऐसा बताया गया है कि बुधवार से भारत में वॉट्सऐप यूजर्स कार्ट में आइटम को ऐड कर सकते हैं और सभी युपीआई ऐप्स, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ज के जरिए पेमेंट कर सकते हैं।

वाट्सअप ने पेश की फ्लो सर्विस

पेमेंट के अलावा वॉट्सऐप ने अपने यूजर्स के लिए फ्लो की सर्विस भी पेश की है। जिसके जरिए ट्रेन की सीट चुनने, फूड ऑर्डर करने और चैट विंडो को छोड़े बिना ही अपॉइटमेंट बुक करने की सर्विस मिल सकेगी। यह सर्विस अगले कुछ ही हफ्तों में शुरू हो जाएगी। इसके अलावा वॉट्सऐप मे अलग अलग बिजनेस के लिए मेटा वेरिफाईड को भी शुरू किया है।

ट्रूकॉलर ने ब्रांड की नई पहचान और धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए पहले से बेहतर एआई आईडेंटिटी फीचर्स को लॉन्च किया

बेंगलुरु, एजेंसी। ट्रूकॉलर ने आज कॉर्पोरेट रीब्रांडिंग और एक नए ऐप आइकन के लॉन्च की घोषणा की, जिसे गूगल प्ले स्टोर तथा एप्पल ऐप स्टोर पर तुरंत पहचाना जा सकेगा। ब्रांड की नई पहचान को एकदम सही समय पर पेश किया जा रहा है, जो डिजिटल क्षेत्र में हो रहे महत्वपूर्ण बदलावों के अनुरूप है। ट्रूकॉलर के उद्देश्य, ऊर्जा और उत्साह की नई भावना ही इस रीब्रांडिंग की बुनियाद है।

इस घोषणा के बारे में बताते हुए एलन ममेदी, सह-संस्थापक एवं सीईओ, ट्रूकॉलर, ने कहा, हमें अपने ब्रांड की नई पहचान और लोगो को लॉन्च करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह दर्शाता है कि हम अपने यूजर्स से किए गए वादे को पूरी तरह निभा रहे हैं, साथ ही हर दिन लगातार विकसित और बेहतर होने पर ध्यान दे रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, सभी के लिए संचार को सुरक्षित बनाना ही हमारा मिशन है, जो हमें लोगों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए सर्च कॉन्टेक्स्ट जैसे नए-नए सॉल्यूशंस विकसित करने और यूजर्स की गोपनीयता को बेहतर बनाने के लिए इंजीनियरिंग में सुधार करने की प्रेरणा देता है।

ट्रूकॉलर के यूजर्स को ब्रांड की नई पहचान के साथ-साथ एकदम नया व दमदार एंटी-फ्रॉड फीचर भी मिलता है, जिसे सर्च कॉन्टेक्स्ट का नाम दिया गया है और यह ट्रूकॉलर एआई आइडेंटिटी इंजन का एक हिस्सा है। किसी भी नंबर के सर्च रिजल्ट्स को देखते समय, ट्रूकॉलर के यूजर्स को तुरंत सूचित किया जाएगा कि नंबर का नाम हाल ही में बदला गया है या बार-बार बदला जा रहा है। यह ऐप इस उपयोगी संदेश को तीन अलग-अलग रंगों में भी बाँटता है-नीला रंग न्यूट्रल चेंज, यानी सामान्य बदलाव को दर्शाता है; पीला, जो संभावित रूप से संदिग्ध हो सकता है यदि नाम पिछले 7 दिनों में 3 से अधिक बार बदला गया हो; और अंत में लाल रंग कई बार और लगातार नाम में बदलाव को दर्शाता है, जो काफी हद तक धोखाधड़ी और स्कैम से जुड़ी गतिविधियों का संकेत देता है। ट्रूकॉलर के सभी यूजर्स को एंड्रॉइड, आईफोन और ट्रूकॉलर वेब पर सभी सर्च रिजल्ट में यह संदेश दिखाया जाएगा।

एसबीआई रिसर्च का दावा: कम ब्याज दरों की वजह से घटी बचत, लोगों ने संपत्तियों में किया निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना महामारी के दौरान रिजर्व बैंक ने रेपो दर स्थिर रखी थी और इसमें कोई बदलाव नहीं किया था। जिसके चलते लोगों ने घरेलू बचत करने की बजाय संपत्तियों में निवेश किया है। एसबीआई की एक रिसर्च रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिसर्च के अनुसार, बीते दो सालों में रिटेल क्रेडिट का 55 फीसदी हिस्सा घर खरीदने, उच्च शिक्षा और वाहनों की खरीद में इस्तेमाल किया गया है।

एसबीआई रिसर्च में घरेलू बचत कम होने की बताई गई वजह: बता दें कि रिजर्व बैंक डाटा ऑन हाउसहोल्ड एसेट एंड लायबिलिटीज की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लोगों की घरेलू बचत में गिरावट आई है

और यह 50 साल में सबसे निचले स्तर पर है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि घरेलू बचत वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कुल जीडीपी की सिर्फ 5.1 प्रतिशत रह गई है जबकि 2020-21 में यह 11.5 प्रतिशत थी और कोरोना महामारी से पहले यह 7.6 प्रतिशत थी। अब एसबीआई की ताजा रिसर्च में इन रिपोर्ट्स को पूरी तरह से भ्रामक बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू बचत की जगह अब लोग अपने पैसों को विभिन्न संपत्तियों में निवेश कर रहे हैं।

रियल एस्टेट सेक्टर में उछाल भी बचत में कमी की हो सकता है वजह: एसबीआई की रिसर्च के अनुसार, हाउसिंग लोन्स और घरेलू बचत का भौतिक संपत्तियों में निवेश का सीधा संबंध है। वित्तीय वर्ष 2011-12 में घरेलू बचत में भौतिक संपत्तियों में निवेश दो तिहाई से ज्यादा था, लेकिन 2021-22 में यह गिरकर 48 प्रतिशत रह गया था। अब इसमें फिर से बढ़ोतरी देखी जा रही है और वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर 70 प्रतिशत हो गया है और इसी के चलते वित्तीय संपत्ति में कमी आई है। एसबीआई की इस रिसर्च रिपोर्ट में यह भी अनुमान जताया गया है कि रियल एस्टेट सेक्टर में उछाल और संपत्तियों की कीमत बढ़ने के चलते भी यह बदलाव हुआ है।

फिर 100 डॉलर के पार पहुंच सकता है कच्चा तेल, महंगाई का बना रहेगा दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चा तेल फिर 100 डॉलर के पार जा सकता है।गोल्डमैन सैश ने यह अनुमान जताते हुएकहा, मांग में उछाल और ओपेक सहित अन्य देशों में आपूर्ति प्रतिबंधों के कारण क्रूड के दाम में तेजी आ सकती है। इससे महंगाईपर दबाव बना रहेगा।

जून मध्य से अब तक क्रूड 30प्रतिशतसे अधिक बढ़कर 95 डॉलर तक पहुंच चुका है। हालांकि, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय से पहले बुधवार को तेल का भाव एक डॉलर तक गिर गया था। ओपेक प्लस देशों के प्रमुख सऊदी अरब व रूस के आपूर्ति प्रतिबंधों से कच्चा तेल इस समय 10 माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।अमेरिका और चीन में बेहतर स्थिति ने भी इसमें मदद की है। तेल के भंडार में तेजी से गिरावट आ रही है।

80-105 डॉलर क्रूड की कीमत रख सकता है ओपेक: ओपेक 2024 में मजबूत एशिया-केंद्रित वैश्विक मांग वृद्धि का लाभ उठाकर ब्रेंट को 80 डॉलर से 105 डॉलर के दायरे में बनाए रखने में सक्षम होगा। पिछले सप्ताह अमेरिकी तेल के भंडार में 50 लाख बैरल की कमी आई थी।

डीएचएफएल के पूर्व प्रवर्तकों पर लगा छह करोड़ का जुर्माना, एसजेवीएन में 4.92 प्रतिशत हिस्सा बेचेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्प लिमिटेड (डीएचएफएल) के मामले में प्रकटीकरण मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए कपिल वधावन और धीरज वधावन सहित 15 इकाइयों पर कुल छह करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। वधावन डीएचएफएल के पूर्व प्रवर्तक हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक आदेश में कहा कि जुर्माना 45 दिनों के भीतर संयुक्त रूप से और अलग-अलग भुगतान करना होगा।

कपिल और धीरज के अलावा, सेबी द्वारा दंडित किए गए अन्य लोगों में राकेश कुमार वधावन, सारंग वधावन, अरुणा वधावन, मालती वधावन, अनु एस वधावन और पूजा डी वधावन शामिल हैं। वधावन होल्डिंग, वधावन कंसोलिडेटेड होल्डिंग, वधावन रिटेल वेंचर, वधावन ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, हेमिस्फेयर इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया, गैलेक्सी इंफ्राप्रोजेक्ट्स एंड डेवलपर्स और सिलिकॉन फर्स्ट रियलटर्स पर भी जुर्माना लगाया गया है।

एडटेक फर्म बायजू के संस्थापक भागीदार और भारत में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मृणाल मोहित ने निजी कारणों से कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह कंपनी के अंतरराष्ट्रीय कारोबार के सीईओ अर्जुन मोहन को भारत में अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। मोहन बायजू के संस्थापक सदस्यों में से हैं। वह पहले मुख्य कारोबार अधिकारी थे। मोहित से पहले भी कईअधिकारी कंपनी से इस्तीफा दे चुके हैं।

शेयरों की कीमतों में हेरफेर के लिए25 पर 1.3 करोड़ जुर्माना: कैप्री ग्लोबल कैपिटल के शेयरों में हेरफेर कर कमाई करने वाले 25 लोगों पर सेबी ने 1.3 करोड़ जुर्माना लगाया है। इन लोगों को 45 दिन में इसका भुगतान करना होगा। सेबी ने कैप्री ग्लोबल के शेयरों की अगस्त, 2019 से जून, 2020 के बीच जांच की थी। इसमें पाया गया कि 25 लोग आपस में एक-दूसरे से जुड़े थे और शेयरों की कीमतों में हेराफेरी कर रहे थे। इसके बाद सेबी ने 24 लोगों पर 5-5 लाख व एक पर 10 लाख का जुर्माना लगा दिया। मासिक ऑफशोर डेरिवेटिव साधनों के नियमों के उल्लंघन के मामले में गोल्डमैन सैश ने 26.44 लाख का भुगतान कर सेबी के साथ मामला निपटा लिया है। एबीसी बियरिंग्स लि. ने भेदिया कारोबार के मामले में 44.20 लाख रुपये का भुगतान कर सेबी के साथ मामले का निपटान किया है।

एसजेवीएन में 4.92प्रतिशतहिस्सा बेचेगी सरकार: सरकार एसजेवीएन में 4.92 फीसदी हिस्सेदारी बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिये 69 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेचेगी। दो दिवसीय शेयर बिक्री की शुरुआत बृहस्पतिवार से होगी। सरकार को इससे 650 करोड़ रुपये से अधिक मिलेंगे।

कंपनियों के अतिरिक्त कारोबीस्थान का पता दर्ज करने को जियोकोडिंग शुरू: जीएसटी नेटवर्क पर पंजीकृत कंपनियों के अतिरिक्त कारोबार स्थल का पता दर्ज करने के लिए जियोकोडिंग सुविधा अब सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू हो गई है। फरवरी, 2023 से कारोबार के प्रमुख स्थान की जानकारी दर्ज करने के लिए जियोकोडिंग सुविधा लागू थी। जीएसटी नेटवर्क ने करदाताओं के लिए जारी एक परामर्श में कहा, कारोबारी प्रतिष्ठान इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का गलत तरीके से दावा करने के लिए फर्जी पता दर्ज करा देते थे। नई सुविधा से एकसमान अप्रत्यक्ष कर प्रणाली के तहत फर्जी पंजीकरणों पर रोक लगेगी। जीएसटी नेटवर्क अभी तक 2.05 करोड़ से अधिक पतों को कारोबार के प्रमुख और अतिरिक्त स्थान दोनों के लिए जियोकोडिंग कर चुका है। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स में वरिष्ठ साझेदार रजत मोहन ने कहा, जियोकोडिंग के जरिये कारोबार की सटीक भौगोलिक मौजूदगी की जानकारी देकर कर चोरी का पता लगाने में इसकी भूमिका अहम हो जाती है।

क्या है जियोकोडिंग

जियोकोडिंग भौतिक पते को भौगोलिक स्थान में परिवर्तित करने की प्रक्रिया है। इसमें अक्षांश और देशांतर का इस्तेमाल होता है। पते की सटीक जानकारी देकर लक्षित डाक और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने में इसकी अहम भूमिका होती है।

33 साल पुरानी कंपनी के आईपीओ का इश्यू प्राइस तय

नई दिल्ली, एजेंसी। अपडेटर सर्विसेज लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 280-300 रुपये प्रति शेयर का इश्यू प्राइस तय किया है। कंपनी के लिए आईपीओ 25 सितंबर को खुलेगा और 27 सितंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक 22 सितंबर को बोली लगा सकते हैं।

क्या है प्लान: आईपीओ में 400 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर की पेशकश की जाएगी। इसमें एक प्रवर्तक तथा मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 80 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल है। वहीं, आईपीओ से मिली आय का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, कार्यशील पूंजी संबंधी जरूरतों, विस्तार और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के आईपीओ से मूल्य दायरे के निचले और ऊपरी हिस्से से क्रमशः 624 करोड़ रुपये और 640 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है।

आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड, मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं और रजिस्ट्रार लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हैं। बता दें कि पिछले हफ्ते ही अपडेटर सर्विसेज लिमिटेड को आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिली।

33 साल पुरानी है कंपनी: अपडेटर सर्विसेज लिमिटेड की स्थापना 1990 में रघुनंदन तंगिरला ने की थी। अपडेटर सर्विसेज लिमिटेड तब से देश भर में 1,300 से अधिक ग्राहकों के साथ भारत में लीडिंग सर्विस प्रोवाइडर है। कंपनी सॉफ्ट सर्विसेज, प्रोडक्शन सपोर्ट सर्विसेज, इंजीनियरिंग सर्विसेज, वेयरहाउसिंग मैनेजमेंट, कीट नियंत्रण और बागवानी जैसी सेवा लाइनों में काम करती है।

इको ऑस्कर्स: फाइनल में जगह बनाने वाली 15 कंपनियों में शामिल हुआ भारतीय स्टार्टअप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में खाद्य अपशिष्ट से निपटने वाला सौर ऊर्जा से चलने वाला तकनीकी उपक्रम ब्रिटेन के प्रिंस विलियम द्वारा स्थापित और इको ऑस्कर नामक 1 मिलियन पाउंड के अर्थशॉट पुरस्कार के लिए दुनिया भर में प्रतिस्पर्धा कर रहे 15 फाइनलिस्टों में शामिल है।

विश्वविद्यालय के सात दोस्तों निधि पंत, वैभव तिडके, स्वप्निल कोकते, गणेश भेरे, शीतल सोमानी, तुषार गावरे और अश्विन पावड़े द्वारा 2023 में स्थापित एस4एस टेक्नोलॉजीज को अर्थशॉट प्राइज टू बिल्ड ए वेस्ट-फ्री वर्ल्ड श्रेणी में शॉर्टलिस्ट किया गया है।

एस4एस का अर्थ साइंस फॉर सोसाइटी है। इस कंपनी ने खाद्य अपशिष्ट, ग्रामीण गरीबी और लैंगिक असमानता की दिशा में काम किया। जिससे छोटी जोत वाली महिला किसानों को अधिशेष उपज को संरक्षित करने और विपणन करने में मदद मिली।

अर्थशॉट पुरस्कार में कहा गया है,

संगठन ग्रामीण समुदायों को कोल्ड स्टोरेज या पारंपरिक औद्योगिक खाद्य संरक्षण के अन्य अधिक महंगे तरीकों का उपयोग करने के बजाय साइट पर अपनी फसलों को तैयार करने के लिए सस्ते सौर-संचालित चालन ड्रायर और खाद्य प्रसंस्करण उपकरण प्रदान करता है।

महिला किसानों का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, एस4एस केचप जैसे मूल्यवान खाद्य उत्पादों के उत्पादन और बिक्री के लिए संरक्षित कचरे का उपयोग करने में अपने उद्यमियों का भी समर्थन करता है। एस 4 एस एक बाजार बनाता है, वाणिज्यिक खरीदारों को इन उत्पादों से जोड़ता है और उन्हें बनाने वाले किसानों को अधिकांश लाभ वापस करता है।

कोफाउंडर निधि पंत ने बताया, खाद्य अपशिष्ट, ग्रामीण गरीबी और लैंगिक असमानता भारत के लोगों के लिए आपस में गहराई से जुड़ी चुनौतियां हैं। एस4एस का अभिनव समाधान अत्याधुनिक तकनीक को व्यावहारिक समर्थन और प्रशिक्षण के साथ जोड़ता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिला किसान अपने और अपने परिवारों के लिए अपनी आजीविका में सुधार कर सकें।

वर्ष 2020 में प्रिंस विलियम की ओर से स्थापित, अर्थशॉट पुरस्कार का उद्देश्य हमारे ग्रह की रक्षा और पुनर्स्थापना के लिए दुनिया के सबसे नवीन जलवायु व पर्यावरणीय समाधानों की खोज और मदद करना है। यह पुरस्कार प्रोटेक्ट एंड रिस्टोर नेचर के पांच अर्थशॉट्स के आसपास केंद्रित है। इसका लक्ष्य हमारी हवा को साफ करना, हमारे महासागरों को पुनर्जीवित करना, एक अपशिष्ट मुक्त दुनिया का निर्माण करना और हमारी जलवायु को ठीक करना है।

अडानी की हरित ऊर्जा परियोजनाओं में 30 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी फ्रांस की टोटल

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस की टोटल एनर्जीज एसई अडानी ग्रुप के साथ नवीकरणीय ऊर्जा योजना के लिए एक नए ज्वाइंट वेंचर में 30 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी। भारतीय ग्रुप ने बुधवार को शेयर बाजारों को इस बारे में जानकारी दी। अडानी ग्रुप की रन्यिूएबल एनर्जी कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लि. ने कहा, 'टोटल सीधे खुद या अपनी सहयोगी इकाइयों के जरिए एजीईएल के साथ 50:50 अनुपात वाली संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन के लिए 30 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी।'

नई संयुक्त उद्यम कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी ट्वंटी थ्री लि. के पास 1,050 मेगावाट है। इसमें पहले से परिचालन में आ चुका 300 मेगावाट शामिल है। इसके अलावा 500 मेगावाट निर्माण के चरण में है। 250 मेगावाट विकास के चरण में है।

पोर्टफोलियो में सौर और पवन ऊर्जा दोनों शामिल हैं। इस साल की शुरुआत में आई हंडिनबर्ग की रपिोर्ट के बाद यह अडानी ग्रुप की कंपनयिों में नविश की बड़ी डील है।

आपको बता दें हिंडनबर्ग की तरफ से अडानी ग्रुप पर आरोप लगाया गया था कि उसने लस्टिेड कंपनयिों के स्टॉक में हेरफेर किया है। इसके बाद अडानी ग्रुप की कंपनयिों के शेयर में बड़ी गरिावट देखी गई थी। इसका असर यह हुआ कि शेयर 52 हफ्ते के नचिले लेवल पर पहुंच गए। हालांकि इन सभी आरोपों से अडानी ग्रुप ने इनकार कयिा था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट की तरफ से मामले की जांच के लएि छह सदस्यीय समतिि गठति की गई थी। इस समतिि ने जांच के बाद सुप्रीम कोर्ट में अपनी रपिोर्ट सौंप दी है। इस रपिोर्ट में अडानी ग्रुप पर हिंडनबर्ग की तरफ से लगाए गए आरोपों से क्लीन चटि दे दी है।

इंडिया रेटिंग्स ने 2023-24 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनमान बढ़ाकर 6.2 प्रतिशत किया

मुंबई एजेंसी। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान 5.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने बुधवार को कहा कि सरकार के बढ़े हुए पूंजीगत व्यय, घरेलू कंपनियों एवं बैंकों के बही-खातों में कर्ज की कमी, वैश्विक जिंस कीमतों में नरमी और निजी निवेश में तेजी की उम्मीद जैसे कई कारकों की वजह से उसने वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाया है। हालांकि, इंडिया रेटिंग्स ने अगले साल होने वाले आम चुनावों के पहले जीडीपी वृद्धि की राह में कुछ चुनौतियों को लेकर आगाह भी किया है। इनमें वैश्विक वृद्धि दर में गिरावट से भारत के निर्यात में सुस्ती, वित्तीय परिस्थितियों की वजह से पूंजी की लागत बढ़ना और मानसूनी बारिश में कमी के साथ विनिर्माण क्षेत्र की नरमी शामिल हैं। रेटिंग एजेंसी के प्रमुख अर्थशास्त्री सुनील कुमार सिन्हा ने कहा, ''ये सभी जोखिम वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी वृद्धि को प्रभावित और बाधित करना जारी रखेंगे। जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत पर रही वृद्धि दर के अगली तीनों तिमाहियों में सुस्त पड़ने के ही आसार दिख रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहेगी। इसके पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रही थी। रेटिंग एजेंसी के मुताबिक, उपभोग मांग व्यापक आधार वाली नहीं है और निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) 6.9 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 7.5 प्रतिशत था। निम्न आय वर्ग से संबंधित परिवारों की वास्तविक वेतनवृद्धि वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही से ही नकारात्मक रही है और सिर्फ अक्टूबर-दिसंबर, 2022 की तिमाही में ही यह मामूली रूप से बढ़ी है। रिपोर्ट कहती है कि उच्च आय वर्ग से संबंधित परिवारों की वास्तविक वेतनवृद्धि 9.5 प्रतिशत से 12.7 प्रतिशत के बीच रह सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश का निर्यात प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर रहा है जबकि सेवा क्षेत्र में सुधार हो रहा है लेकिन मानसूनी वर्षा और औद्योगिक वृद्धि 'चिंता का क्षेत्र बने हुए हैं।

भारत के खिलाफ पहले वनडे मैच के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

स्टार्क और मैक्सवेल बाहर

मोहाली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मिशेल स्टार्क और ग्लेन मैक्सवेल भारत के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय मैच से बाहर हो गए हैं, जबकि स्टीव स्मिथ टीम में वापसी करेंगे। शुक्रवार 22 सितम्बर को मोहाली स्थित पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पहले मैच से पूर्व ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे के लिए टीम की घोषणा की।

प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख खिलाड़ियों जैसे मिचेल स्टार्क, ग्लेन मैक्सवेल और स्टीव स्मिथ की फिटनेस के बारे में अपडेट किया और कहा कि मिचेल स्टार्क और ग्लेन मैक्सवेल शुक्रवार का मैच नहीं खेल पाएंगे जबकि स्टीव स्मिथ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालिया सीरीज से बाहर होने के बाद वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं, मेरी कलाई अब ठीक हो गई है। मैं तीनों मैच खेलने की उम्मीद कर रहा हूं। स्टार्क कल नहीं खेलेंगे, उम्मीद है कि बाद में श्रृंखला में वह अच्छी गेंदबाजी करेंगे, मैक्सवेल के साथ भी ऐसा ही होगा। हम बीच में सभी को मैच का समय देने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि हम कुछ हफ्तों में विश्व कप में जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, ÷वह (स्टीव स्मिथ) बिल्कुल अच्छे हैं, वह कल खेलेंगे, उसकी कलाई 100 फीसदी फिट लग रही है। कमिंस और स्टीव स्मिथ कलाई की चोटों से जूझ रहे थे, जबकि मिशेल स्टार्क को यूके से लौटने पर कमर और कंधे में दर्द का सामना करना पड़ा। ग्लेन मैक्सवेल, जो शुरू में दक्षिण अफ्रीका दौरे का हिस्सा थे, अपने टखने की चोट से जूझ रहे हैं, जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20आई श्रृंखला से पहले प्रशिक्षण के दौरान बढ़ गई थी और फिर अपने बच्चे के जन्म के लिए घर वापस आ गए।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने यह भी कहा कि वे टीम में चार फ्रंटलाइन गेंदबाज शामिल करेंगे जबकि एडम ज़म्पा उनकी प्रभावी गेंदबाजी को देखते हुए डेथ ओवरों में तीन से चार ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमने चार फ्रंटलाइन गेंदबाज चुने हैं, जिन्हें सभी चरणों में गेंदबाजी करने के लिए तैयार रहना चाहिए। विशेष रूप से, जम्पा न केवल रन रेट को कम रखने में प्रभावी है, बल्कि डेथ ओवरों में कुछ विकेट लेने में भी प्रभावी है, जो वास्तव में महत्वपूर्ण भी है। यह आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर हम उससे 3-4 ओवर करा लें।

भारत के खिलाफ पहले वनडे के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम – पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क , मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम जम्पा।

अंतिम वनडे के लिए भारतीय टीम – रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, (उप-कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर , अक्षर पटेल (फिटनेस के आधार पर), वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, आर अश्विन, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज।

जब मिले दो खास यार, गौतम गंभीर और शाहरुख खान की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल

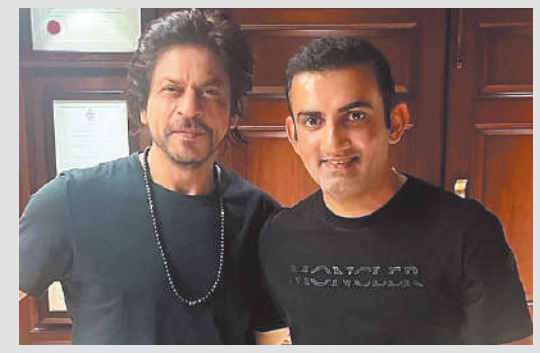

नई दिल्ली(एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स के पूर्व कप्तान गौतम गंभीर ने बॉलीवुड किंग शाहरुख खान से मुलाकात की। भारतीय टीम के पूर्व ओपनर गंभीर ने शाहरुख खान के साथ फोटो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। गौतम गंभीर और शाहरुख खान का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। गंभीर ने एसआरके के साथ फोटो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, वो सिर्फ बॉलीवुड के किंग नहीं बल्कि दिलों के भी राजा हैं। हर बार जब हम मिलते हैं तो मैं ढेर सारा प्यार और इज्जत लेकर लौटता हूं। आपसे बहुत कुछ सीखने को है। आसानी से सर्वश्रेष्ठ।

गंभीर-खान कहां हैं व्यस्त – गौतम गंभीर इस समय क्रिकेट कमेंट्री कर रहे हैं। वहीं शाहरुख खान जवान फिल्म की प्रमोशन में व्यस्त हैं। गौतम गंभीर आगामी वर्ल्ड कप में भी कमेंट्री करते हुए नजर आएंगे। इसके बाद उनके केकेआर में लौटने की खबरें आ सकती हैं। फैंस को इस पल का बेसब्री से इंतजार होगा।

- **जवान फिल्म हुई सुपरहिट** – शाहरुख खान इन दिनों अपनी नई फिल्म जवान के कारण चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। जवान फिल्म ने रिकॉर्डतोड़ कमाई की और शाहरुख की एक्टिंग को फैंस ने काफी पसंद किया है। शाहरुख खान की जवान ने बॉक्स ऑफिस में तो झंडे गाड़े और रोमांस किंग ने एक्शन हीरो के रूप में लोगों के दिल में अपनी जगह बनाई।
- **गौतम गंभीर की वापसी** –वैसे, गौतम गंभीर और शाहरुख खान की मुलाकात के बाद यह कयास लगाए जा रहे हैं कि पूर्व भारतीय ओपनर की कोलकाता नाइटराइडर्स खेमे में वापसी हो रही है। गौतम गंभीर ने अपनी कप्तानी में दो बार कोलकाता नाइटराइडर्स को आईपीएल चैंपियन बनाया है। इस समय गंभीर लखनऊ सुपरजायंट्स के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इस मुलाकात के बाद लोग अटकलें लगा रहे हैं कि गौतम गंभीर की केकेआर में वापसी होगी।

मुझे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है, भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले बोले स्मिथ

मोहाली (एजेंसी)। कलाई की चोट से उबरकर वापसी करने वाले ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भारत के खिलाफ पहले वनडे से पूर्व नेट पर दो घंटे बल्लेबाजी करने के बाद कहा कि उन्हें बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। स्मिथ को दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान बाईं कलाई में चोट लगी थी। उन्होंने पहली पारी में 110 रन बनाए थे। उन्होंने नेट पर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस का सामना किया जो कलाई की चोट से उबरने के बाद टीम में लौटे है। स्मिथ ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, 'मैने कमिंस का सामना किया और बल्लेबाजी करके मुझे बहुत अच्छा लगा। मैने दौड़ भी लगाई। मुझे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। एशेज के दौरान कोर्टिसोन इंजेक्शन लेने वाले स्मिथ को भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले भी इंजेक्शन लेना पड़ा। उन्होंने कहा, 'इंजेक्शन लेने के कुछ दिन बाद मुझे अच्छा महसूस होने लगा। कैचिंग में दिक्कत थी लेकिन अब अच्छा लग रहा है।

सीरीज अश्विन के लिए एक परीक्षा होगी, बोले अमित मिश्रा

मोहाली (एजेंसी)। वनडे टीम में रविचंद्रन अश्विन के आश्चर्यजनक चयन और विश्व कप टीम में संभावित समावेशन ने कई प्रशंसकों और विशेषज्ञों को आश्चर्यचकित कर दिया है। एशिया कप 2023 जीतने के बाद भारत वनडे विश्व कप 2023 से पहले अपनी तैयारियों को दुरुस्त करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि इससे पहले अमित मिश्रा ने अश्विन को वनडे में शामिल ना करने का एक मात्र कारण बताया है।

मिश्रा ने अश्विन के बहिष्कार पर कुछ अंतर्दृष्टि प्रदान की। मिश्रा ने गुणवत्तापूर्ण गेंदबाज और विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में अश्विन की सराहना की, लेकिन एकदिवसीय क्रिकेट में क्षेत्ररक्षण पर जोर दिया। टी20 मैचों के विपरीत वनडे में एक खिलाड़ी को 10 ओवर गेंदबाजी करनी होती है, 40 ओवर क्षेत्ररक्षण करना होता है और संभावित रूप से बल्ले से योगदान देना होता है। मिश्रा ने कहा कि अश्विन के क्षेत्ररक्षण कौशल और दाएं हाथ की बल्लेबाजी उन्हें अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा जैसे बाएं हाथ के समकक्षों से अलग करती है। उन्होंने सुझाव दिया कि एक ऑफ स्पिनर के रूप में उनकी दक्षता को देखते हुए स्पिनर की चोट के मामले में अश्विन को मुख्य रूप से विकेट लेने के विकल्प के रूप में चुना गया था।

मिश्रा ने कहा, अश्विन निस्संदेह एक गुणवत्ता वाले गेंदबाज और विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, लेकिन याद रखें कि यह 20 ओवर का खेल नहीं है। यह 50 ओवर का है। आपको 10 ओवर गेंदबाजी करनी होगी और 40 ओवर क्षेत्ररक्षण करना होगा और बल्लेबाजी भी करनी पड़ सकती है। इसमें कोई शक नहीं कि वह इतने लंबे समय से हैं, विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे हैं, लेकिन क्षेत्ररक्षण का भी मामला है और इसीलिए एक युवा खिलाड़ी को चुना जा सकता है।

आगामी भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया सीरीज अश्विन के लिए एक परीक्षा होगी। टीम प्रबंधन का लक्ष्य यह आकलन करना है कि क्या उनमें अभी भी वनडे प्रारूप में विकेट लेने की क्षमता है। अश्विन के अलावा वाशिंगटन सुंदर की मौजूदगी स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर विकल्पों में जटिलता की एक और परत जोड़ती है। मिश्रा ने बताया कि अश्विन और सुंदर के बीच चयन पिच की स्थिति पर निर्भर करेगा। यदि विकेट स्पिन के पक्ष में है, तो अश्विन को मौका मिल सकता है जबकि सुंदर की क्षेत्ररक्षण क्षमता अन्य सतहों पर काम आ सकती है। मिश्रा ने कहा, भारतीय टीम यह देख रही होगी कि अश्विन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कैसी गेंदबाजी करेंगे, और यह आकलन करेंगे कि क्या उनके पास अभी भी इस प्रारूप में विकेट लेने की क्षमता है। उनके टीम में नहीं होने का एकमात्र कारण उनकी फील्डिंग और दाएं हाथ का बल्लेबाजी क्षमता का प्रदर्शन है। यह विकेट पर निर्भर करेगा। अगर विकेट सूखा है तो अश्विन को चुना जाएगा या फिर सुंदर को चुना जाएगा, जो अपनी फील्डिंग क्षमताओं से भी बढ़त बनाते हैं।

संजू सैमसन को अपने मौके का इंतजार करना होगा: हरभजन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को एशिया कप 2023, विश्व कप, एशियन गेम्स और ऑस्ट्रेलियाई सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया। संजू को लगातार टीम इंडिया से ड्रॉप करने के बाद फैंस काफी नाराज नजर आ रहे हैं। वनडे विश्व कप 2023 के लिए भी संजू की जगह सूर्यकुमार यादव को वनडे में तरजीह दी जा रही है। ये जानते हुए कि सूर्या के वनडे के आंकड़े खराब है, फिर भी उन्हें मौका मिल रहा है। बता दें कि विश्व कप से पहले भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है, जिसमें भी संजू सैमसन को टीम में जगह नहीं मिली। इस कड़ी में पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने एक बड़ा बयान दिया। भज्जी ने अपने यूट्यूब चैनल पर संजू सैमसन को नजरअंदाज करने के पीछे की बड़ी वजह बताई है। दरअसल, हरभजन सिंहने कहा,संजू सैमसन के बाहर होने से काफी बहस छिड़ गई है। अगर आपका वनडे में औसत 55 का है और फिर भी आपको टीम से ड्रॉप किया जाता है तो ये निश्चित रूप से अजीब तो है, लेकिन मुझे लगता है कि संजू को इसलिए नहीं चुना गया, क्योंकि भारत के पास पहले से ही दो विकेटकीर केएल राहुल और ईशान किशन हैं, दोनों ही विश्व कप टीम का हिस्सा है। इसके साथ ही भज्जी ने कहा कि अगर वह सेलेक्टर होते तो वह वनडे में संजू सैमसन के स्थान पर केएल राहुल को ही चुनते। उन्होंने आगे कहा कि संजू सैमसन को अपने मौके का इंतजार करना होगा। मुझे पता है कि इसे कई बार स्वीकार आसान नहीं होता है। हर किसी को ठेस पहुंचती है, लेकिन उम्र उसके पक्ष में है और मैं उससे कड़ी मेहनत जारी रखते की सलाह देता हूं।

इस विश्व कप के बाद हम अक्सर शुबमन गिल के बारे में बात करेंगे : सुरेश रैना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस साल के पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के खत्म होने के बाद क्रिकेट जगत में लोग दाएं हाथ के युवा बल्लेबाज के बारे में अधिक बात करेंगे। भारत की विजयी 2018 पुरुष अंडर-19 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट नामित गिल पिछले 1.5 वर्ष से प्रारूप में लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैचों के साथ-साथ घरेलू धरती पर पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारत की टीम का हिस्सा हैं। वह हाल ही में एशिया कप में अग्रणी रन-स्कोरर थे जहां उन्होंने पांच मैचों में 75.50 की औसत और 93.50 की स्ट्राइक-रेट से 302 रन बनाए।

रैना ने कहा, वह डेढ़ साल से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्हें बीच में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन जिस तरह से उन्होंने वापसी की और एशिया कप में अच्छे रन बनाए। वह सकारात्मक दिख रहे हैं, अच्छे फुटवर्क का उपयोग कर रहे हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ 40 रन पर आउट होने के बाद अब वह आराम से 50 और यहां तक कि 100 रन भी बना रहे हैं। उन्होंने कहा, वह विश्व कप में सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक होगा। मुझे पता है कि वह सुपरस्टार बनना चाहता है और अगला विराट कोहली बनना चाहता है और वह पहले से ही उस आभा में है और इस विश्व कप के बाद हम उसके बारे में अधिक बार बात करेंगे।

शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली के पीसीए स्टेडियम में होने वाले वनडे मैच में पहली बार होगा जब गिल अपने घरेलू मैदान पर कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे। भारत की 2011 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रैना को लगता है कि गिल वही कर सकते हैं जो कप्तान रोहित शर्मा ने 2019 में बल्ले से किया था, जहां वह प्रतियोगिता में रन बनाने वालों में अग्रणी थे।

मिस्टर आईपीएल ने कहा, वह अपने हाथ की गति के साथ जिस फॉर्म में खेल रहा है, वह बेहद मजबूत है। स्पिनरों को पता नहीं होता कि उन्हें कहां गेंदबाजी करनी है और अगर तेज गेंदबाज गेंद को स्विंग नहीं कराते हैं, तो वह स्ट्रेट या फ्लिक से उसे अच्छी तरह से खेल सकते हैं। उनकी मानसिकता यहीं नहीं रुकेगी। 2019 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा ने क्या किया; गिल इस साल भारत के लिए ऐसा ही कर सकते हैं।

एशियाई खेल : भारतीय महिला क्रिकेट टीम सेमीफाइनल में पहुंची

हांग्जो (चीन) (एजेंसी)। स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली टीम इंडिया गुरुवार को यहां पिंगफेंग कैंपस क्रिकेट फील्ड में मलेशिया के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में बारिश के कारण रद्द होने के बाद एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंच गई। खेल रद्द होने के बाद अधिक वरीयता के कारण भारत सेमीफाइनल में पहुंच गया।

जब बारिश कम होने का कोई संकेत नहीं दिखा और अगले एक घंटे तक खेल की संभावना नहीं दिखी तो मैच रद्द कर दिया गया। मलेशिया ने बादल छाए रहने की स्थिति में टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इससे पहले शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स की शीर्ष पारियों और ऋचा घोष के 21 रनों की तेज पारी ने भारत को बारिश से बाधित क्वार्टरफाइनल 1 मैच में मलेशिया के खिलाफ 173/2 पर पहुंचा दिया। आखिरी ओवर में ऋचा ने तीन चौके और एक छक्का लगाया।

बारिश की वजह से मैच 15 ओवर प्रति ओवर का कर दिया गया था। स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा दोनों मैच में थीं। पहले ओवर में शांत शुरुआत के बाद जबरदस्त एक्शन दिखा। भारतीय स्टार जोड़ी ने मलेशिया के खिलाफ बाउंड्री लगाईं। छठे ओवर में माहिरा इज़्जती इस्माइल ने अच्छी तरह से सेट बल्लेबाज मंधाना को 27 रन पर आउट कर दिया। मंधाना ने बैकवर्ड पॉइंट पर ऐना हमिजाह हाशिम को कैच थमा दिया। इसके बाद दाएं हाथ की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स आईं।

शैफाली और रोड्रिग्स ने मलेशियाई गेंदबाजों को मैदान के चारों स्कोर लगाए और 10वें ओवर में भारत को 100 रन के पार ले गए। शैफाली ने सिर्फ 31 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। शैफाली लय में थी और इच्छानुसार बाउंड्री लगा रही थी। 86 रन की साझेदारी टूटी क्योंकि मास एलिसा ने शैफाली का बड़ा विकेट लिया। भारतीय ओपनर 67 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। इसके बाद ऋचा घोष आईं और बल्लेबाज ने मास एलिसा को तीन चौके और एक छक्का लगाकर अपना खाता खोला और आखिरी ओवर में 20 रन जुटाए। ऋचा के धमाकेदार कैमियो ने भारत को 173/2 का लक्ष्य देने में मदद की।

एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत का ध्वजवाहक होना गर्व की बात : हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि हांगझोउ में शनिवार से शुरू हो रहे 19वें एशियाई खेलो के उद्घाटन समारोह में देश का ध्वजवाहक होना गर्व की बात है। भारतीय ओलंपिक संघ ने बुधवार को हरमनप्रीत और ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को 655 सदस्यीय भारतीय दल का ध्वजवाहक बनाया।

अतीत में धनराज पिल्लै (1998 और 2002), ज्योति सुनीता कुल्लू (2006), गगन नारंग (2010), सरदार सिंह (2014) और नीरज चोपड़ा (2018) भारत के ध्वजवाहक रह चुके हैं। हरमनप्रीत ने कहा, 'लवलीना बोरगोहेन के साथ संयुक्त रूप से भारत का ध्वजवाहक होना मेरे लिये फख्र की बात है। यह बड़े स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी है। मैं भावविभोर हूं। उन्होंने कहा, 'मैं लवलीना को भी इस मौके के लिए बधाई देना चाहता हूं। मैं जिस जुनून और प्रतिबद्धता के साथ खेलता आया हूं, उसी के साथ टीम की अगुवाई करूंगा। इन खेलों में हमारे देश की एकता और विविधता की भी बानगी मिलेगी और मैं पूरे गर्व के साथ अपना ध्वज थामूंगा।

तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत ने भारत के लिए सर्वाधिक छह गोल दागे थे। हाल ही में उनकी कप्तानी में भारत ने चेन्नई में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी जीती है। भारतीय टीम की तैयारी के बारे में उन्होंने कहा, 'हमारी पूरी टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत है। हमारा पहला फोकस ग्रुप चरण से आगे जाना है। हम किसी प्रतिद्वंद्वी को हलके में नहीं लेंगे। हर टीम अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाती है।

उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक के लिसे सीधे क्वालीफाई करना है। भारतीय टीम को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उजबेकिस्तान के साथ रखा गया है। पूल बी में कोरिया, मलेशिया, चीन, ओमान, थाईलैंड और इंडोनेशिया है। भारतीय टीम रविवार को उजबेकिस्तान से पहला मैच खेलेगी।

दक्षिण अफ्रीका को लगा बड़ा झटका, वनडे विश्व कप 2023 से बाहर हुए दो तेज गेंदबाज

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका ने पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे और सिसंडा मंगला 21 सितंबर को भारत में होने वाले आगामी वनडे विश्व कप से बाहर हो गए हैं। नॉर्टजे पीठ की समस्या से जूझ रहे हैं और उन्होंने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा वनडे खेला था। हालांकि तेज गेंदबाज पीठ की ऐंठन का हवाला देते हुए मैदान से बाहर जाने से पहले केवल पांच ओवर ही गेंदबाजी कर सका। नॉर्टजे की चोट से रिकवरी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुई जिसके कारण उन्हें विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया। यह टीम के लिए एक बड़ा झटका है क्योंकि आईपीएल में खेलने के कारण नॉर्टजे का अनुभव, कच्ची गति और भारतीय परिस्थितियों से परिचित होना प्रोटियाज़ के लिए फायदेमंद होता। एक अन्य तेज गेंदबाज सिसंडा मगाला भी विश्व कप के लिए समय पर अपनी चोटों से उबरने में असफल रहे। मगला के घुटने में चोट थी और उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में अपनी एकमात्र उपस्थिति दर्ज की, जहां उन्होंने केवल चार ओवर फेंके। उनकी चोट ने दक्षिण अफ्रीकी टीम के सामने चुनौतियां बढ़ा दी हैं। प्रोटियाज ने क्रमशः नॉर्टजे और मंगला के प्रतिस्थापन के रूप में एंडिले फेहलुकवायो और लिज़ाद विलियम्स को शामिल किया है। फेहलुकवायो ने दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए 76 वनडे मैच खेले हैं, जबकि विलियम्स ने अपने करियर में सिर्फ एक वनडे खेला था। दक्षिण अफ्रीका अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ करेगा।

वनडे विश्व कप 2023 के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम – तेम्बा बावुमा (कप्तान), गेराल्ड कोएत्ज़ी, क्विंटन डी कॉक, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, एंडिले फेहलुकवायो, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, तबरेज़ शम्सी, रासी वान डेर डुसेन, लिज़ाद विलियम्स

दिल्ली में होगा ट्विन टावर से बड़ा धमाका, बम से उड़ाए जाएंगे 12 टावर के 336 फ्लैट

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा में पिछले साल ट्विन टावर को उड़ाए जाने वाला धमाका आपको याद ही होगा। आपकी जेहन में वह दृश्य अब तक होगा कि कैसे 32 मंजिला टावर्स को बारूद में विस्फोट करके कुछ ही सेकेंड में मिट्टी में मिला दिया गया था। ऐसा ही सीन एक बार फिर दिखने वाला है। नोएडा के बाद अब दिल्ली में असुरक्षित करार दिए गए 12 टावर्स को उड़ाया जाएगा। मुखर्जी नगर में सिग्नेचर व्यू टावर्स को गिराने के लिए दिल्ली डिवेलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) के अधिकारी ट्विन टावर वाले फॉर्मूले को अपनाने जा रहे हैं। डीडीए के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि मुखर्जी नगर में ढहते

सिग्नेचर व्यू टावरों को सुरक्षित रूप से गिराने का एकमात्र तरीका नियंत्रित विस्फोट ही हो सकता है।

अधिकारियों ने कहा कि इस फैसले पर अंतिम मुहर विशेषज्ञों के साथ सलाह के बाद लगाई जाएगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मौके पर निरीक्षण और डिटेल सर्वे के बाद यह तय किया जाएगा कि किस तकनीक से टावर्स को गिराया जाए। सुरक्षा, समय और लागत को ध्यान में रखकर यह फैसला किया जाएगा। डीडीए के अधिकारियों ने कहा कि अभी तक सबसे सही विकल्प वही लग रहा है इसका इस्तेमाल करके नोएडा में पिछले साल ट्विन टावर्स को गिराया गया था। 2010 में सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट को बनाने वाले डीडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमारी आंतरिक चर्चा हुई है और अपार्टमेंट को समय से और कुशलतापूर्वक गिराने का एकमात्र तरीका विस्फोट ही है।

डीडीए इन टावर्स को गिराने के बाद दोबारा यहां निर्माण करेगा और तीन साल के भीतर उन्हें वापस लाया जाएगा। तब तक फ्लैट मालिक किराए के मकानों में रहेंगे। उन्हें किराए के तौर पर डीडीए की ओर से राशि का भुगतान किया जाएगा। नाम सार्वजनिक ना करने की अपील करते हुए अधिकारी ने बताया कि शुरुआती चुनौती जल्दी से जल्दी टावर्स को खाली कराना है। निवासियों से बातचीत हो चुकी है। दो महीने के भीतर इन टावर्स को खाली कर दिया जाएगा।

सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट में कुल 12 टावर हैं। इनमें 336 प्लैट बने हुए हैं। महज 13 साल पहले बने टावर खतरनाक हो चुके हैं। किसी दीवार में दरार तो किसी फ्लैट में छत टूटकर गिर रहा है। नवंबर 2022 में आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों ने इसकी जांच की और रिपोर्ट में बताया कि अपार्टमेंट रहने लायक नहीं है।

रेलवे ने हादसे में मौत या घायल होने पर मुआवजा 10 गुना बढ़ाया

नईदिल्ली, एजेंसी। रेलवे बोर्ड ने ट्रेन हादसों में किसी की मौत या घायल होने पर मिलने वाली सहायता राशि 10 गुना बढ़ा दी है। इस मुआवजे को आखिरी बार 2012 और 2013 में संशोधित किया गया था। पीटीआई-भाषा को मिले रेलवे के 18 सितंबर के सर्कुलर से इसकी जानकारी मिली है। इसके अनुसार, ट्रेन दुर्घटनाओं व अप्रिय घटनाओं में जान गंवाने वाले और घायल यात्रियों के आश्रितों को दी जाने वाली सहायता राशि को संशोधित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें कहा गया कि सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी मुआवजा बढ़ाया गया है, जो मानवयुक्त समपार फाटक पर रेलवे की जवाबदेही के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। यह 18 सितंबर से यानी परिपत्र जारी होने की तारीख से लागू होगा।

सर्कुलर के मुताबिक, ट्रेन और मानवयुक्त समपार दुर्घटनाओं में मृत यात्रियों के परिजन को अब 5 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को 2.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। साथ ही साधारण चोट वाले यात्रियों को 50,000 रुपये मिलेंगे। मालूम हो कि इससे पहले ये रकम क्रमशः 50,000 रुपये, 25,000 रुपये और 5,000 रुपये थी। इसमें कहा गया था कि किसी अप्रिय घटना में मृत व्यक्ति के आश्रितों, गंभीर रूप से घायल और साधारण रूप से घायल यात्रियों को क्रमशः 1.5 लाख रुपये, 50,000 रुपये और 5,000 रुपये मिलेंगे। आतंकवादी हमला, हिंसक हमला और ट्रेन में डकैती जैसे अपराध शामिल हैं। ट्रेन दुर्घटनाओं के मामले में गंभीर रूप से घायल यात्रियों को 30 दिनों से अधिक समय तक अस्पताल में भर्ती रखने पर अतिरिक्त अनुग्रह राहत की घोषणा की गई। परिपत्र में कहा गया, हर 10 दिन की अवधि के अंत या छुट्टी की तारीख, जो भी पहले हो 3,000 रुपये प्रति दिन जारी किए जाएंगे। रेलवे अधिनियम 1989 में ट्रेन दुर्घटनाओं और अप्रिय घटनाओं में यात्रियों की मृत्यु या चोट के लिए मुआवजा दायित्व निर्धारित किया गया है। दूसरी ओर, भारतीय रेलवे ने बच्चों के लिए यात्रा किराया नियमों में संशोधन करके पिछले 7 साल में 2,800 करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त कमाई की है। एक आरटीआई के जवाब से यह जानकारी मिली।

देश की महिला शक्ति को उनका अधिकार देने वाले प्रधानमंत्री मोदी जी का आभारः शाह

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में मंगलवार को लोकसभा में ऐतिहासिक महिला आरक्षण बिल को पेश किया गया। इस बिल का नाम 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' रखा गया है। इस मौके पर शाह ने देश की महिला शक्ति को उनका अधिकार देने के लिए मोदी जी का आभार प्रकट किया।

शाह ने कहा कि, 'मोदी जी ने 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता' को चरितार्थ करने का काम किया है। यह विधेयक महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। 27 साल से लंबित इस विधेयक के कानून बनते ही 543 सदस्यों वाली लोकसभा में महिला सदस्यों की मौजूदा संख्या 82 से बढ़कर 181 हो जाएगी। इसके पारित होने के बाद विधानसभाओं में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित हो जाएंगी। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने सदन को बताया कि यूपीए द्वारा पेश किया गया पुराना महिला आरक्षण विधेयक अभी भी सदन के समक्ष लंबित है। उन्होंने यह भी कहा कि पुराने बिल को लोकसभा से मंजूरी मिल चुकी है। इस झूठे दावे का पर्दाफाश करते हुए अमित शाह ने अधीर रंजन चौधरी को महिला आरक्षण विधेयक से संबंधित उनके तथ्यात्मक रूप से गलत बयानों पर स्पष्टीकरण देने को कहा।

शाह ने सदन में स्पष्ट किया कि, 'अधीर रंजन चौधरी ने फ़ैक्ट के साथ खिलवाड़ करते हुए दो गलत बयान दिए हैं। उन्हें सबूत सामने लाकर सदन के पटल पर रखना चाहिए। अगर विधेयक लोकसभा में पारित हो गया और उसे राज्यसभा में पारित नहीं किया गया। वहीं, उस दौरान लोकसभा का कार्यकाल समाप्त हो गया तो विधेयक खुद ही खारिज माना जाता है।'

मुख्यमंत्री सुक्खू का ऐलान- जल्द ही हिमाचल में बड़े पैमाने पर सरकार देगी नौकरियां

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर सरकारी नौकरियों के लिए वैकेंसी आने वाली है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने बुधवार को कहा- कांग्रेस ने चुनाव के समय युवाओं के लिए रोजगार की गारंटी दी थी। सरकार निश्चित तौर पर इस गारंटी को पूरा करेगी। प्रदेश सरकार अगले पांच वर्षों में पांच लाख लोगों को रोजगार देगी। 10 हजार नौकरियां तो इसी साल दी जाएंगी। प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के अनुपूरक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार प्रदान करने के लिए श्रम एवं रोजगार विभाग सबसे महत्वपूर्ण विभाग है। आगे जितने भी रोजगार निकलेंगे, श्रम एवं रोजगार विभाग में उनके लिए ट्रैक एवं ट्रैस नियम बनाया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने वादा किया था कि पांच लाख सरकारी नौकरियां देगी। कांग्रेस सरकार का नौ महीनों का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। इन नौ महीनों में कितने लोगों को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर को भंग करना समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि भंग कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर की परीक्षाओं के परिणाम लंबे समय से लंबित हैं। इस कारण 3500 बेरोजगारों का भविष्य संकट में है। केवल जांच का बहाना बनाकर

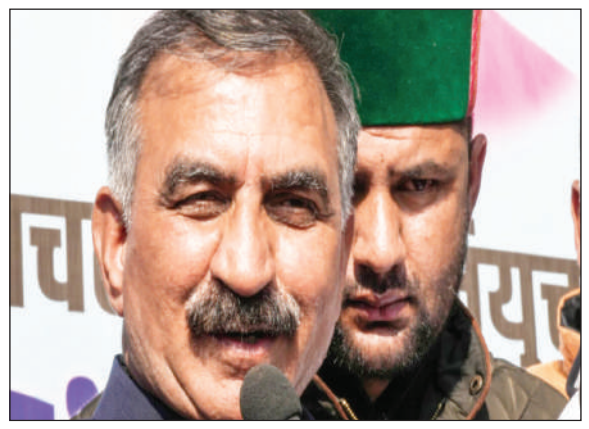

मामलों को लटकाया जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत नया नाम देकर आयोग बनाया है। नाम बदलने से कोई समाधान नहीं होगा।

इससे पहले विधायक कुलदीप पठानिया के मूल सवाल का जवाब देते हुए श्रम एवं रोजगार मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल ने कहा कि कर्मचारी चयन आयोग में बड़े पैमाने में पेपर बेचे गए थे जिसके बाद उसकी जांच चल रही है। इसलिए कई परीक्षाओं के परिणाम अभी रोके गए हैं। उन्होंने सदन को आश्वासन दिया कि जल्द ही नौकरियों का पिटारा खुलने जा रहा है। इसके तहत शिक्षा विभाग में छह हजार पदों को भरा जाएगा जबकि पांच हजार जल रक्षक व तीन हजार वन मित्रों के पदों को भरा जाएगा। सरकार ने पिछले कुछ समय में रोजगार मेलों की संख्या को बढाया है। श्रम एवं रोजगार मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल ने कहा कि बेरोजगारी एक ज्वलंत मुद्दा है और वर्तमान सरकार इसे लेकर गंभीर है। पड़ोसी राज्यों और अखिल भारतीय स्तर पर सामान्य स्थिति के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी दर सबसे कम 4.0 प्रतिशत है। यह दर अखिल भारतीय स्तर पर 4.1 प्रतिशत है। पड़ोसी राज्यों पंजाब, हरियाणा और उतराखंड में बेरोजगारी दर हिमाचल से काफी ज्यादा है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने प्रश्नकाल में कहा कि राज्य सरकार द्वारा भंग किए गए कर्मचारी चयन आयोग हमीरपर में कई भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बेचे गए हैं। पेपर लीक प्रकरण में अब तक 65 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सुक्खू ने कहा कि सरकार ने निर्णय लिया है कि कर्मचारी चयन आयोग की सभी परीक्षाएं लोक सेवा आयोग आयोजित करेगा। अब तक लोकसेवा आयोग ने छह पोस्टकोड़ों के 329 पदों का परिणाम घोषित कर दिया है। जबकि 300 पदों के घोषित होने बाकी हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि भंग किए गए चयन आयोग द्वारा ली गई जो परीक्षाएं जांच के दायरे में नहीं हैं, उनके परिणामों तीन माह में घोषित होगा। उन्होंने कहा कि राज्य चयन आयोग को जल्द क्रियाशील किया जाएगा। इसके लिये नई भर्ती एजेंसी स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। इसे लेकर पूर्व आईएएस अधिकारी दीपक शानन की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है। नय चयन आयोग में पारदर्शी व्यवस्था बनाई जा रही है। इसके तहत राज्य चयन आयोग में सभी भर्तियां कंपयूटर आधार पर होंगी और किसी भी तरह का मानवीय हस्तक्षेप नहीं रहेगा। नए राज्य चयन आयोग की व्यवस्था में भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बदल कर आएंगे। इस आयोग में ली जाने वाली परीक्षाओं के परिणाम एक सप्ताह में घोषित किए जाएंगे। जल्द अधिकारियों की नियुक्तियां की जाएंगी।

थाली में लगा पैर, गुस्साई महिला ने नाबालिग छात्रा को दूसरी मंजिल से दिया धक्का; हालत गंभीर

नईदिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के सैन विहार कॉलोनी में थाली में पैर लगने से गुस्साई महिला ने सातवीं कक्षा की छात्रा को दूसरी मंजिल से धक्का देकर गिरा दिया। घटना में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने आनन-फानन में छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया। क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस का कहना है कि हत्या की कोशिश का केस दर्ज कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है।

रोहित का कहना है कि वह सैन विहार कॉलोनी में यादराम दीवान जी के मकान में परिवार के साथ किराए पर रहते हैं। बुधवार को सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली उसकी 14 वर्षीय बहन संतरेश पौधों को पानी देने के लिए दूसरी मंजिल की छत पर गई थी। वहां पर मकान में ही किराए पर रहने वाली रेनू नाम की महिला भी मौजूद थी। अंधेरा होने के कारण संतरेश का पैर छत पर रखी रेनू की थाली से लग गया। इसी बात को लेकर तैश में आई रेनू ने गाली-गलौच और मारपीट शुरू कर दी।

रोहित का आरोप है कि इसी दौरान रेनू ने उनकी बहन को धक्का देकर छत से गिरा दिया। दूसरी मंजिल से गिरने के कारण उसकी बहन के दांत टूट गए तथा चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोट आई। परिजनों ने आनन-फानन में संतरेश को अस्पताल में भर्ती कराया। एसीपी वेव सिटी सलोनी अग्रवाल का कहना है की हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है।

ब्रिटेन में गणेश चतुर्थी कार्यक्रम के दौरान गिरफ्तार भारतीय मूल के व्यक्ति को पुलिस ने छोड़ा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में गिरफ्तार किए गए भारतीय मूल के व्यक्ति को पुलिस ने रिहा कर दिया है। इस 55 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति को गणेश चतुर्थी समारोह के दौरान आपातकालीन कार्यकर्ता पर हमला करने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। बेलग्रेव रोड लीसेस्टर पर सोमवार को हुए एक धार्मिक उत्सव समारोह के बाद एक जुलूस से संबंधित घटना की जांच जारी है। लीसेस्टर पुलिस ने एक बयान में कहा, 55 वर्षीय एक व्यक्ति को 18 सितंबर को लीसेस्टर के बेलग्रेव रोड पर एक आपातकालीन कर्मचारी के हमले के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया और पूछताछ के बाद उसे रिहा कर दिया गया। हिंदू वकालत समूह इनसाइट यूके द्वारा मंगलवार को एक्स पर एक वीडियो साझा किए जाने के बाद पुलिस का बयान जारी किया गया था, जिसमें कहा गया था कि एक हिंदू पुजारी को धक्का दिया गया और दुर्व्यवहार किया गया। पुलिसकर्मी की पहचान लीसेस्टर पुलिस के एडम अहमद के रूप में करते हुए, समूह ने कहा कि उसने शांतिपूर्ण हिंदू भक्तों के खिलाफ अत्यधिक बल का इस्तेमाल किया। इनसाइट यूके ने एक्स पर लिखा, पिछली रात (19 सितंबर) लीसेस्टरशायर पुलिस के अधिकारी एडम अहमद ने गणेश चतुर्थी मना रहे शांतिपूर्ण हिंदू भक्तों के खिलाफ अत्यधिक बल का इस्तेमाल किया। पुलिस के अधिकारी एडम अहमद ने हिंदू पुजारी के साथ मारपीट की। समूह ने वीडियो के साथ एक पोस्ट में लिखा, हम अधिकारी की हरकतों की निंदा करते हैं और मानते हैं कि अहमद की हरकतें अनावश्यक थीं। पुलिस ने कहा कि उसके अधिकारी केवल यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि कार्यक्रम का आयोजन किसने किया था, और ऐसे कार्यक्रमों और जुलूसों के आयोजकों के लिए पुलिस को पहले से ही सूचित किया जाना चहिए। पुलिस के बयान में कहा गया है, हम चाहते हैं कि सभी समुदाय सुरक्षित रूप से त्योहार मनाएं, यही कारण है कि हम आयोजकों को किसी भी जुलूस, उत्सव या कार्यक्रम की पुलिस और परिषद को पहले से सूचना देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

डर पैदा दिमाग में और महसूस पेट-छाती में होता है

लंदन एजेंसी। डर और एंग्जायटी...पेट में हलचल पैदा कर देते हैं। एसी स्थिति में सांसें तेज होने लगती हैं, घबराहट भी महसूस होती है। लेकिन दिमाग में किसी तरह का एहसास या दर्द नहीं होता। दूसरी तरफ साइंस कहता है कि डर और एंग्जायटी दिमाग में पैदा होते हैं। यहीं से प्रोसेस भी होते हैं। अब आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि जब ये पैदा दिमाग में होते हैं तो महसूस पेट या दिल में क्यों होते हैं। आइए इसका जवाब जानते हैं... रिसर्चर्स कहते हैं कि इमोशन्स दिमाग में बनते हैं और हमारा शरीर इनका रिएक्शन दे रहा होता है। इसे समझने के लिए दिमाग के उन हिस्सों को समझना होगा जो डर को प्रोसेस करते हैं। आइए इन्हें जानें...

दिमाग का ये हिस्सा कान के पास होता है। बादाम जैसा दिखने वाला अमिगडला किसी स्थिति की प्रमुखता या भावनात्मकता का पता लगाता है और उस पर कैसे प्रतिक्रिया देनी है ये तय करता है। जब आप किसी चीज को देखते हैं तो अमिगडला तय करता है कि उस चीज पर क्या प्रतिक्रिया दी जानी चाहिए। यानी उस चीज को खाना चाहिए, उससे दूर भागना चाहिए या उस पर हमला करना चाहिए। थ्रेट डिटेक्शन यानी डर का पता लगता बेहद अहम है। ये प्रोसेस काफी तेज होती है, इसलिए अमिगडला लॉजिक लगाए बिना ही रिएक्शन देता है। उदाहरण के लिए जब हम किसी जानवर को अपनी तरफ आते हुए देखते हैं तो उस पर बिना सोचे ही हमला करने लगते हैं।

अजरबैजान ने 24 घंटे में कारबाख पर कब्जा किया

आर्मेनिया के अलगाववादियों का दावा- हमले में 200 की मौत; रूस ने सीजफायर करवाया

कारबाख एजेंसी। अजरबैजान ने 24 घंटे तक चली झड़प के बाद नागोर्नो-कारबाख इलाके पर वापस कब्जा कर लिया है। गुरुवार को अजरबैजान के राष्ट्रपति ने इसकी घोषणा की। अलगाववादियों की फोर्स के सरेंडर के बाद उन्होंने सेना के जज्बे की तारीफ की।

अजरबैजान ने 19 सितंबर को आर्मेनिया के नागोर्नो-कारबाख इलाके में सेपरेटिस्ट्स के खिलाफ हमला कर दिया था। अजरबैजान का कहना था कि ये लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक नागोर्नो-कारबाख के अलगाववादी सरेंडर नहीं कर देते।

आर्मेनिया के अधिकारी बोले- झड़प में 32 लोग ही मारे गएः आर्मेनिया की तरफ से कोई सहायता नहीं मिलने के बाद काराबाख में मौजूद सेपरेटिस्ट्स ने सरेंडर कर दिया। आर्मेनियन अधिकारियों के मुताबिक

हमले में 7 नागरिकों सहित 32 लोगों की मौत हो गई और 200 लोग घायल हुए हैं।

वहीं आर्मेनिया सेपरेटिस्ट के ह्यूमन राइट्स अधिकारियों के मुताबिक हमले में करीब 200 लोगों की मौत हुई है, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हालांकि, इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं हुई है। अजरबैजान के मुताबिक सीजफायर से पहले उनकी सेना ने अलगाववादियों के करीब 90 ठिकानों पर कब्जा कर लिया था। 20 सितंबर को रूस पीसकीपर्स के जरिए दोनों पक्षों के बीच सीजफायर समझौता हुआ। यह समझौता अजरबैजान की शर्तों पर हुआ। इसके बाद से अजरबैजान की सेना ने आर्मेनिया पर अपने सैन्य ऑपरेशन को रोक दिया है। समझौते के लेकर दोनो पक्षों की पहली मीटिंग 21 सितंबर को अजरबैजान के येवलाख शहर में होगी। समझौते के मुताबिक, कारबाख फोर्स को भंग करके उनके हथियार जब्त किए जाएंगे। इसके अलावा इलाके से आर्मेनिया की सेना को भी पीछे हटने के लिए कहा गया है। हालांकि, आर्मेनिया की सरकार ने दावा किया है कि उनकी सेना कभी भी कारबाख क्षेत्र में तैनाती ही नहीं थी। हमले के बाद आर्मेनिया की राजधानी येरेवान में प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान के खिलाफ प्रदर्शन हुआ। लोगों ने पाशिनयान से स्थिति न संभाल पाने के बाद इस्तीफा की मांग की। सुरक्षाबल और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। दोनों देशों के बीच पहले भी समझौता करा चुके रूस ने हमले की निंदा की थी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि हम दोनों देशों से खून-खराबा रोकने, दुश्मनी खत्म करने और नागरिकों को बचाने का आग्रह करते हैं। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अजरबैजान से अपने सैन्य ऑपरेशन को तुरंत रोकने की अपील करते हुए कहा था कि विवाद का शांतिपूर्ण हल ढूंढने के लिए जरूरी है कि अजरबैजान स्थिति को और खराब न करे। 2020 में अजरबैजान ने आर्मेनिया पर हमला कर दिया था। करीब छह हफ्ते चले युद्ध के बाद अजरबैजान की एकतरफा जीत हुई और उसने विवादित इलाके का बड़े हिस्से को अपने कब्जे में ले लिया था। इस युद्ध में दोनों देशों के 6,500 से ज्यादा लोग मारे गए थे। युद्ध विराम के लिए रूस को आगे आना पड़ा था। नवंबर 2020 में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने आर्मेनिया-अजरबैजान के बीच एक शांति समझौते करवाया था। दोनों देशों ने शांति समझौते पर साइन किए थे।

गूगल मैप को फॉलो करने पर गई जान

जीपीएस ने टूटे पुल पर चढ़ा दिया, 20 फीट नीचे गिरी कार; कंपनी पर मुकदमा दर्ज

उत्तरी कैरोलिना, एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में एक परिवार ने टेक कंपनी गूगल पर लापरवाही बरतने के चलते केस किया है। परिवार के सदस्य फिलिप पैक्सन की पिछले साल 30 सितंबर को गूगल मैप को फॉलो करने के चलते मौत हो गई थी।

पैक्सन जीपीएस की मदद से एक अनजान रास्ते पर जा रहे थे। गूगल मैप ने उन्हें जिस पुल पर भेजा वो टूटा हुआ था। जब तक पैक्सन कुछ समझ पाते उनकी कार पुल से 20 फीट नीचे गिर गई और उनकी जान चली गई। परिवार का आरोप है कि स्थानीय लोगों ने पुल के टूटे होने

की सूचना गूगल मैप को दी थी। इसके बावजूद कंपनी ने नेविगेशन सिस्टम को अपडेट नहीं किया और ये हादसा हो गया। वेक काउंटी सुपीरियर कोर्ट में मंगलवार को दायर मुकदमे के अनुसार, दो बच्चों के पिता फिलिप पैक्सन एक मेडिकल कंपनी में सेल्समैन थे। पिछले साल 30 सितंबर को वह अपनी बेटी की बर्थडे पार्टी मनाकर घर लौट रहे थे। रास्ता अनजान होने पर उन्होंने गूगल मैप की मदद ली। नेविगेशन सिस्टम ने उन्हें एक ऐसा रूट सजेस्ट किया जो पुल से होकर गुजरता था और ये पुल 9 साल पहले ही आधा टूट चुका था और उसकी मरम्मत नहीं की गई थी। पैक्सन गाड़ी लेकर पुल पर चढ़ गए और 20 फीट नीचे जाकर गिरे।

एक्सीडेंट के बाद आसपास के कुछ सुरक्षाकर्मी घटनास्थल पहुंचे। मुकदमे के अनुसार, चश्मदीदों ने बताया कि उस टूटे पुल पर कोई वॉर्निंग साइन भी नहीं लगा था। उत्तरी कैरोलिना पुलिस के मुताबिक, स्थानीय या राज्य अधिकारी पुल का रखरखाव नहीं कर रहे थे और जिस कंपनी ने पुल का निर्माण किया था वह बंद हो चुकी थी। मुकदमे में कई प्राइवेट बिल्डर्स कंपनियों के भी नाम हैं जिनके बारे में दावा किया गया है कि वे पुल और आसपास की भूमि के लिए जिम्मेदार हैं।

गूगल मैप में रूट को अपडेट करने का सजेशन दिया गया था

मुकदमे के अनुसार, कई लोगों ने पैक्सन की मौत से पहले गूगल मैप में रूट को अपडेट करने का सजेशन दिया था। इस केस में एक स्थानीय निवासी के ईमेल रिकॉर्ड शामिल हैं, जिन्होंने कंपनी को सचेत करने के लिए सितंबर 2020 में गूगल मैप में सुझाव देने का ऑप्शन इस्तेमाल किया था। नवंबर 2020 में गूगल की तरफ से कंफर्मेशन रिपोर्ट भी आई जिसमें कहा गया था कि वह यूजर की तरफ से दिए गए सजेशन को रिव्यू कर रहा है।

न्यूरालिंक डिवाइस से पैरालिसिस का मरीज भी चल-फिर सकेगा

वॉशिंगटन एजेंसी। एलन मस्क की ब्रेन-चिप कंपनी न्यूरालिंक को अपने पहले ह्यूमन ट्रायल के लिए इंडिपेंडेंट इंस्टिट्यूशनल रिव्यू बोर्ड से रिक्रूटमेंट की मंजूरी मिल गई है। यानी अब न्यूरालिंक ह्यूमन ट्रायल के लिए लोगों की भर्ती कर सकेगी। अगर ह्यूमन ट्रायल कामयाब रहा तो चिप के जरिए ब्लाइंड भी देख सकेंगे। पैरालिसिस से पीड़ित मरीज सोचकर कंप्यूटर चला सकेंगे।

एलन मस्क ने कहा- पहले मरीज को जल्द ही न्यूरालिंक डिवाइस मिलेगी। इसमें पूरे शरीर के मूवमेंट को रीस्टोर करने की क्षमता है। कल्पना कीजिए अगर स्टीफन हॉकिंग के पास यह होता। स्टीफन हॉकिंग वर्ल्ड फेमस ब्रिटिश फिजिसिस्ट और कॉस्मोलॉजिस्ट थे। वो एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस नाम की बीमारी से पीड़ित थे। इस बीमारी में शरीर का पूरा मूवमेंट रुक जाता है।

न्यूरालिंक ने कहा कि जिन लोगों को सर्वाइकल स्पाइनल कॉर्ड की चोट या एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस के कारण क्वाड्रिप्लेजिया है, वे इस ट्रायल में हिस्सा ले सकते हैं। उनकी उम्र मिनिमम 22 साल होनी चाहिए। स्टडी को पूरा होने में करीब 6 साल लगेंगे। इस दौरान पार्टिसिपेंट को स्टडी रिलेटेड कॉस्ट, जैसे साइट तक आने-जाने का ट्रैवल एक्सपेंस मिलेगा।

ट्रायल के जरिए कंपनी यह देखना चाहती है कि डिवाइस मरीजों पर कैसे काम कर रहा है। एन1 इंप्लांट, आर1 रोबोट और एन1 यूजर ऐप की सेफ्टी भी चेक की जाएगी।

जापानी प्रधानमंत्री किशिदा की अपील- परमाणु हथियार मुक्त दुनिया बनाने के प्रयासों पर फिर हो काम

टोक्यो, एजेंसी। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने मंगलवार रात कहा कि वह दुनियाभर में परमाणु हथियारों को खत्म करने के प्रयासों का नेतृत्व करना चाहते हैं और परमाणु हथियार संपन्न देशों को उन देशों के साथ चर्चा में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिनके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। किशिदा ने परमाणु हथियारों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री पर रोक लगाने को लेकर 1993 में हुई संधि 'फिसाइल मैटीरियल कटऑफ ट्रीटी पर फिर से चर्चा करने का प्रस्ताव रखा, जिस पर संयुक्त राष्ट्र में कभी बात नहीं हुई। हालांकि, इस संधि की प्रासंगिकता में अब भी कोई कमी नहीं आई है। इससे पहले, किशिदा ने मंगलवार को तथाकथित 'ग्लोबल साउथ के देशों से व्यापक समर्थन प्राप्त करने की उम्मीद में गैर-परमाणु हथियार रक्षा भागीदारों ऑस्ट्रेलिया और फिलीपीन के साथ एफएमसीटी उच्च स्तरीय वार्ता की सह-मेजबानी की। जापान दुनिया को परमाणु हथियार मुक्त बनाने की दिशा में विदेशी अनुसंधान संस्थानों में जापान की पीठ स्थापित करने के लिए तीन अरब येन (दो करोड़ अमेरिकी डॉलर) का योगदान देगा। किशिदा ने कहा कि दुनिया के पहले परमाणु हमले के शिकार हिरोशिमा का जनप्रतिनिधि होने के नाते, परमाणु निरस्त्रीकरण उनके जीवन का लक्ष्य है। उन्होंने कहा, जापान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में परमाणु और गैर-परमाणु देशों के बीच वार्ता को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य देशों के साथ सहयोग करेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129